गुरुवार, 31 जुलाई 2025

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

कोलकाता, श्रावण शुक्लपक्ष सप्तमी, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

मौसम

तापमान	25 – 30
आर्द्रता	78%
सूर्योदय: 4:53	सूर्यास्त: 18:18

राज्यसभा में जयशंकर ने राहुल गांधी पर किया परोक्ष हमला, 'चाइना गुरू' करार दिया पृष्ठ 7

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

सुविचार : बदलाव से डरिए मत, वो नई शुरुआत का संकेत होते हैं।

RED-X
B.W.P. PLY,
BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND
LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

भारत पर अमेरिका का 25% शुल्क

एक अगस्त से होगा प्रभावी

वाशिंगटन : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर दोनों देशों के बीच जारी बातचीत में कुछ गतिरोध के संकेतों के बीच बुधवार को भारत पर एक अगस्त से 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की है। इसके अलावा, ट्रंप ने रूस से सैन्य उपकरण और कच्चा तेल खरीदने के लिए अतिरिक्त जुर्माना लगाने का भी फैसला किया। यह आश्चर्यजनक घोषणा ऐसे समय में की गई है जब एक दिन पहले ही भारतीय अधिकारियों ने कहा था कि एक अमेरिकी व्यापार दल व्यापार समझौते पर बातचीत करने के लिए 25 अगस्त से भारत का दौरा करेगा। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में भारत की व्यापार नीतियों को 'सबसे कठिन और अप्रिय' बताया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, सब कुछ ठीक नहीं है! इसलिए भारत को एक अगस्त से 25 प्रतिशत शुल्क और रूस से खरीद को लेकर 'जुर्माना' भी देना होगा। यह जुर्माना इसलिए लगाया

गया क्योंकि भारत ने रूस से तेल और सैन्य उपकरणों की बड़ी खरीद की है। रूस से भारत का कच्चा तेल आयात रूस-यूक्रेन युद्ध से पहले कुल खरीद का 0.2 प्रतिशत था, जो अब बढ़कर 35-40 प्रतिशत हो गया है। चीन के बाद, रूसी तेल का सबसे बड़ा खरीदार भारत है। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया पोस्ट में भारत को अपना 'मित्र' बताया। उन्होंने कहा, भारत हमारा मित्र है, लेकिन हमने पिछले कई वर्षों में उनके साथ अपेक्षाकृत कम व्यापार किया है, क्योंकि उनके शुल्क बहुत अधिक हैं, जो दुनिया में 'सबसे अधिक' हैं। उनके पास 'सबसे कठोर और अप्रिय' गैर-मौद्रिक व्यापार बाधाएं हैं। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि 25 प्रतिशत का शुल्क मौजूदा 10 प्रतिशत के मूल शुल्क के अतिरिक्त होगा या नहीं। वर्तमान में 10 प्रतिशत शुल्क अधिकांश भारतीय वस्तुओं पर लागू है, जिसकी घोषणा ट्रंप ने दो अप्रैल को सभी देशों पर की थी। भारत के प्रमुख व्यापारिक प्रतिस्पर्धियों में, अमेरिका ने वियतनाम (20 प्रतिशत) और मलेशिया (25 प्रतिशत) पर कम शुल्क लगाया है, लेकिन बांग्लादेश (35 प्रतिशत) और थाइलैंड (36 प्रतिशत) पर अधिक शुल्क लगाया है।

देशहित के लिए हर जरूरी कदम उठाएंगे : भारत सरकार

टैरिफ के एलान के कुछ घंटों बाद भारत सरकार की ओर से प्रतिक्रिया सामने आई है। जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है कि सरकार किसानों, उद्यमियों और एमएसएमई के कल्याण की रक्षा और कल्याण को सबसे ज्यादा अहमियत देती है। सरकार राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाएगी, जैसा कि ब्रिटेन के साथ आर्थिक और व्यापार समझौते समेत अन्य व्यापार समझौतों के मामले में किया गया है।

ट्रंप की दोस्ती से कुछ नहीं मिला : कांग्रेस

टैरिफ और जुर्माना लगाए जाने के बाद विपक्षी दलों ने बुधवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ट्रंप से दोस्ती का कोई फायदा नहीं हुआ है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि मोदी को पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से प्रेरणा लेनी चाहिए और अमेरिका के राष्ट्रपति के सामने डटकर खड़ा होना चाहिए।

मोदी दो अगस्त को 9.7 करोड़ किसानों को 20,500 करोड़ रुपये की पीएम-किसान की 20वीं किस्त जारी करेंगे

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उत्तर प्रदेश के वाराणसी में 20,500 करोड़ रुपये की प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की 20वीं किस्त दो अगस्त को जारी करेंगे। इससे देशभर के 9.7 करोड़ किसान लाभान्वित होंगे। सरकार की प्रमुख प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजना 2019 में पेश की गई थी। अबतक इस कार्यक्रम के तहत 19 किस्तों के माध्यम से 3.69 लाख करोड़ रुपये सीधे किसानों के खातों में डाले जा चुके हैं।

देश के विकास में चिकित्सकों की महत्वपूर्ण भूमिका : मुर्मू

एम्स कल्याणी के पहले दीक्षा समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं राष्ट्रपति

कोलकाता, समाज्ञा : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि देश के विकास में चिकित्सकों की अहम भूमिका रही है और कई बीमारियों को खत्म करने, जीवन प्रत्याशा में वृद्धि करने और टीकाकरण के क्षेत्र में हुई प्रगति में इनका बड़ा योगदान है। मुर्मू ने नदिया जिले में एम्स-कल्याणी के प्रथम दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राज्य के दूसरे मुख्यमंत्री डॉ. बी सी रॉय के योगदान की भी सराहना की, जो स्वयं भी एक चिकित्सक थे। उन्होंने कहा कि अपनी सामाजिक ज़िम्मेदारियों के प्रति सजग चिकित्सकों ने राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज़ादी के समय औसत जीवन प्रत्याशा केवल 32 वर्ष थी, जो अब दोगुनी से भी ज़्यादा बढ़कर लगभग 70 वर्ष हो गई है। पिछले कुछ वर्षों में टीकाकरण के क्षेत्र में असाधारण प्रगति हुई है। राष्ट्रपति ने ज़ोर देकर कहा कि कई बीमारियों का उन्मूलन हो चुका है। उदाहरण के लिए, पिछले साल भारत को ट्रेकोमा-मुक्त घोषित किया गया, लेकिन अब भी कई चुनौतियां हैं जिनमें युवा डॉक्टर निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। मधुमेह, हृदय रोग और मोटापे जैसी स्वास्थ्य समस्याओं को नियंत्रित करने में चिकित्सकों की भूमिका सरकार और अन्य हितधारकों से कहीं ज़्यादा बड़ी है। चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में प्रतिदिन हो रहे नये बदलावों पर प्रकाश डालते हुए राष्ट्रपति ने छात्रों को आजीवन सीखते रहने तथा नये अनुसंधान और चिकित्सा पद्धतियों से अपडेट रहने की सलाह दी। राष्ट्रपति ने कहा कि नियोजित शहर कल्याणी की आधारशिला डॉ. बिधान चंद्र रॉय ने रखी थी, जिन्होंने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में अपने लंबे कार्यकाल के दौरान मरीजों की निःशुल्क सेवा जारी रखी। उन्होंने चिकित्सकों से आग्रह किया कि वे गरीबों और वंचितों को मुफ्त चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने में डॉ. रॉय की मिसाल का अनुसरण करें। मुर्मू ने एम्स-कल्याणी के छात्रों, शिक्षकों और प्रशासकों से यह संकल्प लेने का आग्रह किया कि वे इसे ऐसा संस्थान बनाएंगे, जिसपर राष्ट्र को गर्व होगा।

गुजरात एटीएस ने अल-कायदा के भारत विरोधी प्रोपेगैंडा के आरोप में एक महिला को पकड़ा

अहमदाबाद : गुजरात के आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) ने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन 'भारतीय उपमहाद्वीप में अल-कायदा' (एक्यूआईएस) के राष्ट्र विरोधी प्रोपेगैंडा का प्रचार करने के आरोप में बेंगलुरु की एक महिला को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मंगलवार को बेंगलुरु से पकड़ी गई आरोपी शमा परवीन अंसारी फोन और ईमेल के ज़रिए पाकिस्तानी संगठनों के संपर्क

में थी। उन्होंने बताया कि वह सोशल मीडिया पर भड़काऊ सामग्री पोस्ट करती थी, भारत सरकार के खिलाफ ''सशस्त्र क्रांति या जिहाद'' छेड़ने का आह्वान करती थी और देश में वैमनस्य फैलाती थी। एटीएस की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि अंसारी एक्यूआईएस और कुछ अन्य कट्टरपंथी प्रचारकों की भड़काऊ और भारत विरोधी सामग्री साझा करने के लिए दो फेसबुक पेज तथा एक इंस्टाग्राम हैंडल चलाती थी, जिसके 10,000 से अधिक फॉलोअर हैं।

रूस में दुनिया का छठा सबसे बड़ा भूकंप, 8.8 तीव्रता

जापान और अमेरिका में सुनामी की लहरें उठीं

तोक्यो : रूस के सुदूर पूर्व में बुधवार तड़के आए 8.8 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप के कारण जापान, अमेरिका के हवाई और प्रशांत महासागर में सुनामी की लहरें उठीं। यह भूकंप मार्च 2011 के बाद दुनिया में आया सबसे शक्तिशाली भूकंप प्रतीत होता है। भूकंप और सुनामी के कारण कई लोग घायल हुए हैं तथा अब तक किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है। हालांकि, प्राधिकारियों ने लोगों को तटरेखाओं से दूर रहने की चेतावनी दी है। अमेरिका, जापान और रूस सहित कई क्षेत्रों के लिए सबसे बुरा दौर बीत चुका प्रतीत होता है क्योंकि सुनामी संबंधी चेतावनी के स्तर को कम कर दिया गया है, लेकिन दक्षिण अमेरिका के प्रशांत तट पर चिली और कोलंबिया में नई चेतावनियों के कारण लोगों को अपना घर खाली करना पड़ रहा है। अमेरिकी गृह सुरक्षा मंत्री क्रिस्टी नोएम ने कहा कि सबसे बुरा समय बीत चुका है।

पुंछ में सेना का 'ऑपरेशन शिवशक्ति', सेना ने दो आतंकी किए ढेर

जम्मू : जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर बुधवार को घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए सेना के जवानों ने भारी हथियारों से लैस दो आतंकवादियों को मार गिराया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।अधिकारियों ने बताया कि माना जा रहा है कि मुठभेड़ में मारे गये ये दोनों आतंकवादी पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के सदस्य थे। इस मुठभेड़ से दो दिन पहले सुरक्षाबलों ने पहलगाम आतंकवादी हमले में शामिल तीन आतंकवादियों को श्रीनगर के एक जंगल में मार गिराया था।पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने हमला कर पर्यटकों को निशाना बनाया था। सेना ने बताया कि बुधवार को 'शिवशक्ति' नाम से चलाया गया अभियान पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी संगठनों के मंसूबों के लिए एक बड़ा झटका है। सेना के मुताबिक, ये संगठन जम्मू-कश्मीर में लगातार आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे हैं।रक्षा विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया, एक समन्वित आतंकवाद-रोधी अभियान में भारतीय सेना के जवानों ने 30 जुलाई को तड़के पुंछ सेक्टर में 'ऑपरेशन शिवशक्ति' शुरू किया। यह अभियान जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ मिलकर सैन्य और नागरिक खुफिया इकाइयों द्वारा क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में प्राप्त विश्वसनीय खुफिया सूचनाओं पर आधारित था।

पहलगाम आतंकी हमला : संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की रिपोर्ट में पहली बार टीआरएफ का उल्लेख

नयी दिल्ली : संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने पहली बार अपनी रिपोर्ट में पहलगाम हमले में भूमिका के लिए लश्कर-ए-तैयबा के छद्म समूह 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) के नाम का जिक्र किया है, जिससे पाकिस्तान समर्थित सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत की स्थिति मजबूत होने की उम्मीद है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के निगरानी दल की रिपोर्ट में एक सदस्य देश के हवाले से कहा गया है कि जम्मू कश्मीर में 22 अप्रैल को आतंकवादी हमला लश्कर-ए-तैयबा के समर्थन के बिना संभव नहीं था और ''टीआरएफ तथा लश्कर'' के बीच संबंध हैं। हालांकि, रिपोर्ट में सदस्य देश का नाम उजागर नहीं किया गया है। मामले की जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि यह घटनाक्रम महत्वपूर्ण है, क्योंकि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1267 प्रतिबंध समिति के सभी निर्णय, जिनमें रिपोर्ट भी शामिल हैं, संयुक्त राष्ट्र के शीर्ष निकाय के सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से अपनाए जाते हैं।

निसार उपग्रह की सफलता के साथ भारत-अमेरिका अंतरिक्ष सहयोग की उड़ान शुरू

श्रीहरिकोटा (आंध्र प्रदेश) : भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के बीच साझेदारी के तहत बुधवार को जीएसएलवी रॉकेट से 'निसार' उपग्रह को कक्षा में स्थापित कर दिया गया। 'निसार' पृथ्वी अवलोकन उपग्रह को दोनों अंतरिक्ष एजेंसियों द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया है। इसरो के जीएसएलवी एफ-16 ने लगभग 19 मिनट की उड़ान के बाद और लगभग 745 किलोमीटर की दूरी पर निसार (नासा-इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार) उपग्रह को सूर्य तुल्यकालिक ध्रुवीय कक्षा (एसएसपीओ) में स्थापित कर दिया। निसार उपग्रह दोनों अंतरिक्ष एजेंसियों के बीच एक दशक से अधिक समय तक जारी रहे तकनीकी सहयोग के आदान-प्रदान का परिणाम है। इसरो और नासा के बीच उपग्रह के लिए यह अपनी तरह की पहली साझेदारी है। इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने यहां से 102वें प्रक्षेपण के बारे में कहा, ''मुझे यह घोषणा करते हुए अत्यंत खुशी हो रही है कि जीएसएलवी एफ-16 ने निसार उपग्रह को सफलतापूर्वक

इच्छित कक्षा में स्थापित कर दिया है।'' बताया जाता है कि बुधवार का मिशन दुनिया का सबसे महंगा मिशन है, जिसकी अनुमानित लागत 1.5 अरब अमेरिकी डॉलर है।

इसरो की इस वित्त वर्ष में नौ प्रक्षेपणों की योजना, इसमें नासा के साथ अगला मिशन भी शामिल

श्रीहरिकोटा : निसार उपग्रह के सफल प्रक्षेपण के बाद इसरो के अध्यक्ष वी नारायणन ने बुधवार को घोषणा की कि नासा के साथ अगला सहयोगी मिशन और 'ब्लू बर्ड ब्लॉक 2' संचार उपग्रह का प्रक्षेपण चालू वित्त वर्ष के अंत तक इस अंतरिक्ष केंद्र से नियोजित नौ प्रमुख प्रक्षेपणों में शामिल हैं। यहां मिशन नियंत्रण केंद्र में उन्होंने कहा कि ये मिशन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में क्रियान्वित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, ''इस वित्त वर्ष के अंत से पहले नौ बड़े प्रक्षेपणों की योजना बनाई गई है। अगला बड़ा प्रक्षेपण एलवीएम3-एम5 मिशन है, जहां एलवीएम3 रॉकेट एक संचार उपग्रह सीएमएस-02 को प्रक्षेपित करेगा।''

कांग्रेस ने पाकिस्तान को पीओके दिया था, भाजपा सरकार उसे वापस लाएगी : अमित शाह

मारे गये आतंकवादियों की संलिप्तता वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित की गयी-शाह

नयी दिल्ली : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को राज्यसभा में कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि उसने पीओके (पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर) दिया था और भाजपा सरकार उसे वापस लाएगी।ऑपरेशन सिंदूर पर उच्च सदन में हुई विशेष चर्चा का जवाब देते हुए शाह ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' किसी के कहने पर नहीं रोका गया था, बल्कि जब पाकिस्तान घुटने टेकने पर मजबूर हो गया तो उसके 'डीजीएमओ' ने फोन करके कहा, बस बहुत हो गया।'' उन्होंने कहा कि ऐसा पहली बार हुआ कि लोगों को धर्म के आधार पर मारा गया और यह उनके लिए बेहद दुखद है। गृह मंत्री ने कहा, मैं इस सदन के माध्यम से आतंकवादियों से कहना

चाहता हूँ... जम्मू-कश्मीर आतंकवाद से मुक्त होगा। यह मोदी जी का संकल्प है। शाह ने कहा कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 26 निर्दोष लोगों की जान लेने वाले तीन आतंकवादी 'ऑपरेशन महादेव' के तहत मुठभेड़ में मारे जा चुके हैं और इस हमले में उनकी संलिप्तता वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित कर ली गयी है। इसी के साथ शाह ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह अपने वोट बैंक और तुष्टीकरण की नीति के कारण पाकिस्तान एवं आतंकवादियों को बचाने का प्रयास कर रही है। शाह ने कहा, ''मैं सदन के माध्यम से, 'ऑपरेशन महादेव' की जानकारी पूरे देश को देना चाहता हूं। 'ऑपरेशन महादेव' में सुलेमान, अफगान और जिब्रान नाम के तीन आतंकवादी - सेना, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस के संयुक्त अभियान में मारे गए।''उन्होंने बताया, ''सुलेमान, लश्कर-ए-तैयबा का ए-श्रेणी का कमांडर था। पहलगाम और गगनगीर आतंकी हमले में वह लिप्त था, इसके बहुत सारे सबूत हमारी एजेंसियों के पास हैं। अफगान और जिब्रान भी ए-श्रेणी के आतंकवादी थे।''उन्होंने बताया कि पूरी छानबीन एवं वैज्ञानिक तरीकों से यह पुष्टि की गई कि इन तीनों आतंकवादियों ने ही 22 अप्रैल को पहलगाम की बैसरन घाटी में 26 निर्दोष लोगों की जान ली थी।

घुटने और हिप रिप्लेसमेंट में रोबोटिक क्रांति!

कोलकाता स्थित बेले व्यू क्लिनिक में जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी के निदेशक, प्रसिद्ध जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. संतोष कुमार के पास 17 वर्षों से अधिक का अनुभव है। उन्होंने अब तक 35 हजार से अधिक सफल सर्जरी की हैं। वह **संतोष कुमार** हिप और नी फाउंडेशन और मोमेंटम ऑर्थोकेयर के संस्थापक भी हैं, जो जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन का एक समर्पित समूह है, जो हिप और घुटने के प्रतिस्थापन में नवीनता और सुधार के लिए प्रतिबद्ध हैं।

डॉ. कुमार का मानना है कि एक संगठन की ताकत उसकी टीम में होती है। उनकी टीम में कई विशेषज्ञ ऑर्थोपेडिक सर्जन, चिकित्सक, सहायक, तकनीशियन और फिजियोथेरेपिस्ट शामिल हैं। डॉ. कुमार का उद्देश्य व्यक्तिगत कौशल, दक्षता, व्यापक अनुभव और विश्वास को स्वास्थ्य सेवा के फ्रंटलाइन में एकीकृत करना है।

साल 2011 में, **डॉ. कुमार** ने कंप्यूटर-समर्थित जॉइंट रिप्लेसमेंट के लिए 'ऑर्थोपायलट' उपकरण का उपयोग किया था। पिछले वर्ष, उन्होंने इस प्रक्रिया को और बेहतर बनाने के लिए रोबोटिक आर्म का भी समावेश किया, जिससे सर्जरी में और अधिक सटीकता प्राप्त हो रही है। हिप और घुटने के प्रतिस्थापन में बायोमेकानिक्स, जैसे एक सस्पेंशन ब्रिज की यांत्रिकी, का महत्व है और यह बेहतर तरीके से नेविगेशन और रोबोटिक आर्म द्वारा हासिल किया जाता है।

डॉ. संतोष कुमार यह भी मानते हैं कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑगमेंटेड रियलिटी

जैसे आधुनिक उपकरण अब सर्जन के हाथों में हैं, जो सर्जरी को और भी सटीक और प्रभावी बनाते हैं। डॉ. कुमार का उद्देश्य घुटना और हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां छूने के साथ-साथ मरीजों को बेहतर जीवन जीने के अवसर प्रदान करना है। उनके नेतृत्व में, मोमेंटम ऑर्थोकेयर और संतोष कुमार हिप और नी फाउंडेशन ने सर्जरी में एक नया मानक स्थापित किया है।

डॉ. कुमार का कहना है कि सही तरीके से किया गया जॉइंट रिप्लेसमेंट 25 वर्षों से अधिक तक चल सकता है और अगर आवश्यक हो, तो इसे पुनः किया जा सकता है, जिसे 'रिवीजन जॉइंट रिप्लेसमेंट' कहा जाता है। डॉ. कुमार और उनकी टीम कोलकाता में नियमित रूप से इन रिवीजन प्रक्रियाओं का संचालन करते हैं।

नवीनतम तकनीक

डॉ. संतोष कुमार ने घुटने और हिप रिप्लेसमेंट में नए विकास के बारे में बताया। उन्होंने मोबाइल बेयरिंग रोटेटिंग प्लेटफॉर्म घुटने के रिप्लेसमेंट की बात की, जो खासतौर पर पैरों को क्रॉस करके बैठने के लिए डिजाइन किए गए हैं। इसके अलावा, कम संपर्क तनाव डिजाइन से इम्प्लांट के जीवनकाल में वृद्धि होती है। काइनेमेटिक एलाइंमेंट का उपयोग करके मेडियल पिवट घुटने ने घुटने के कृत्रिम जोड़ को जितना संभव हो प्राकृतिक घुटने के करीब लाने में मदद की है। **डॉ. संतोष कुमार** का कहना है कि पूरी प्रक्रिया को दर्द रहित बनाना उनका प्रमुख उद्देश्य है, जिसे उच्च सटीकता वाली नर्व ब्लॉक्स और मल्टीमोडल एनाल्जेसिया तकनीकों द्वारा प्राप्त किया जाता है।

-स्टिचलेस सर्जरी का नया युग

डॉ. कुमार बताते हैं कि आजकल वे स्टिचलेस सर्जरी करते हैं, जिससे मरीज को सर्जरी के कुछ ही दिनों बाद स्नान करने की अनुमति मिलती है और कोई भी स्टिच हटाने की आवश्यकता नहीं होती, जिससे लगभग कोई निशान भी नहीं रहता।

-जॉइंट रिप्लेसमेंट के लिए सुलभ और किफायती हब

डॉ. संतोष कुमार का कहना है कि संतोष कुमार हिप और नी फाउंडेशन और मोमेंटम ऑर्थोकेयर की स्थापना का मुख्य उद्देश्य पूर्व भारत में जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी के लिए एक किफायती और स्थानीय केंद्र बनाना था।

-फ्री वीडियो कंसल्टेशन और यात्रा खर्च की सुविधा

इसके अलावा, **डॉ. कुमार** अपने मरीजों और उनके साथ आने वाले रिश्तेदारों के लिए बिहार और झारखंड से इलाज के लिए आने वाले मरीजों के यात्रा खर्च को भी वापस करते हैं और उन्हें मुफ्त वीडियो कंसल्टेशन की सुविधा भी प्रदान करते हैं।

डॉ. संतोष कुमार और उनकी टीम का उद्देश्य जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों का उपयोग करके मरीजों को बेहतर और दर्दमुक्त जीवन प्रदान करना है।

Dr Santosh Kumar activating the Robotic Arm during Robotic Knee Replacement

For additional information, feel free to communicate with Dr. Santosh Kumar at Plot number 236, Lake Town, Block B, Kolkata 700089; email: sandr@gmail.com; WhatsApp or call: 6289962271 / 9831911584; or visit: Belle Vue Clinic, Loudon Street, Kolkata.

रोज़गार के क्षेत्र में अनिश्चितता के संकेत

पिछले कुछ वर्षों में भारत में बड़े पैमाने पर होने वाले तकनीकी परिवर्तनों के प्रति खासा उत्साह देखा गया है। देश में सामाजिक व आर्थिक स्तर पर तेजी से डिजिटल परिवर्तन को जनसाधारण ने भी उत्साह के साथ अंगीकार किया है। इस उम्मीद के साथ कि बदलते वक्त के साथ कदमताल करना अपरिहार्य है। आकांक्षा यह भी कि तकनीकी बदलाव के दौर में दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश में रोजगार के नये अवसर भी सृजित हों। ऐसे परिदृश्य में देश की प्रतिष्ठित मानी जाने वाली टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज यानी टीसीएस द्वारा बारह हजार से अधिक कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा एक परेशान करने वाला घटनाक्रम है। यह संख्या संस्था के कुल कार्यबल का दो फीसदी बैठता है। निस्संदेह, छंटनी का यह फैसला आईटी क्षेत्र में आसन्न संकट की आहट को ही दर्शाता है। कहा जा रहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से प्रेरित तकनीकी हस्तक्षेप और वैश्विक स्तर पर मांग को लेकर उत्पन्न अनिश्चितताओं के चलते भारत की प्रतिष्ठा का पर्याय रहा आईटी सेवा उद्योग संरचनात्मक बदलाव की ओर बढ़ रहा है। इस बाबत टीसीएस की दलील है कि इन नौकरियों में कटौती कौशल की कमी और अपने विकसित होते व्यावसायिक मॉडल में कुछ कर्मचारियों को फिर से नियुक्त करने में असमर्थता के चलते की गई है। हालांकि, कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी का दावा है कि इस कदम के पीछे एआई से प्रेरित उत्पादकता वृद्धि नहीं है। उद्योग या बाजार की प्राथमिकताएं भी नहीं हैं। लेकिन मौजूदा समय में यह कदम लागत-अनुकूलन पहलों के चलते अन्य आईटी सेवा कंपनियों में भी छंटनी को बढ़ावा दे सकता है। इसमें दो राय नहीं कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता कारोबार के नियमों में मौलिक बदलाव के चलते, भविष्य के लिये तैयार रहना हर व्यावसायिक उद्यम के एजेंडे में सबसे ऊपर होगा। इस नई हकीकत को देखते हुए, एक सवाल सबसे ज्यादा विचलित करने वाला यह है कि यह तकनीकी बदलाव अनिवार्य रूप से कर्मचारियों की कीमत पर होना चाहिए?

बताया जाता है कि टीसीएस ने एआई को उन्नत करने और प्रशिक्षण में भारी निवेश किया है। इसके उपरांत बताया जा रहा है कि अब वह कई माध्यम से वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों को सेवा में बनाये रखने में असमर्थता जता रही है। यह मानना कि नई तकनीक के साथ संवेदनशील समायोजन हमेशा लाभदायक नहीं रहता, की सोच ने एक खतरे की घंटी बजा दी है। देश के बड़े व छोटे व्यवसायों द्वारा नए तकनीकी मॉडल को आंख बंद करके अपनाने से एक परेशान करने वाले परिदृश्य का खतरा सामने नजर आ रहा है। इन उद्योगों को चिंता है कि तकनीकी बदलाव की स्पर्धा के इस परिदृश्य में कहीं वे पीछे न रह जाएं। इस अनिश्चित समय में, एक उम्मीद की किरण,यदि कोई है, तो वह है भारत का पिछले कुछ वर्षों में बड़े पैमाने पर सफलता से तकनीकी परिवर्तन को स्वीकार करना। देश ने हर सामाजिक और आर्थिक स्तर पर तेजी से डिजिटल तकनीक को सहजता से स्वीकार किया है। एआई को अपनाने के लिये उसी तरह सार्वजनिक व निजी क्षेत्र के समर्थन-सहयोग की आवश्यकता है। सार रूप में कहें तो एक भारतीय दृष्टिकोण, जो मानव संसाधन और परिवर्तन के अनुकूल होने की उसकी क्षमता को महत्व देता है। निस्संदेह, भारत एआई के उपयोग के मामले में अमेरिका व यूरोप नहीं हो सकता। दुनिया की सबसे ज्यादा आबादी वाले देश में बेरोजगारी का संकट किसी से छिपा नहीं है। देश में श्रमबल का कौशल विकास धीरे-धीरे गति पकड़ रहा है। सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों में आईटी पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने वाले छात्रों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। टीसीएस के इस फैसले से आईटी पाठ्यक्रमों में अध्ययन कर रहे उन लाखों छात्रों और डिग्री लेकर निकल रहे उत्साही इंजीनियरों में निराशा व्याप्त होगी। भारत में बढ़ता रोजगार संकट केंद्र सरकार से निरंतर हस्तक्षेप की मांग करता है। हाल ही में हरियाणा में कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित दो दिवसीय परीक्षा में लाखों प्रत्याशियों का शामिल होना बताता है कि बेरोजगारी किस पैमाने पर है। यह भी कि उनके लिये अवसर बेहद कम हैं।

जन-जन के कवि, युगों के संत गोस्वामी तुलसीदास

श्वेता गोयल

तुलसीदास जयंती (31 जुलाई) पर विशेष

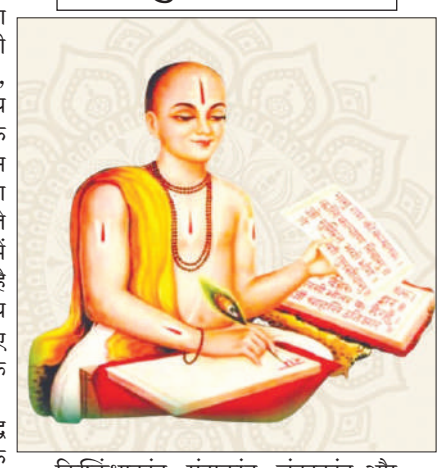

भारतीय साहित्य, भक्ति आंदोलन और आध्यात्मिक चेतना के आकाश में गोस्वामी तुलसीदास एक ऐसे नक्षत्र हैं, जिनकी चमक न केवल हिंदी साहित्य को आलोकित करती है बल्कि करोड़ों जनमानस के हृदय को भी आज तक प्रकाशित करती रही है। गोस्वामी तुलसीदास का जीवन, उनकी साधना, उनका साहित्य और उनका भक्ति भाव भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। तुलसीदास जी ने रामभक्ति को केवल एक धार्मिक भावना के रूप में नहीं बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और मानवीय सरोकारों से जोड़ते हुए जन-जन तक पहुंचाया। उनकी रचनाएं आज भी गूढ़ तत्वज्ञान और सरल भाषा का अद्भुत संगम मानी जाती हैं।

गोस्वामी तुलसीदास का जन्म श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को हुआ था, जो वर्ष 2025 में 31 जुलाई को पड़ रही है। जन्मस्थान के विषय में विभिन्न मत हैं परंतु अधिकांश विद्वान मानते हैं कि उनका जन्म उत्तर प्रदेश के राजापुर नामक स्थान पर हुआ था। उनकी माता का नाम हुलसी और पिता का नाम आत्माराम दुबे था। बाल्यावस्था में ही माता-पिता का साया उठ जाने के कारण तुलसीदास का जीवन प्रारंभ से ही संघर्षपूर्ण रहा किन्तु वे आध्यात्मिक रूप से अत्यंत समृद्ध और ईश्वर के प्रति पूर्ण समर्पित थे। उनका बाल्य नाम रामबोला था और उन्हें राम नाम लेते ही जन्म से आठों दांत मिल गए थे, जिसे लोग चमत्कार मानते थे।

तुलसीदास का जीवन भक्ति और सेवा की मिसाल है। उन्होंने गृहस्थ जीवन भी अपनाया था किन्तु एक प्रसंग के अनुसार, पत्नी की एक तीखी टिप्पणी ने उनके हृदय को ऐसा झकझोर दिया कि वे सांसारिक जीवन त्याग कर ईश्वर की भक्ति में लीन हो गए। वह प्रसंग आज भी स्मृति में गूंजता है, जब पत्नी रत्नावली ने उन्हें फटकारते हुए कहा था कि यदि आप भगवान राम में इतनी ही आसक्ति रखते, जितनी मुझमें है तो आपका उद्धार हो गया होता। इस वाक्य ने तुलसीदास को आत्मचिंतन के लिए बाध्य किया और वहीं से उनकी रामभक्ति की अमर यात्रा का आरंभ हुआ।

गोस्वामी तुलसीदास की सबसे प्रसिद्ध रचना 'रामचरितमानस' है, जो वाल्मीकि रामायण के आधार पर अवधी भाषा में लिखी गई। यह केवल एक महाकाव्य नहीं बल्कि भारतीय जनमानस की भावनाओं का प्रतिबिंब है। यह ग्रंथ एक ऐसी लोकगाथा बन गया है, जो मंदिरों से लेकर ग्रामीण चौपालों तक में सुनी और सुनाई जाती है। तुलसीदास जी ने भाषा को जन-जन से जोड़ा, पंडितों की सीमित संस्कृत को आम जनता की बोली में ढालकर रामकथा को एक व्यापक जनांदोलन का रूप दिया। उनकी भाषा अवधी होते हुए भी अत्यंत शुद्ध, सरल और भावगर्भित है, जो सामान्य व्यक्ति को भी गहरे आध्यात्मिक भाव में डुबो देती है। 'रामचरितमानस' सात कांडों में विभाजित है, बालकांड, अयोध्याकांड, अरण्यकांड, किष्किंधाकांड, सुंदरकांड, लंकाकांड और उत्तरकांड। प्रत्येक कांड में भगवान श्रीराम के जीवन के विभिन्न चरणों को अत्यंत सरस, मार्मिक और भावपूर्ण शैली में प्रस्तुत किया गया है।

राम को तुलसीदास ने केवल एक राजा या योद्धा नहीं बल्कि मर्यादा पुरुषोत्तम, आदर्श पुत्र, आदर्श पति और आदर्श शासक के रूप में चित्रित किया है। राम के चरित्र के माध्यम से उन्होंने नीति, धर्म, करुणा, न्याय और सच्चाई के आदर्श प्रस्तुत किए हैं, जो आज भी मानवता के लिए प्रकाश स्तंभ हैं। तुलसीदास की एक और कालजयी रचना 'हनुमान चालीसा' है, जिसकी लोकप्रियता भारत के कोने-कोने में दिखाई देती है। हनुमान चालीसा केवल स्तोत्र नहीं अपितु विश्वास, शक्ति और समर्पण का प्रतीक है। इसमें भक्त के विश्वास और प्रभु की कृपा के बीच का जो गूढ़ संबंध उभरता है, वह भक्तिरस की पराकाष्ठा को दर्शाता है। इसकी हर चौपाई आज भी करोड़ों लोगों की दिनचर्या का हिस्सा है, जिससे न केवल मानसिक शक्ति का संचार होता है बल्कि आत्मिक शांति भी प्राप्त होती है।

तुलसीदास का जीवनकाल मुगलों के शासनकाल में था, जब देश सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक अस्मिता के संकट से जूझ रहा था। ऐसे समय में तुलसीदास की रचनाएं भारतीय समाज में आत्मबल, सांस्कृतिक चेतना और धार्मिक एकता का संचार करने वाली साबित हुईं। उन्होंने धर्म और संस्कृति को लोकभाषा के माध्यम से इस तरह जनमानस में प्रवाहित किया कि वह सामाजिक क्रांति का माध्यम बन गई। उनके समय में जब ब्राह्मणवादी संस्कृत को ही धर्म और विद्या का माध्यम माना जाता था, तुलसीदास ने लोकभाषा अवधी को माध्यम बनाकर जनसामान्य को आध्यात्मिकता से जोड़ा और भक्ति को जन आंदोलन बनाया।

तुलसीदास के साहित्य का प्रभाव केवल भारत तक सीमित नहीं है बल्कि विश्वभर में रामकथा और तुलसी साहित्य का अनुकरण किया जाता है। दक्षिण एशिया के विभिन्न देशों में रामचरितमानस का पाठ, रामलीलाएं और हनुमान चालीसा का पाठ श्रद्धा और भक्ति से किया जाता है। तुलसीदास के राम न केवल हिन्दुओं के आराध्य हैं बल्कि वे न्याय, धर्म, करुणा और विवेक के वैश्विक प्रतीक बन चुके हैं। तुलसीदास का जीवन इस बात का साक्ष्य है कि एक संत, एक कवि और एक साधक किस प्रकार से साहित्य और भक्ति के माध्यम से जनचेतना को जागृत कर सकता है। वे केवल एक कवि नहीं थे बल्कि समाज-सुधारक, अध्यात्म-प्रणेता और सांस्कृतिक योद्धा भी थे। उन्होंने शब्दों की शक्ति से एक ऐसे भारत की रचना की, जिसकी आत्मा आज भी रामभक्ति में रमी हुई है। उनका साहित्य न केवल भक्ति का मार्ग दिखाता है बल्कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में मर्यादा, आदर्श और अनुशासन का संदेश भी देता है।

तुलसीदास की जयंती केवल उनके जन्म का उत्सव नहीं है, यह उस कालजयी चेतना का उत्सव है जिसने हिंदी साहित्य को उसका गौरव दिलाया, जिसने समाज को भक्ति और नीति का आधार प्रदान किया और जिसने एक ऐसे राम को जनमानस में प्रतिष्ठित किया, जो केवल मंदिरों में नहीं बल्कि प्रत्येक हृदय में बसे हैं। इस अवसर पर हमें यह स्मरण करना चाहिए कि तुलसीदास का जीवन और साहित्य केवल भूतकाल की विरासत नहीं अपितु वर्तमान और भविष्य के लिए दिशा-निर्देश हैं। उनकी रचनाओं में वह शक्ति है, जो मानव को आत्म-चिंतन, आत्म-निर्माण और आत्म-समर्पण की ओर प्रेरित करती है। यही कारण है कि युग बदलते गए पर तुलसीदास की काव्यधारा अविरल बहती रही और आगे भी बहती रहेगी। उनके शब्दों में राम के आदर्श हैं, जीवन का सत्य है और भक्ति का वह अमृत है, जो युगों तक अमर रहेगा। (लेखिका डेढ़ दशक से शिक्षण क्षेत्र से संबद्ध हैं)

स्वदेश निर्मित विकसित कवच 4.0 को दिल्ली-मुंबई मार्ग के मथुरा-कोटा सेक्शन पर चालू किया गया

रिकॉर्ड समय में व्यस्त दिल्ली-मुंबई रूट के मथुरा-कोटा सेक्शन पर कवच 4.0 का चालू होना एक बड़ी उपलब्धि : अश्विनी वैष्णव

- **कवच प्रभावी ब्रेक अनुप्रयोग के माध्यम से लोको पायलटों के लिए गति नियंत्रण सक्षम बनाता है; लोको पायलटों को कोहरे में भी कैब के अंदर सिग्नल की जानकारी मिलेगी**
- **भारतीय रेलवे 6 वर्षों के भीतर पूरे देश में कवच 4.0 चालू करेगी; कई विकसित देशों को ट्रेन सुरक्षा प्रणाली तैनात करने में 20-30 साल लगे**
- **रेलवे की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता: कवच सहित कई अन्य सुरक्षा उपायों को 1 लाख करोड़ रुपए के वार्षिक निवेश का समर्थन प्राप्त है**

नयी दिल्ली : भारतीय रेलवे ने उच्च-घनत्व वाले दिल्ली-मुंबई मार्ग के मथुरा-कोटा सेक्शन पर स्वदेश निर्मित कवच 4.0 को रेलवे सुरक्षा प्रणाली के लिए चालू कर दिया है। देश में यह रेलवे सुरक्षा प्रणालियों के आधुनिकीकरण की दिशा में सराहनीय कदम है।

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' विजन से प्रेरणा लेते हुए, रेलवे ने कवच स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली का स्वदेश में ही डिज़ाइन, विकास और निर्माण किया है। कवच 4.0 एक प्रौद्योगिकी-प्रधान प्रणाली है। इसे अनुसंधान डिज़ाइन एवं मानक संगठन (आरडीएसओ) द्वारा जुलाई 2024 में अनुमोदित किया गया था। कई विकसित देशों को ट्रेन सुरक्षा प्रणाली विकसित करने और स्थापित करने में 20-30 साल लग गए। कोटा-मथुरा सेक्शन पर कवच 4.0 का निर्माण बहुत ही कम समय में पूरा किया गया है। यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि है।

आजादी के बाद पिछले 60 वर्षों में देश में अंतरराष्ट्रीय स्तर की उन्नत रेल सुरक्षा प्रणालियां स्थापित नहीं की गई थीं। रेल और यात्री सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हाल ही में कवच प्रणाली को चालू किया गया है।

भारतीय रेलवे छह वर्षों की छोटी सी अवधि में देशभर के विभिन्न मार्गों पर कवच 4.0 को लागू करने की तैयारी कर रहा है। कवच प्रणालियों पर 30,000 से ज़्यादा लोगों को पहले ही प्रशिक्षित किया जा चुका है। आईआरआईएसईटी (भारतीय रेलवे सिग्नल इंजीनियरिंग एवं दूरसंचार संस्थान) ने कवच को अपने बीटेक पाठ्यक्रम में शामिल करने के लिए 17 एआईसीटीई-अनुमोदित इंजीनियरिंग कॉलेजों, संस्थानों और विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

कवच, प्रभावी ब्रेक लगाकर लोको पायलटों को ट्रेन की गति बनाए रखने में मदद करेगा। कोहरे जैसी कम दृश्यता की स्थिति में भी लोको पायलटों को सिग्नल के लिए केबिन से बाहर देखने की जरूरत नहीं पड़ेगी। पायलट केबिन के अंदर लगे डैशबोर्ड पर जानकारी देख सकते हैं।

कवच क्या है?

- कवच एक स्वदेशी रूप से विकसित रेल सुरक्षा प्रणाली है। इसे रेलगाड़ियों की गति की निगरानी और नियंत्रण करके दुर्घटनाओं को रोकने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- इसे सुरक्षा अखंडता स्तर 4 (एसआईएल 4) पर डिज़ाइन किया गया है। यह सुरक्षा डिज़ाइन का उच्चतम स्तर है।
- कवच का विकास 2015 में शुरू हुआ। इस प्रणाली का 3 वर्षों से अधिक समय तक बड़े स्तर पर इसका परीक्षण किया गया।
- तकनीकी सुधारों के बाद इस प्रणाली को दक्षिण मध्य रेलवे (एसीआर) में स्थापित किया गया। पहला परिचालन प्रमाणपत्र 2018 में प्रदान किया गया।
- दक्षिण-मध्य रेलवे में प्राप्त अनुभवों के आधार पर एक उन्नत प्रारूप 'कवच 4.0' विकसित किया गया। इसे मई 2025 में 160 किमी प्रति घंटे तक की गति के लिए अनुमोदित किया गया।
- कवच के घटकों का निर्माण स्वदेशी रूप से किया जा रहा है।

दूरसंचार टावर

स्टेशन कवच

कवच की जटिलता

कवच एक अत्यंत जटिल प्रणाली है। कवच का चालू होना एक दूरसंचार कंपनी स्थापित करने के बराबर है। इसमें निम्नलिखित उप-प्रणालियां शामिल हैं:

- **आरएफआईडी टैग:** ये टैग पूरी पटरी पर हर 1 किलोमीटर पर लगाए जाते हैं। हर सिग्नल पर भी टैग लगाए जाते हैं। ये आरएफआईडी टैग ट्रेनों की सटीक लोकेशन बताते हैं।
- **दूरसंचार टावर:** ऑप्टिकल फाइबर कनेक्टिविटी और बिजली आपूर्ति सहित पूर्ण दूरसंचार टावर, हर कुछ किलोमीटर पर ट्रैक की पूरी लंबाई में लगाए जाते हैं। लोको पर लगे कवच सिस्टम और स्टेशनों पर कवच नियंत्रक इन टावरों के माध्यम से लगातार संचार करते रहते हैं। यह एक दूरसंचार ऑपरेटर की तरह एक संपूर्ण नेटवर्क स्थापित करने के बराबर है।
- **लोको कवच:** यह पटरियों पर लगे आरएफआईडी टैग से जुड़कर दूरसंचार टावरों तक सूचना पहुँचाता है और स्टेशन कवच से रेडियो सूचना प्राप्त करता है। लोको कवच को इंजनों के ब्रेकिंग सिस्टम से भी जोड़ा गया है। यह सिस्टम यह सुनिश्चित करता है कि आपातकालीन स्थिति में ब्रेक लगाए जाएं।
- **स्टेशन कवच:** प्रत्येक स्टेशन और ब्लॉक सेक्शन पर स्थापित। यह लोको कवच और सिग्नलिंग प्रणाली से सूचना प्राप्त करता है और लोको कवच को सुरक्षित गति के लिए मार्गदर्शन करता है।
- **ऑप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी):** ऑप्टिकल फाइबर को पटरियों के साथ बिछाया जाता है, जो उच्च गति डेटा संचार के लिए इन सभी प्रणालियों को जोड़ता है।
- **सिग्नलिंग प्रणाली:** सिग्नलिंग प्रणाली को लोको कवच, स्टेशन कवच, दूरसंचार टावरों आदि के साथ एकीकृत किया गया है।

इन प्रणालियों को यात्री और मालगाड़ियों की भारी आवाजाही सहित रेलवे परिचालन को बाधित किए बिना स्थापित, जांचा और प्रमाणित किया जाना आवश्यक है।

लोको कवच

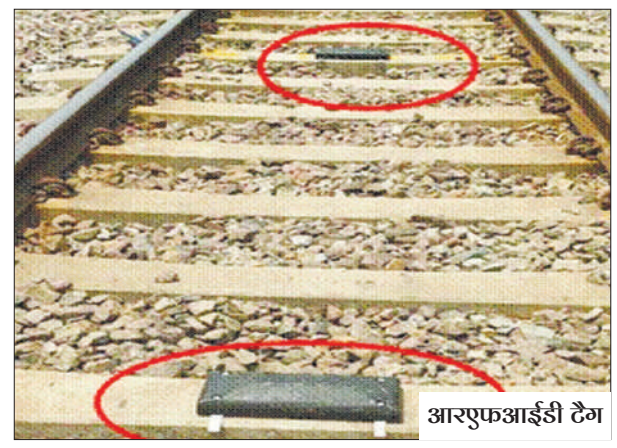

आरएफआईडी टैग

आज का पंचांग

कोलकाता : 31 जुलाई, गुरुवार, 2025, विक्रम सम्वत् 2082, श्रावण शुक्लपक्ष सप्तमी, 28:58 तक, नक्षत्र : चित्रा, 24:36 तक, योग : साध्य, 28:23 तक, सूर्योदय: 5:07, सूर्यास्त: 18:19, चन्द्रोदय : 10:45, चन्द्रास्त: 22:18, शक सम्वतः 1947 विश्वावसु, सूर्य राशि : कर्क, चन्द्र राशि : कन्या, राहू काल : 13:20 से 14:58

राशिफल

मेष : गुरुवार को मेष राशि के जातकों की जिंदगी अच्छी रहेगी। पारिवारिक वातावरण शांतिपूर्ण रहेगा। शाम के दौरान परिजनों के साथ घूमने की योजना बन सकती है।

वृष : आप नया व्यवसाय शुरू करने की सोच रहे हैं तो अच्छा समय है। इस राशि के जातकों के हालात धीरे-धीरे अनुकूल होंगे। गुरुवार को इस राशि के जातकों का मन अध्यात्म में रमेगा।

मिथुन : मिथुन राशि के जातकों का मन गुरुवार को विचलित या फिर अस्थिर रह सकता है। इसके चलते जॉब पर इसका प्रभाव पड़ सकता है। दूसरों की सलाह से अधिक खुद के विवेक पर भरोसा करें।

कर्क : गुरुवार को छात्रों पढ़ाई से मन भटक सकता है। इस राशि के जातकों को सेहत को लेकर सतर्क रहने की आवश्यकता है। कोई बात आपके करीबी को आहत कर सकती है।

सिंह : गुरुवार के दिन परिवार में सुख-शांति का माहौल रहेगा। इसके चलते जातक दिनभर आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे। इसके साथ ही समय पर काम पूरे होंगे। बिजनेस में सफलता मिलेगी।

कन्या : कोर्ट-कचहरी के मामलों में जीत संभव है। बिजनेस में अच्छा करेंगे। नौकरीपेशा की तरक्की के रास्ते बन सकते हैं। गुरुवार को इस राशि के जातकों की तर्कशक्ति लोगों को प्रभावित करेगी।

तुला : इस राशि के जातक अगर उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं तो दिन अनुकूल है। गुरुवार को वित्तीय संकट दूर होने की संभावना है। गुरुवार को ही धार्मिक आयोजन में भागीदारी हो सकती है।

वृश्चिक : इस राशि के जातक गुरुवार को लंबी यात्रा से परहेज करें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खासतौर से ब्लड प्रेशर और वात रोग के शिकार लोग सतर्क रहें। माता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

धनु : छात्रों और शोधार्थियों को शोध कार्य या विश्लेषण से जुड़ी परियोजनाओं में गुरुवार को सफलता मिलेगी। पिछले काफी समय से चली आ रहीं पुरानी समस्याएं समाप्त हो सकती हैं।

मकर : गुरुवार के दिन आपका स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी और व्यवसाय में लाभ होगा। जॉब करते हैं तो मेहनत करने से ना कतराएं। यह प्रमोशन तक ले ज सकता है।

कुम्भ : गुरुवार को इस राशि के जातकों के लिए धन संबंधी लेन-देन शुभ रहेगा। गुरुवार के दिन सामाजिक संपर्कों में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में साहसिक निर्णय लेने से लाभ मिलेगा।

मीन : सामाजिक कार्यों में रुचि रखते हैं तो गुरुवार को आपको चुनौती मिलेगी। राजनीति से जुड़े लोग किसी असहज स्थिति में पड़ सकते हैं। अनचाही यात्रा संभव है।

वर्ग पहेली नं. 3169

1			2	■	3	4	5	■	6
	■	■	7	8	■	9			
10	11		■	12	13		■	■	
14		■	15			■	16	17	
■	18	19		■	20				■
21	■	22		23		■		■	24
25	26		■	27		■	28		
29		■	30		■	31	■	■	
32			■	33					

ऊपर से नीचे:- 1) चटकना, 2) बरबादी, 4) ऊर्जा, 5) ताज़ा, 6) चप्पू, 8) तीक्ष्ण; प्रबल, 11) ओर, 13) किसी भी क़ीमत पर, 15) पैर, 16) सभा, 17) अस्थमा, 19) आदरपूर्वक, 21) भारत में एक प्रमुख शहर, 23) पैतृक, 24) खुले-आम; प्रकट, 26) धावा, 31) आदि; आरंभिक; जड़. *(उत्तर: अगले अंक में)*

बायें से दायें:- 1) भूमिगृह; *बेसमैंट,* 3) औलाद, 7) संदेह, 9) प्रलय, 10) टिकिया; फाँक, 12) आरोग्यलाभ; वित्तीय सहायता; सुकून, 14) स्त्री, 15) ठेका; चैन, 16) बीच में, 18) उपद्रव, 20) भाषांतर, 22) उत्साही, 25) हिलोर; जलतरंग, 27) जलन, 28) पार्वती, 29) उपयोग, 30) शिष्य, 32) छोटा जलाशय, 33) एक मुसलमानी त्योहार.

पिछली पहेली का उत्तर

अ	चा	न	क	■	स	लू	क	■	द
गु	■	स	म	स्त	र	■	त	बा	ही
आ	स	■	र	■	दा	य	रा	■	■
■	ह	■	बं	द	र	■	ना	का	म
■	म	द	द	■	■	औ	■	व्य	य
ख़	त	रा	■	अ	द	र	क	■	क
म	■	र	त	ना	र	■	म	हे	श
द	फ़ा	■	■	वृ	■	फ़	रा	र	■
म	श	क	■	त	स्क	र	■	ना	गा

सुडोकू-पहेली-3126

			9		2			
		8			3	2	6	
7			8	5				
					6			
9				8				
6						3	8	4
	5			1			9	
	4	1			5			6
							2	

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3125 का उत्तर

6	7	3	8	9	2	5	4	1
5	8	9	4	1	3	6	7	2
4	1	2	5	6	7	3	9	8
7	2	1	6	8	5	9	3	4
9	4	5	7	3	1	2	8	6
8	3	6	2	4	9	1	5	7
3	6	7	1	5	4	8	2	9
2	5	8	9	7	6	4	1	3
1	9	4	3	2	8	7	6	5

तृणमूल कांग्रेस ने दिल्ली में महिला को प्रताड़ित करने का लगाया आरोप

❑ **पार्टी ने प्रगति मैदान थाने में दिल्ली पुलिस के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत**

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस द्वारा बुधवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता में सजनूर परवीन नाम की एक महिला ने आरोप लगाया कि उस पर बांग्लादेशी होने का झूठा आरोप लगाकर उसे एक सुनसान जगह पर ले जाया गया, उसके बच्चे के साथ उसे भी प्रताड़ित किया गया और खुद को दिल्ली पुलिस कर्मी बताने वाले चार लोगों ने उससे जबरन वसूली की। परवीन ने आरोप लगाया कि दो पुरुषों व दो महिलाओं ने खुद को दिल्ली पुलिस कर्मी बताकर 25 जुलाई को हमारे घर पर छापा मारा, हमारे आधार कार्ड जांचे। वे मेरे पति

को तलाश रहे थे, जो उस समय काम के सिलसिले में बाहर गए हुए थे। उन्होंने हमें बांग्लादेशी कहा जबकि हम उन्हें लगातार पश्चिम बंगाल से होने के बारे में बताते रहे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि वे अगले दिन फिर आए और हमें एक सुनसान जगह पर ले गए, जहां हमसे 'जय श्री राम' का नारा लगाने को कहा। मैंने उनसे कहा कि मैं मुसलमान हूं और मना कर दिया। उन्होंने मुझे थप्पड़ मारे और मेरे पेट में लात मारी। उन्होंने मेरे बच्चे को भी पीटा। प्रेस वार्ता के तुरंत बाद तृणमूल नेता कुणाल घोष परवीन और उनके परिवार के साथ कोलकाता के प्रगति मैदान थाने गए और दिल्ली पुलिस के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। खुद को मालदा जिले के चंचल इलाके की मूल निवासी बताने वाली और प्रवासी के रूप में अपने परिवार के साथ दिल्ली में रह रही परवीन ने राष्ट्रीय राजधानी में कथित यातना का विवरण दिया। इस दिन, परवीन ने यहां तृणमूल कांग्रेस कार्यालय में पत्रकारों से कहा कि जब उन्होंने मेरे बच्चे की पिटाई की तो उसके कान से खून बहने लगा और हमें इलाज भी नहीं दिया गया। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली पुलिस ने हमें बताया कि पश्चिम बंगाल के लोगों का मतलब बांग्लादेशी से है। उन्होंने कहा कि रिहा करने से पहले 25,000 रुपये भी वसूले। महिला ने दिल्ली पुलिस पर जबरन कागजों पर हस्ताक्षर कराने, उसका मोबाइल फोन छीन लेने और उन्हें किसी से मिलने नहीं देने का भी आरोप लगाया। परवीन ने इस दावे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह फुटेज का केवल एक हिस्सा है। हमें कहां ले जाया गया और वहां हमें किस तरह की यातनाएं झेलनी पड़ीं, वाला महत्वपूर्ण हिस्सा गायब है। संपादित वीडियो क्लिप में केवल दिल्ली स्थित हमारे घर पर मेरी वापसी दिखाई गई है। वहीं, कुणाल घोष ने कहा कि हमारी नेता ममता बनर्जी के विरोध जताने के बाद इन लोगों को चुप कराने की एक सुनियोजित कोशिश की जा रही है। जिस जगह महिला और उसके बच्चे को प्रताड़ित किया गया था, उसके वीडियो जारी नहीं किए गए। इसके बजाय, परिवार से जबरन वसूली की गई। उन्हें बताया गया कि बंगाल और बांग्लादेश एक ही जैसे हैं। मंत्री और कोलकाता के महापौर फिरहाद हकीम ने कहा कि महिला का बयान मुख्यमंत्री के सोशल मीडिया पोस्ट को सही साबित करता है। हकीम ने कहा कि मुख्यमंत्री ने खुलकर बोलकर सही काम किया है। पीड़िता की आपबीती साबित करती है कि मुख्यमंत्री का दावा सच था।

NAME CHANGE

I, Juhi Singh, daughter of Manish Kumar Singh, residing at 27/62, K. L. Goswami Sarani, P.O. Mahesh, Serampore, Hooghly -712202, do hereby solemnly affirm and declare that Manish Kumar Singh and Manish Kumar are the names of one and same identical person via i.e., my father via affidavit in the Court of Ld Judicial Magistrate 1st Class at Serampore, Hooghly dated 23rd July 2025.

NAME CHANGE

I, Shweta (old name) W/O Vijay Patil, residing at Karmale, Post - Kunde Tal- Bhiwandi, Thane, Maharashtra, Pin-421302, India, have changed my name and shall henceforth be known as Shweta Vijay Patil (new name), as declared Before The Notary Public at Kolkata, vide an affidavit No 7 dated 30/07/2025. Shweta Vijay Patil (new name) and Shweta (old name) both are same and one identical person.

पूर्व रेलवे

निविदा सं. : ईआरडब्ल्यूके-एमजीपी-एसपी-ओटी-25आर, दिनांक: 29.07.2025, मुख्य कारखाना प्रबंधक, पूर्व रेलवे वर्कशॉप, काँचरापाड़ा, उत्तर 24 परगना, पिन-743145 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम:** खुली निविदा के आधार पर "लोको कॉम्प्लेक्स/काँचरापाड़ा वर्कशॉप में आईसीएफ कॉन्वेंशनल बोगी के सरफेस को तैयार करने एवं पेंटिंग कार्य तथा 02 बॉश टैंक (प्रत्येक 2000 लीटर लगभग) की सफाई"। **निविदा मूल्य:** रु. 57,76,704/-, **बयाना राशि:** रु. 1,15,500/-, **निविदा कागजात की लागत:** रु.0.00, **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 20.08.2025 को 14.00 बजे। निविदा कागजात और संपूर्ण विवरण वेबसाइट **www.gem.gov.in** पर उपलब्ध है।

MISC-148/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

एसआईआर का मतलब 'मौन अदृश्य धांधली' : अभिषेक बनर्जी

नयी दिल्ली/कोलकाता : तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी ने बिहार में जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को मतदाता सूची में 'मौन अदृश्य धांधली' करार दिया। उन्होंने आर-ोप लगाया कि सत्तारूढ़ भाजपा के इशारे पर निर्वाचन आयोग यह काम कर रहा है। बुधवार को अभिषेक बनर्जी ने संसद परिसर में मीडिया कर्मियों से कहा कि हम सबने देखा है कि एसआईआर के नाम पर देश में क्या हो रहा है। उच्चतम न्यायालय में मामला दायर किया गया है। हमें न्यायपालिका पर भरोसा है, लेकिन बिहार से आ रही जानकारी डरावनी है। उन्होंने कहा कि कुत्तों और ट्रैक्टरों को दस्तावेज मिल रहे हैं... अब कुत्ते और ट्रैक्टर वोट देंगे, जबकि लोगों का वोट देने का अधिकार छीन लिया जा रहा है।

तृणमूल नेता ने कहा कि निर्वाचन आयोग भाजपा के लिए जिस तरह से धांधली कर रहा है, यह एसआईआर विशेष गहन पुनरीक्षण नहीं है, बल्कि भाजपा के इशारे पर निर्वाचन आयोग द्वारा की जा रही 'मौन अदृश्य धांधली' है। तृणमूल राष्ट्रीय महासचिव ने कहा कि उनकी पार्टी राज्य में एक भी नाम नहीं कटने देगी। उन्होंने कहा कि अगर राज्य से एक भी नाम हटाया गया तो वे अपनी पूरी ताकत लगा सकते हैं। वे देखेंगे कि क्या होता है। निर्वाचन आयोग की भूमिका पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में पिछला विधानसभा चुनाव कोविड-19 महामारी के बीच आठ चरणों में हुआ था। उन्होंने कहा कि डायमंड हार्बर एक लोकसभा क्षेत्र है, जहां तीन चरणों में मतदान हुआ। अभिषेक ने कहा कि निर्वाचन आयोग नहीं चाहता कि लोग वोट डालें। सरकार चलाने वाले जानते हैं कि अगर उन्होंने लोगों को वोट देने दिया तो उन्हें करारा जवाब मिलेगा। लोकसभा में भी यही हुआ था, उन्हें 240 तक सीमित कर दिया गया था... यह आंकड़ा और नीचे जाएगा। अभिषेक ने एसआईआर को विवादास्पद राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) में 'पिछले दरवाजे से प्रवेश' बताया।

तृणमूल नेता का आरोप, गृह मंत्री के रूप में अमित शाह विफल

बिहार और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं की मौजूदगी के दावों पर उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग को समझना चाहिए कि बांग्लादेशी भारत में कैसे घुसते हैं। यह गृह मंत्रालय के अधीन सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की गलती के कारण है। ज्ञानेश कुमार अमित शाह के साथ मिलकर काम करते रहे हैं, उनके पास उनका नंबर जरूर होगा, उन्हें पहले अपने पूर्व 'बॉस' के सामने यह मुद्दा उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री के तौर पर अमित शाह की यह सबसे बड़ी नाकामी है। उनके कार्यकाल में पहलगाम और पुलवामा जैसी घटनाएं हुई हैं। आतंकवादी भारतीय सीमा में घुसने में कैसे कामयाब हो गए? उन्होंने सीमा सुरक्षा बल की भी आलोचना करते हुए कहा कि भाजपा मवेशियों और कोयले की तस्करी की बात करती है – जब बीएसएफ सीमा की रखवाली कर रहा है, तो एक गाय भारतीय क्षेत्र में कैसे घुस सकती है? बीएसएफ किसके अधिकार क्षेत्र में आता है? बीएसएफ या सीआईएसएफ (केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल) की मदद के बिना कोयले या मवेशियों की तस्करी कैसे हो सकती है? उन्होंने कहा कि घुसपैठ के बावजूद प्रवर्तन निदेशालय ने किसी भी बीएसएफ या सीआईएसएफ अधिकारी को पूछताछ के लिए नहीं बुलाया। उन्होंने कहा कि गिरफ्तारियां तो दूर की बात है, उन्होंने सीआईएसएफ या बीएसएफ के महानिदेशक को समन तक जारी नहीं किया है। अमित शाह मुख्य व्यक्ति हैं, उन्हें पहले इस्तीफा देना चाहिए।

समाज्ञा
हिन्दी दैनिक
आपकी बात सच के साथ

पूर्व रेलवे

शुद्धिपत्र

निविदा सूचना सं. (i) ई-निविदा सं. एईएनशॉप-पीयू-आरसीसी-25-26-एलएलएच और (ii) एईएनशॉप-पीयूफ्लोर-25-26-एलएलएच, अंतिम तिथि **14.08.2025 को 12.00 बजे** के संबंध में शुद्धिपत्र, जो पूर्व में **मुख्य कारखाना प्रबंधक, कैरिज एवं वैगन वर्कशॉप,** पूर्व रेलवे, लिलुआ, हावड़ा-711204 द्वारा प्रकाशित की गई थीं, उक्त निविदाओं के संबंध में निम्नलिखित कार्यों के लिए एक शुद्धिपत्र जारी किया गया है एवं वेबसाइट पर अपलोड किया गया है: **कार्य का नाम:** (i) सी एंड डब्ल्यू वर्कशॉप, पूर्व रेलवे, लिलुआ में वर्धित सामग्री प्रवाह के लिए उन्नत जिम्स और फिक्सचर एवं पीयू कोटेड शॉप फ्लोर के साथ विभिन्न कोच कंपोनेंट के लिए आधुनिक ओवरहॉलिंग सुविधा के विकास के लिए खुली ई-निविदा और (ii) सीडब्ल्यूएम/लिलुआ के अंतर्गत लिलुआ वर्कशॉप के कोच कंपोनेंट शॉप और बोगी सेक्शन में मौजूदा कंक्रीट फ्लोरिंग पर 12 मिमी. मोटे पीयू फ्लोरिंग का सुरक्षात्मक कोट प्रदान करते हुए कंक्रीट फ्लोरिंग में सुधार के लिए खुली ई-निविदा। निविदा की अंतिम तिथि और समय: 14.08.2025 को 12.00 बजे। वेबसाइट जहाँ एक शुद्धिपत्र-1 के साथ प्रत्येक के लिए निविदा का संपूर्ण विवरण उपलब्ध है: **www.ireps.gov.in**

MISC-150/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

हावड़ा मंडल के तहत पार्सल जगह को लीज पर देने के लिए ई-नीलामी

सं. : कॉम/पार्सल/लीजिंग/लाँग टर्म ई-ऑक/एचडब्ल्यूएच/2024/पीटी-III दिनांक 29.07.2025
वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, चौथी मंजिल, रेल यात्री निवास बिल्डिंग, हावड़ा स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 द्वारा दो वर्षों के लिए हावड़ा मंडल से शुरू होने वाली 09 यात्रीवाही ट्रेनों में 10 अदद एसएलआर कम्पार्टमेंट के लिए आईआरईपीएस वेबसाइट के ई-नीलामी माड्यूल के माध्यम से ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। विस्तृत नियम और शर्तों से संलग्न नीलामी कैटलॉग **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। मौजूदा ई-नीलामी के लिए बोली ई-नीलामी मॉड्यूल के माध्यम से **www.ireps.gov.in** पर जमा की जाएगी। ई-नीलामी प्रक्रिया में भागीदारी के लिए, वेबसाइट **www.ireps.gov.in** में ई-नीलामी मॉड्यूल के माध्यम से व्यापारियों का एक बार के लिए पंजीकरण अनिवार्य है। व्यापारियों के लिए क्लास-III का डिजिटल हस्ताक्षर भी लेना आवश्यक है। **नीलामी कैटलॉग का विवरण: नीलामी कैटलॉग सं.:** पीसीएल-एचडब्ल्यूएच-25-8ए। **कम्पार्टमेंट:** 09 यात्रीवाही ट्रेनों में 10 अदद एसएलआर कम्पार्टमेंट। **नीलामी शुरू होने की तिथि एवं समय:** दिनांक 11.08.2025, 13.00 बजे।

HWH-217/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

रविवार एवं राष्ट्रीय छुट्टी पर आरक्षण काउंटर खुले रहेंगे

यात्रियों की सुविधा के लिए, निम्नलिखित **57 पीआरएस (पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम)** काउंटर **28.07.2025 से 31.08.2025** तक की अवधि के दौरान रविवार एवं राष्ट्रीय छुट्टी पर मॉर्निंग शिफ्ट में खुले रहेंगे, अर्थात **03.08.2025, 10.08.2025, 15.08.2025 (शुक्रवार/राष्ट्रीय छुट्टी), 17.08.2025, 24.08.2025 और 31.08.2025**, ताकि यात्री उपर्युक्त रविवार और राष्ट्रीय छुट्टी पर पड़ने वाली एडवांस्ड रिजर्वेशन पीरियड (एआरपी) तिथियों पर अपने टिकट बुक कर सकें। **पीआरएस स्थान/काउंटर :** सियालदह, बिधाननगर रोड, कोलकाता, दमदम जंक्शन, वराह नगर रोड, दक्षिणेश्वर, बागबाज़ार, बड़ा बाजार, बेलघरिया, अगरपारा, सोदपुर, खरदाहा, टीटागढ़, बैरकपुर, इच्छापुर, श्यामनगर, जगद्दल, कांकीनारा, नैहाटी जंक्शन, कांचरापाड़ा, कल्याणी जंक्शन, चकदह, राणाघाट जंक्शन, बगुला, शांतिपुर जंक्शन, कृष्णानगर सिटी जंक्शन, धुबुलिया, देबग्राम, पलाशी, रेजिनगर, बेलडांगा, बरहमपुर कोर्ट, कोसिमबाजार, मुर्शिदाबाद, लालगोला, बालीगंज जंक्शन, ढाकुरिया, यादबपुर, टॉलीगंज, न्यू अलीपुर, माझेरहाट, कोमागाता मारु बज बज, सोनारपुर जंक्शन, चाम्पाहाटी, कैनिंग, बारुईपुर जंक्शन, डायमण्ड हारवर, लक्ष्मीकान्तपुर, दम दम कैंटोनमेंट, बिराटी, बसिरहाट, हासनाबाद, बारासात जंक्शन, हाबरा, ठाकुरनगर, बनगांव जंक्शन और गंगनापुर।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक, सियालदह

पूर्व रेलवे

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @ easternrailwayheadquarter

बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं से बना है तृणमूल का वोट बैंक : सुकांत मजूमदार

कोलकाता, समाज्ञा : केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने बुधवार को बिहार में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) का विरोध करने को लेकर तृणमूल कांग्रेस की आलोचना की। उन्होंने कहा कि तृणमूल इसलिए विरोध कर रही है क्योंकि वे अपना वोट बैंक बचाने की कोशिश में हैं, जिसमें मुख्य रूप से रोहिंग्या और बांग्लादेशी शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि तृणमूल ने हमेशा ऐसा इसलिए किया है क्योंकि उन्हें पता है कि उनका वोट बैंक रोहिंग्या और बांग्लादेश से आए मुसलमानों से बना है, इसलिए वे ऐसा कर रहे हैं ताकि उन लोगों का नाम न कट जाए। मजूमदार ने कहा कि मुझे लगता है कि चुनाव आयोग को इस पर ध्यान देना चाहिए क्योंकि

इससे पहले, जब माकपा सत्ता में थी, तो उन्होंने भी चुनाव आयोग पर सवाल उठाए थे। उस समय, वाममोर्चा चेयरमैन बिमान बोस और माकपा नेताओं ने चुनाव आयोग पर सवाल उठाए थे। उस समय, चुनाव आयोग ने उनके अखिल भारतीय महासचिव को कारण बताओ नोटिस भेजकर उनसे टिप्पणी पर स्पष्टीकरण मांगा था।

फर्जी वोटरों को मतदाता सूची में जोड़ने का आरोप

शुभेंदु अधिकारी ने निर्वाचन अधिकारियों पर की अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग

कोलकाता, समाज्ञा : नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने बुधवार को राज्य में कार्यरत कुछ निर्वाचक रजिस्ट्रेशन अधिकारियों (ईआरओ) के खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की है। अधिकारी का आरोप है कि इन अधिकारियों ने बिना उचित जांच के फॉर्म-6 के जरिए बड़ी संख्या में फर्जी मतदाताओं के आवेदन स्वीकार किए हैं, जिससे मतदाता सूची की शुचिता खतरे में पड़ी है। फॉर्म-6 का उपयोग मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए किया जाता है। अधिकारी ने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) मनोज कुमार अग्रवाल द्वारा जारी एक मेमो का हवाला देते हुए कहा कि हाल ही में किए गए

सैंपल जांच में कई ईआरओ द्वारा संदेहास्पद आवेदनों को मंजूरी देने के मामले सामने आए हैं। अधिकारी ने इस पूरे प्रकरण को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार में भ्रष्टाचार की गहराई बताया। नेता प्रतिपक्ष ने दावा किया कि गड़बड़ियां दो स्तर पर हुई हैं –एक, बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ) पर दस्तावेजों में हेराफेरी का दबाव बनाया गया; और दूसरी, निर्वाचन अधिकारियों ने वोटर लिस्ट से जुड़ा काम ऐसे अनुबंधित कर्मचारियों को सौंप दिया जो न तो प्रशिक्षित थे और न ही अधिकृत। उन्होंने इसे हर नागरिक के निष्पक्ष चुनाव में भागीदारी के अधिकार पर हमला बताया और मामले की तत्काल जांच तथा दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। अधिकारी ने यह भी सवाल उठाया कि संविदा पर नियुक्त राज्य सरकार के कर्मचारी मतदाता सूची से जुड़े दस्तावेजों की छंटनी के काम में क्यों लगे हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बीएलओ ने अत्यधिक दबाव में दस्तावेज जुटाए और स्थायी सरकारी कर्मचारी होने के बावजूद ईआरओ ने संविदाकर्मी को फॉर्म-6 के आवेदन निपटाने की अवैध अनुमति दी।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सं. 113_2025-26, दिनांक: 29.07.2025, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (IV), पूर्व रेलवे, हावड़ा, रेलवे स्टेशन के पास डीआरएम बिल्डिंग, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/ एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **वरिष्ठ डीईएन/4/ हावड़ा। ई-निविदा सं. 113_2025-26, कार्य का विवरण :** हावड़ा मंडल की खाना-गुमानी शाखा में स्थित मुराराई स्टेशन पर शेड, संप, पंप हाउस, ड्रेन के प्रावधान द्वारा एलसी गेट नं. 32 के स्थान पर आरयूबी के निर्माण का शेष कार्य एवं अन्य सहायक कार्य। **अनुमानित मूल्य :** रु. 5,48,85,549.81, **बयाना राशि :** रु. 4,24,400/-, **समापन अवधि** : स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से 10 माह। **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु.)** : शून्य। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय : दिनांक 20.08.2025 को 14.00 बजे।** निविदा का विवरण वेबसाइट : **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। ई-निविदा प्रणाली के मामले में, बयाना राशि जमा (ईएमडी) और निविदा कागजात की लागत का भुगतान, केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से उपर्युक्त वेबसाइट के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। **टिप्पणी:** आईआरईपीएस (ई-निविदा पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के लिए ईएमडी के रूप में कोई फिक्सड डिपॉजिट रिसीट (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा।

HWH-218/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

ई-नीलामी सूचना सं.: सीओएम/पीयूबी/एचडब्ल्यूएच/25/22, दिनांक 28.07.2025
वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, चतुर्थ तल, हावड़ा स्टेशन के पास यात्री निवास, हावड़ा-711101 द्वारा वाणिज्यिक प्रचार के अधिकारों का अनुबंध प्रदान करने के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है।

कैटलॉग सं.: पीयूबी-एचडब्ल्यूएच-25-22

क्रम सं.: एए/1, लॉट सं.: एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-जेटीएल-ओएसएन-19-25-1 (विज्ञापन-स्टेशन परिसर पर-नॉन डिजिटल), विवरण: क्लस्टर-IV (हावड़ा मंडल के झापटेर ढाल स्टेशन से गुमानी स्टेशन, अदलपहाड़ी स्टेशन से कुरुवा स्टेशन, आजिमगंज सिटी स्टेशन से तकीपुर स्टेशन और चौहट्टा स्टेशन से अजय केबिन तक) के तहत सभी स्टेशनों के स्टेशन परिसर में वाणिज्यिक विज्ञापनों के लिए तीन (03) वर्ष की अवधि हेतु अनुबंध प्रदान करना। **क्रम सं.: एबी/1, लॉट सं.: एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-एलएलएच-ओएसडी-119-24-1 (विज्ञापन-स्टेशन परिसर पर-डिजिटल), विवरण:** हावड़ा मंडल के तहत तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए वाणिज्यिक विज्ञापनों का दायरा सहित क्लस्टर-1 (लिलुआ, बेलुड़, बाली, डानकुनी, कोन्नगर, रिसड़ा और श्रीरामपुर) के तहत स्टेशनों पर डायनैमिक भीम यूपीआई क्यूआर कोड के प्रावधान के साथ पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम (पीआरएस) काउंटरों और अनरिजर्व्ड टिकटिंग सिस्टम (यूटीएस) काउंटरों पर ड्यूएल डिस्प्ले फेयर रिपीटर सिस्टम (डीडीएफआरएस) की आपूर्ति, स्थापना, संचालन और रखरखाव के लिए अनुबंध प्रदान करना। **क्रम सं.: एबी/2, लॉट सं.: एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-एसएचई-ओएसडी-120-24-1 (विज्ञापन-स्टेशन परिसर पर-डिजिटल), विवरण:** हावड़ा मंडल के तहत तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए वाणिज्यिक विज्ञापनों का दायरा सहित क्लस्टर-2 (सेवड़ाफुली, बैद्यबाटी, भद्रेश्वर, मानकुंडु, चंदननगर, चुचुड़ा और तारकेश्वर) के तहत स्टेशनों पर डायनैमिक भीम यूपीआई क्यूआर कोड के प्रावधान के साथ पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम (पीआरएस) काउंटरों और अनरिजर्व्ड टिकटिंग सिस्टम (यूटीएस) काउंटरों पर ड्यूएल डिस्प्ले फेयर रिपीटर सिस्टम (डीडीएफआरएस) की आपूर्ति, स्थापना, संचालन और रखरखाव के लिए अनुबंध प्रदान करना। **क्रम सं.: एबी/3, लॉट सं.: एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-बीडीसी-ओएसडी-121-24-1 (विज्ञापन-स्टेशन परिसर पर-डिजिटल), विवरण:** हावड़ा मंडल के तहत तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए वाणिज्यिक विज्ञापनों का दायरा सहित क्लस्टर-3 (बैण्डेल, नबद्वीप धाम और कटवा) के तहत स्टेशनों पर डायनैमिक भीम यूपीआई क्यूआर कोड के प्रावधान के साथ पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम (पीआरएस) काउंटरों और अनरिजर्व्ड टिकटिंग सिस्टम (यूटीएस) काउंटरों पर ड्यूएल डिस्प्ले फेयर रिपीटर सिस्टम (डीडीएफआरएस) की आपूर्ति, स्थापना, संचालन और रखरखाव के लिए अनुबंध प्रदान करना। **क्रम सं.: एबी/4, लॉट सं.: एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-पीडीए-ओएसडी-122-24-1 (विज्ञापन-स्टेशन परिसर पर-डिजिटल), विवरण:** हावड़ा मंडल के तहत तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए वाणिज्यिक विज्ञापनों का दायरा सहित क्लस्टर-4 (पाण्डुया, मेमारी, बर्द्धमान, बोलपुर शांतिनिकेतन और रामपुरहाट) के तहत स्टेशनों पर डायनैमिक भीम यूपीआई क्यूआर कोड के प्रावधान के साथ पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम (पीआरएस) काउंटरों और अनरिजर्व्ड टिकटिंग सिस्टम (यूटीएस) काउंटरों पर ड्यूएल डिस्प्ले फेयर रिपीटर सिस्टम (डीडीएफआरएस) की आपूर्ति, स्थापना, संचालन और रखरखाव के लिए अनुबंध प्रदान करना। **नीलामी शुरू होने की तिथि और समय :** दिनांक 12.08.2025 को 12.00 बजे।

HWH-219/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @ easternrailwayheadquarter

बनगांव में कॉस्मेटिक दुकान की आड़ में फर्जी वोटर और आधार कार्ड बनाने के गोरखधंधे का भंडाफोड़

❑ **भाजपा कार्यकर्ता गिरफ्तार**

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर 24 परगना जिले के बनगांव में एक कॉस्मेटिक दुकान की आड़ में चल रहे फर्जी वोटर और आधार कार्ड बनाने के गोरखधंधे का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने छापेमारी कर आरोपी कारोबारी राजकुमार बारुई को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यक्ति इलाके में भाजपा कार्यकर्ता के रूप में जाना जाता है। बताया गया है कि बागदा थाना अंतर्गत बानेश्वरपुर बाजार इलाके में व्यवसायी की कॉस्मेटिक की दुकान है। कथित तौर पर, उस दुकान के पर्दे के पीछे फर्जी वोटर और आधार कार्ड बनाने का धंधा चल रहा था। बागदा थाने की पुलिस ने गुप्त सूत्र से सूचना मिलने के बाद वहां छापा मारा। तलाशी के दौरान कई फर्जी आधार कार्ड मिले। वहां फर्जी आधार और वोटर कार्ड बनाने की मशीन भी मिली।

इसके तुरंत बाद कारोबारी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, दलालों के माध्यम से बांग्लादेश से अवैध प्रवासी इलाके में आते हैं। वह उन प्रवासियों के लिए फर्जी पहचान पत्र बनाता था। वे फर्जी पहचान पत्र मोटी रकम के बदले बनाए जाते थे।

कथित तौर पर, बांग्लादेशी उन फर्जी पहचान पत्रों के साथ दूसरे राज्यों में काम करने जाते थे। यह धंधा कब से चल रहा था? उस कारोबारी के जरिए कितने फर्जी पहचान पत्र बनाए गए? इस गिरोह में कौन शामिल है? जांचकर्ता कई सवालों के जवाब तलाश रहे हैं। गिरफ्तार व्यक्ति को बुधवार को बनगांव अनुमंडल न्यायालय ले जाया गया। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि गिरफ्तार व्यक्ति से पुलिस हिरासत में पूछताछ की जाएगी।

एक ही परिवार की तीन सदस्यों की हत्या के मामले में सात अगस्त को आरोप होंगे तय

❑ **टेंगरा में गत फरवरी में दो महिलाओं व एक किशोर की कर दी गई थी हत्या**

❑ **आरोपित दो भाइयों को सियालदह कोर्ट में पेश होना होगा**

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता के टेंगरा में गत फरवरी में एक ही परिवार की तीन सदस्यों दो महिलाओं व एक किशोर की हत्या के मामले में सात अगस्त को आरोप तय किए जाएंगे। इस दिन, आरोपित भाइयों प्रणय दे और प्रसून दे को सियालदह कोर्ट में पेश होना होगा। ईएम बाईपास पर एक कार दुर्घटना की जांच करते समय पुलिस को घटना के बारे में पता चला था। सियालदह कोर्ट की अतिरिक्त जिला और सत्र न्यायाधीश (फास्ट ट्रैक कोर्ट -2) पर्णा भट्टाचार्य ने यह आदेश दिए हैं। दोनों आरोपितों की पत्नियों और एक बेटी की कलाई काटकर और गला घोंटकर हत्या कर दी गई थी। जांच में पता चला कि दोनों व्यवसायी भाइयों ने कर्ज के बोझ से हमेशा के लिए छुटकारा पाने के लिए हत्या की योजना बनाई थी। तीनों की हत्या के बाद उन्होंने आत्महत्या करने की भी योजना बनाई थी।

पुलिस ने दोनों आरोपित भाइयों, प्रणय और प्रसून को गिरफ्तार कर लिया। वे फिलहाल जेल में हैं। सरकारी वकील तपन राय ने बताया कि आरोपितों ने अदालत को बताया था कि प्रणय मानसिक रूप से विक्षिप्त है। इसलिए, उसकी ओर से आरोप तय होने वाले दिन अदालत में पेश होने से छूट की मांग करते हुए एक आवेदन दायर किया गया था। हालांकि न्यायाधीश ने उस दिन आवेदन खारिज कर दिया।

ओबीसी आरक्षण मामले में सुप्रीम कोर्ट के स्थगन आदेश के बाद विकास भवन की बड़ी कार्रवाई

कोलकाता : ओबीसी आरक्षण विवाद में कोलकाता हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी स्थगन आदेश के बाद राज्य शिक्षा विभाग (विकास भवन) ने कॉलेज में दाखिले को लेकर एक बड़ा कदम उठाया है।

अब तक जिन छात्रों ने कॉलेजों में दाखिले के लिए आवेदन किया है, उन्हें निर्देश दिया गया है कि वे अपने आवेदन पत्र में जाति या सामाजिक वर्ग से संबंधित जानकारी को स्पष्ट रूप से अपलोड या अपडेट करें।

यह प्रक्रिया 29 जुलाई से 1 अगस्त 2025 तक चालू रहेगी, जिसके तहत छात्र राज्य सरकार के केंद्रीकृत प्रवेश पोर्टल पर आवश्यक जाति प्रमाणपत्र और संबंधित जानकारी जमा कर सकेंगे।

यह निर्देश उच्च शिक्षा विभाग की ओर से सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन करते हुए जारी किया गया है, ताकि ओबीसी कोटे के तहत दाखिला पाने वाले छात्रों के मामलों में कोई कानूनी अड़चन न आए।

हाईकोर्ट द्वारा 2010 के बाद जारी की गई ओबीसी सूची को रद्द करने के आदेश के बाद यह मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा, जहां कोर्ट ने फिलहाल राज्य को राहत दी है और हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने दक्षिणेश्वर मंदिर में किए दर्शन

कोलकाता, समाज्ञा : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बुधवार की शाम प्राचीन दक्षिणेश्वर मंदिर पहुंचीं और देवी काली की पूजा-अर्चना की। मुर्मू ने इससे पहले दिन में नदिया जिले में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान(एम्स)-कल्याणी के पहले दीक्षांत समारोह में भाग लिया था। वह शाम करीब 6 बजे कोलकाता के पास स्थित मंदिर पहुंचीं और मंदिर समिति के सदस्यों और पुजारियों की उपस्थिति में 'मां भवतारिणी' (काली) की पूजा की। मंदिर सूत्रों ने बताया कि उन्होंने आरती भी देखी। इसके बाद, मुर्मू रात्रि विश्राम के लिए शाम को राजभवन पहुंचीं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि आज मुर्मू सुबह 9:20 से 9:50 बजे के बीच प्रमुख बुद्धिजीवियों के साथ बैठकों में भाग लेंगी और उसके बाद कोलकाता हवाई अड्डे से नयी दिल्ली के लिए रवाना होंगी।

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।
www.samagya.in
समाज्ञा
NEWS PAPER ADVERTISING SOLUTION
▪ MATRIMONIAL ▪ EDUCATION ▪ OBITUARY
▪ PROPERTY ▪ NAME CHANGE ▪ REMEMBRANCE
▪ RECRUITMENT ▪ PUBLIC NOTICE ▪ DISPLAY
TO AD IN SAMAGYA PLEASE CONTACT
samagyaadvt@gmail.com | www samagya.in
81, Chintamani Dey Road, Howrah 711 101, Mobile: 70444 44522

उच्चतम न्यायालय ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश को किया खारिज

नयी दिल्ली/कोलकाता : उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय के 2023 के उस आदेश को खारिज कर दिया, जिसमें पश्चिम बंगाल सरकार के इस रुख को बरकरार रखा गया था कि किसी शिक्षक की सेवानिवृत्ति की आयु इसलिए नहीं बढ़ाई जा सकती, क्योंकि उसने राज्य के किसी विश्वविद्यालय में 10 साल तक लगातार अध्यापन की शर्त पूरी नहीं की है। अदालत ने कहा कि जब कोई कर्मचारी दशकों तक सेवा कर चुका हो और सेवानिवृत्ति के करीब हो, तब उसे सिर्फ इस आधार पर अलग-अलग वर्गों में बांटना कि उसने पढ़ाने का अनुभव पश्चिम बंगाल के विश्वविद्यालय से लिया है या किसी और राज्य से, इसका न तो कोई तार्किक संबंध है और न ही

कोई साफ-साफ उद्देश्य दिखता है। न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि फरवरी 2021 की अधिसूचना में सेवानिवृत्ति की आयु 60 से बढ़ाकर 65 वर्ष करने का उद्देश्य पश्चिम बंगाल के बाहर के विश्वविद्यालयों से अनुभव प्राप्त कर्मचारियों को इससे बाहर करना नहीं था। इसने कहा है कि अधिसूचना के पाठ, संदर्भ और उद्देश्य से पता चलता है कि इसका उद्देश्य केवल राज्य सरकार द्वारा वित्त पोषित और निजी संस्थानों के बीच अंतर करना था। उच्च न्यायालय की खंडपीठ के फैसले को चुनौती देने वाले कर्मचारी की अपील स्वीकार करते हुए पीठ ने कहा कि अपीलकर्ता कानूनी खर्च के तौर पर 50,000 रुपये पाने का हकदार है। शीर्ष अदालत ने कहा कि जब ऐसे निर्णयों की न्यायिक समीक्षा में कड़ी पड़ताल की जाती है, तो दुर्भाग्यवश वे संकीर्णता के रूप में सामने आते हैं, तथा उनमें भाईचारे के हमारे संकल्प को कमजोर करने की संभावना होती है। पीठ ने कहा कि इस तरह के कार्यकारी निर्णय छोटे या साधारण गलतियों वाले लगते हैं, लेकिन इनके दूरगामी परिणाम होते हैं। शीर्ष अदलात ने कहा कि भाईचारे का सिद्धांत खुद सामने नहीं आता, बल्कि इसे पहचानना और बनाए रखना संवैधानिक अदालतों की जिम्मेदारी होती है। अदालत ने यह भी कहा कि अगर यह भावना प्रशासन के किसी छोटे से हिस्से में भी कमजोर होती है, तो अदालत का कर्तव्य है कि उसे फिर से मजबूत करे, ताकि देश की एकता और अखंडता बनी रहे। न्यायालय ने अपने फैसले में कहा कि अपीलकर्ता बर्दवान विश्वविद्यालय का एक नियमित कर्मचारी था, जो 2007 में विश्वविद्यालय में नियुक्त हुआ था और 2021 तक निर्बाध रूप से सेवा में रहा। पीठ ने कहा कि 14 साल से अधिक की सेवा देने के बाद, पश्चिम बंगाल सरकार ने फरवरी 2021 में एक ज्ञापन जारी कर सेवानिवृत्ति की आयु 60 वर्ष से बढ़ाकर 65 वर्ष कर दी। पीठ ने कहा कि ज्ञापन में यह प्रावधान था कि सेवानिवृत्ति की बढ़ी हुई आयु का लाभ केवल उन्हीं को मिलेगा जिन्होंने किसी राज्य द्वारा वित्त पोषित विश्वविद्यालय या कॉलेज में न्यूनतम 10 वर्ष का निरंतर शिक्षण अनुभव प्राप्त किया हो। इसमें कहा गया है कि अपीलकर्ता द्वारा ज्ञापन का लाभ लेने का दावा करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति को अभ्यावेदन दिए जाने के बाद, विश्वविद्यालय ने सूचित किया कि वह 31 अगस्त, 2023 को 60 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर सेवानिवृत्त हो जाएंगे, क्योंकि उनके पास 'पश्चिम बंगाल राज्य द्वारा वित्त पोषित विश्वविद्यालय या कॉलेज' में शिक्षण का कोई अनुभव नहीं है। इससे व्यथित होकर उन्होंने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया।

गंभीर आरोप! नारकेलडांगा थाने के ओसी की जमानत याचिका पर हाईकोर्ट की टिप्पणी

कोलकाता : भाजपा कार्यकर्ता अभिजीत सरकार की हत्या के मामले में नारकेलडांगा थाने के तत्कालीन ओसी शुभजीत सेन और एक अन्य पुलिस अधिकारी की जमानत याचिका पर बुधवार को कोलकाता हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा की अदालत ने साफ तौर पर कहा कि इन अधिकारियों पर गंभीर आरोप हैं, इसलिए जमानत देने में अभी निर्णय नहीं लिया जा सकता। कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि मामले की एफआईआर की अंग्रेजी अनुवादित प्रति 1 अगस्त तक कोर्ट में जमा करनी होगी। इस मामले में पहले कोलकाता पुलिस ने 15 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी, लेकिन हाईकोर्ट के आदेश पर 2021 में सीबीआई ने नए सिरे से जांच कर चार्जशीट दायर की, जिसमें शुभजीत सेन को गवाह के रूप में दिखाया गया था। हालांकि, 2025 में सीबीआई ने एक नई चार्जशीट दाखिल करते हुए शुभजीत सेन सहित तीन पुलिस अधिकारियों और तीन तृणमूल नेताओं को आरोपी बनाया है, जिनमें एक विधायक भी शामिल हैं। 18 जुलाई को जब पुलिस अधिकारी निचली अदालत में आत्मसमर्पण करने पहुंचे, तो उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। अदालत ने इन सभी को 31 जुलाई तक जेल हिरासत में रखने का आदेश दिया था। अब नजरें 1 अगस्त की अगली सुनवाई पर टिकी हैं, जब अदालत मामले की आगे की सुनवाई करेगी।

बोगटुई हत्याकांड में नया मोड़: गवाह डरे हुए, सीबीआई ने हाईकोर्ट से मुकदमा स्थानांतरण की मांग की

कोलकाता : बीरभूम जिले के चर्चित बोगटुई जनसंहार मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने मुकदमा बीरभूम से बाहर स्थानांतरित करने की मांग की है। सीबीआई का कहना है कि गवाहों में डर का माहौल है और वे स्वतंत्र रूप से बयान देने में असमर्थ हैं, जिससे निष्पक्ष सुनवाई संभव नहीं हो पा रही। सीबीआई ने यह याचिका कोलकाता हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति जय सेनगुप्ता की पीठ में दायर की है। कोर्ट सूत्रों के मुताबिक, इस याचिका पर 4 अगस्त, सोमवार को सुनवाई हो सकती है। सीबीआई ने कोर्ट में कहा, गवाह भयभीत हैं, वे स्वतंत्र रूप से बोल नहीं पा रहे। ऐसी स्थिति में निष्पक्ष ट्रायल संभव नहीं है। मामले को बीरभूम से बाहर किसी उपयुक्त अदालत में स्थानांतरित किया जाए। यह मामला 21 मार्च 2022 को घटित हुई भयावह घटना से जुड़ा है, जब रामपुरहाट थाना क्षेत्र के बोगटुई मोड़ पर स्थानीय तृणमूल नेता और बड़शल पंचायत के उपप्रधान भादू शेख की बम से हत्या कर दी गई थी। इसके जवाब में, आरोप है कि उसी रात भादू शेख के समर्थकों ने बोगटुई गांव के कई घरों में आग लगा दी, जिसमें 10 लोगों की जलकर मौत हो गई, जिनमें अधिकतर महिलाएं और बच्चे थे। इस मामले ने पूरे राज्य को झकझोर कर रख दिया था और अब सीबीआई द्वारा मुकदमे को दूसरे ज़िले में स्थानांतरित करने की मांग से एक बार फिर राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई है।

करम पूजा पर राज्य सरकार के कर्मचारियों को अवकाश

कोलकाता : आगामी 3 सितंबर को मनाई जाने वाली करम पूजा के अवसर पर राज्य सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के लिए अवकाश की घोषणा की है। इस संबंध में राज्य वित्त विभाग ने एक आधिकारिक बिज्ञप्ति जारी की है। घोषणा के अनुसार, उस दिन सभी राज्य सरकार तथा सरकार द्वारा सहायता प्राप्त कार्यालयों, स्कूलों, कॉलेजों, नगरपालिकाओं और पंचायतों में अवकाश रहेगा। चूंकि करम पूजा का कोई निश्चित तिथि नहीं होती और यह हर साल भिन्न-भिन्न दिन पड़ती है, इसलिए यह त्योहार राज्य सरकार की वार्षिक अवकाश सूची में शामिल नहीं होता। इसी कारण हर साल इसे लेकर अलग से अधिसूचना जारी की जाती है। गौरतलब है कि 2023 में पहली बार करम पर्व पर पूर्ण दिवस का अवकाश राज्य सरकार द्वारा घोषित किया गया था, जिसे अब परंपरा के रूप में आगे बढ़ाया जा रहा है।

मेयर ने रसेल स्ट्रीट में 32 फूड स्टॉल का किया उद्घाटन

कोलकाता : कोलकाता नगर निगम (केएमसी) की ओर से फूड बिजनेस ऑपरेटर्स (एफबीओ) के लिए नये स्टॉल बना कर हॉकरों को प्रदान किया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को केएमसी की ओर से महानगर के रसेल स्ट्रीट में 32 फूड स्टॉल विभिन्न वेंडर्स को वितरित किया गया। इस मौके पर कोलकाता के मेयर व राज्य के शहरी विकास व नगरपालिका मामलों के मंत्री फिरहाद हकीम ने वेंडर्स को फूड स्टॉल प्रदान किया। रसेल स्ट्रीट में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता वार्ड 63 की पार्षद व बोरो सात की चेयरपर्सन सुष्मिता भट्टाचार्य चटर्जी ने की। इस मौके पर केएमसी के उपमेयर,एमएमआईसी (स्वास्थ्य) व विधायक अतिन घोष, एमएमआईसी (पार्क एवं उद्यान, खेल, विज्ञापन, पार्किंग एवं हॉकरों के पुनर्वास योजनाएं) विधायक देबाशीष कुमार के साथ-साथ पार्ष असीम बोस, बोरो छह की चेयरपर्सन सना अहमद, बोरो चार की चेयरपर्सन साधना बोस मौजूद थे। इसके अलावा, इस कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल सरकार के खाद्य सुरक्षा आयुक्त तपन कांति रूद्र, एफएसएसएआई (पूर्वी क्षेत्र) के निदेशक कर्नल सुजय कुमार भी मौजूद रहे।

श्री जैन विद्यालय, कोलकाता में तुलसी जयंती पर हुआ प्रेरणादायी और भव्य सांस्कृतिक समारोह

कोलकाता, समाज्ञा : श्री जैन विद्यालय, कोलकाता में स्थित पारसमल कांकरिया सभागार में महाकवि गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती के अवसर पर दो दिवसीय भव्य तुलसी जयंती समारोह का आयोजन किया गया। यह आयोजन 30 और 31 जुलाई को किया गया। समारोह तीन चरणों में आयोजित हुआ, जिसमें विद्यालय के प्रधानाचार्य संजय कुमार पाण्डेय, शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राओं की सक्रिय भागीदारी रही। उद्घाटन सत्र में संचालक अनिल कुमार पाण्डेय और प्रशांत कुमार पाण्डेय ने तुलसीदास जी के जीवन और उनके साहित्य पर विस्तृत प्रकाश डाला तथा रामचरितमानस की आधुनिक जीवन में प्रासंगिकता को रेखांकित किया।

विद्यार्थियों द्वारा श्रीरामचरितमानस के अंशों का पाठ, भजन गायन, नाट्य प्रस्तुति तथा तुलसीदास जी के दोहों पर आधारित कविता और दोहा प्रतियोगिता ने समारोह को भक्तिमय और जीवंत बना दिया।

हिंदी विभाग के वरिष्ठ अध्यापक अनिल कुमार पाण्डेय ने तुलसी साहित्य में निहित सामाजिक समरसता और नैतिक मूल्यों की महत्ता पर प्रकाश डाला। प्रतियोगिता में विजयी छात्रों को पुरस्कृत किया गया। विद्यालय अध्यक्ष विनोद कांकरिया एवं सचिव मनोज बोथरा ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे एक स्मरणीय और प्रेरणादायक अनुभव बताया। यह आयोजन युवा पीढ़ी को सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़ने की दिशा में एक प्रभावी प्रयास सिद्ध हुआ।

रेलवे ने यात्रियों से की अपील, अलार्म चेन का करें विवेकपूर्ण उपयोग

कोलकाता, समाज्ञा

पूर्व रेलवे ने एक आधिकारिक बयान में यात्रियों से अपील की है कि वे ट्रेन की आपातकालीन अलार्म चेन का प्रयोग केवल वास्तविक आपात स्थितियों में ही करें। रेलवे प्रशासन ने बताया कि हाल के दिनों में इस चेन का अनावश्यक और अनुचित प्रयोग बढ़ गया है, जिससे ट्रेनों के समय पर संचालन में गंभीर व्यवधान उत्पन्न हो रहा है और यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

रेलवे द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 1 से 27 जुलाई 2025 के बीच पूर्व रेलवे में चेन खींचने के कुल 198 अनुचित मामले दर्ज किए गए, जिससे 224 ट्रेनों को रोका गया। हावड़ा मंडल में सर्वाधिक 85 मामले सामने आए, जबकि आसनसोल में 70, मालदह में 32 और सियालदह मंडल में 11 घटनाएं दर्ज की गईं। पूर्व रेलवे ने स्पष्ट किया कि यह सुरक्षा सुविधा केवल चिकित्सा आपातकाल या गंभीर सुरक्षा स्थिति में उपयोग के लिए है। रेलवे ने बताया कि इस प्रकार की घटनाओं के चलते न केवल मेल/एक्सप्रेस और पैसेंजर ट्रेनों की समयबद्धता प्रभावित हो रही है, बल्कि मालगाड़ियों की देरी, आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति में बाधा और यात्रियों के मेडिकल, शैक्षणिक व व्यावसायिक कार्यक्रमों पर भी असर पड़ रहा है। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे जागरूक और जिम्मेदार व्यवहार करें तथा इस सुविधा का सदुपयोग सुनिश्चित करें।

आरजी कर मेडिकल कॉलेज की डॉक्टर का गया में पिंडदान

परिजनों ने कहा... 'फांसी से कम सजा मंजूर नहीं'

गया/कोलकाता : कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में बीते वर्ष नाइट ड्यूटी पर तैनात एक महिला पीजी डॉक्टर से हुए दुष्कर्म और हत्या के मामले ने एक बार फिर तूल पकड़ लिया है। पीड़िता के माता-पिता मंगलवार को बिहार के गया पहुंचे, जहां उन्होंने बेटी की आत्मा की शांति के लिए विष्णुपद मंदिर के निकट फल्गु नदी के देवघाट तट पर पिंडदान किया। इस दौरान, मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि घटना को एक वर्ष से अधिक बीत चुका है, लेकिन अब तक उन्हें न्याय नहीं मिला है। उन्होंने पश्चिम बंगाल की ममता सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि सबसे दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि आरोपी को जमानत तक मिल गई। यह न सिर्फ हमारी बेटी के लिए, बल्कि देश की उन तमाम बेटियों के लिए खतरा है, जो सेवा-भावना से डॉक्टर बन रही हैं। पीड़ित पिता ने बिहार सरकार को न्याय दिलाने की अपील करते हुए एक लिखित ज्ञापन भी सौंपा है। साथ ही, उन्होंने देश के सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से इस मामले में हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने कहा कि अगर अब भी चुप्पी साधी गई, तो यह भविष्य की पीढ़ी के लिए घातक होगा।

विश्वनाथ सेवा समिति ट्रस्ट का श्रावणी मेला सेवा कार्य

हुगली : विश्वनाथ सेवा समिति ट्रस्ट की ओर से ब्राह्मणपाड़ा, हरिपाल में सेवा शिविर में श्रावणी मेले के अवसर पर प्रति सप्ताह हजारों कांवड़िया बंधुओं के लिये कच्ची रसोई, चाय, शिकंजी, अल्पाहार, भोजन तथा विश्राम की व्यवस्था सावन महीने में की गई है। संस्था के अध्यक्ष बाबूलाल धनानिया, चेयरमैन गोरधन निगानिया ने बताया प्रांगण स्थित शिवालय में दैनिक पूजा की जाती है। बहुत संख्या में कांवड़िया बंधुओं द्वारा मन्दिर में जलाभिषेक भी किया जा रहा है। अजय निगानिया, मनीष निगानिया, द्वारिका प्रसाद अग्रवाला, सुमित निगानिया (धनिया), श्याम सुन्दर बंसल, मोहनलाल गोयल, मुकेश निगानिया एवं कार्यकर्ता सक्रिय हैं। गोरधन निगानिया ने सभी कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

श्रावणी मेला 2025: पूर्व रेलवे ने बैद्यनाथ धाम में तीर्थयात्रा को बनाया सुगम

कोलकाता, समाज्ञा : श्रावणी मेला 2025 के दौरान देवघर क्षेत्र के प्रमुख स्टेशनों पर तीर्थयात्रियों की भारी भीड़ देखी गई। इन चार प्रमुख स्टेशनों जसीडीह, देवघर, बासुकीनाथ और बैद्यनाथ धाम से 11 से 29 जुलाई तक केवल 19 दिनों में कुल 10.8 लाख यात्रियों ने यात्रा की। यह संख्या पिछले वर्ष की तुलना में 20.72% अधिक दर्ज की गई है। इसी अवधि में 8.25 करोड़ की आय अर्जित की गई, जो बीते वर्ष की तुलना में 14.46% की वृद्धि को दर्शाती है।

श्रावणी मेले के दौरान देशभर से लाखों श्रद्धालु भगवान शिव के दर्शन हेतु देवघर पहुंचते हैं, जिससे संबंधित स्टेशनों पर अत्यधिक भीड़ होती है। इस चुनौती से निपटने के लिए पूर्व रेलवे ने अतिरिक्त बुकिंग काउंटर,

सहायता केंद्र, चिकित्सा सेवाएं, पेयजल व स्वच्छता सुविधाएं तथा भीड़ नियंत्रण के विशेष इंतजाम किए। जसीडीह स्टेशन पर एम-यूटीएस के माध्यम से 39,22,290 की आय और 41,598 यात्रियों की आवक दर्ज की गई, वहीं देवघर स्टेशन पर 15,82,504 की आय और 16,060 यात्रियों की संख्या रही। पूर्व रेलवे तीर्थयात्रियों को सहज, सुरक्षित और व्यवस्थित यात्रा अनुभव देने के लिए प्रतिबद्ध है।

एसुस एक्सक्लूसिव स्टोर्स पर शुरू हुई 'ड्रॉप ज़ोन' सर्विस

कोलकाता : ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए ताइवान की टेक जायंट कंपनी, एसुस ने बुधवार को अपने एसुस एक्सक्लूसिव स्टोर्स पर 'ड्रॉप ज़ोन' पहल का अनावरण किया। इस पहल के तहत ग्राहक किसी सर्विस सेंटर जाए बिना, सीधे स्टोर पर अपने लैपटॉप रिपेयर करने के लिए छोड़ सकते हैं। यह सुविधा उन्हें ज्यादा सहूलियत देगी और बिना किसी रुकावट के वे अपनी डिवाइस से जुड़े रह सकेंगे। इस पहल के बारे में बात करते हुए, अर्नोल्ड सू, वाइस प्रेसिडेंट- कंज़्यूमर और गेमिंग पीसी, सिस्टम बिज़नेस ग्रुप, एसुस इंडिया, ने कहा, एसुस में हम मानते हैं कि किसी भी प्रोडक्ट का असल अनुभव सिर्फ उसकी इनोवेटिव डिज़ाइन और आधुनिक तकनीक तक ही सीमित नहीं होता है। इसी सोच के साथ हम अपनी जिम्मेदारी खरीद के बाद भी निभाते हैं, ताकि हर ग्राहक को निर्बाध और बेहतरीन आफ्टर-सेल्स सपोर्ट मिलता रहे और वह खुद को पूरी तरह सशक्त महसूस करे।

दक्षिण 24 परगना में तीन दिवसीय लोक कलाकार कार्यशाला शुरू

❑ **श्रीखोल और लोक विधाओं का फ्यूजन विषय पर आयोजन**

कोलकाता : पश्चिम बंगाल सरकार के सूचना एवं संस्कृति विभाग के अंतर्गत लोकसंस्कृति एवं आदिवासी संस्कृति केंद्र द्वारा, दक्षिण 24 परगना जिला सूचना एवं संस्कृति विभाग के सहयोग से आज से तीन दिवसीय आंगिक-आधारित लोक कलाकारों की कार्यशाला की शुरुआत हुई। यह कार्यशाला जिला सूचना एवं संस्कृति विभाग के सभागार, माइनॉरिटी भवन, चौथी मंजिल, अलीपुर में आयोजित की गई है। इस बार कार्यशाला का विषय था श्रीखोल वाद्ययंत्र के साथ विभिन्न लोक शैलियों का फ्यूजन। इसमें कुल 45 लोक कलाकारों ने भाग लिया है, जो विभिन्न लोक विधाओं में पारंगत हैं। इस अवसर पर कार्यक्रम में माननीय वरिष्ठ अपर निदेशक तथा माननीय अतिरिक्त जिलाधिकारी (जिला परिषद) भी उपस्थित रहे। कार्यशाला का उद्देश्य पारंपरिक लोक संगीत को नई तकनीकों और समकालीन प्रस्तुतियों से जोड़ना और कलाकारों को प्रशिक्षण के माध्यम से सशक्त बनाना है।

बी.आर. सिंह अस्पताल और रोटरी क्लब ने थैलेसीमिया जागरूकता कार्यक्रम किया आयोजित

कोलकाता, समाज्ञा : सियालदह के बी.आर. सिंह अस्पताल ने नई अलीपुर के रोटरी क्लब के सहयोग से थैलेसीमिया और मातृ-शिशु स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ाने हेतु एक व्यापक कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम अस्पताल के ऑडिटोरियम में संपन्न हुआ, जिसमें पूर्व रेलवे के अतिरिक्त महाप्रबंधक शीलेंद्र प्रताप सिंह, सियालदह मंडल के रेलवे प्रबंधक राजीव सक्सेना, रोटरी क्लब के अन्य वरिष्ठ सदस्य एवं चिकित्सा क्षेत्र के विशेषज्ञ मौजूद थे। डॉक्टर, नर्स, पैरामेडिकल स्टाफ, स्काउट्स, गाइड्स और सेंट जॉन एम्बुलेंस के स्वयंसेवकों ने भी इसमें सक्रिय भागीदारी की।

कार्यक्रम की शुरुआत बी.आर. सिंह अस्पताल के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. देबाशीष गुहा ने स्वागत भाषण के साथ की। इसके बाद शीलेंद्र प्रताप सिंह व अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया, जो स्वास्थ्य एवं कल्याण के

प्रति समर्पण का प्रतीक था। मुख्य अतिथि शीलेंद्र प्रताप सिंह ने पूर्व रेलवे की स्वास्थ्य संवर्धन और रोग निवारण के लिए निरंतर प्रयासों पर प्रकाश डाला। रोटरी क्लब के अध्यक्ष एवं पूर्व रेलवे के प्रिंसिपल चीफ सेफ्टी ऑफिसर राम बहादुर राय ने मातृ और शिशु स्वास्थ्य पर जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। सियालदह मंडल के रेलवे प्रबंधक राजीव सक्सेना ने पूर्व रेलवे द्वारा निवारक स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देने वाले कदमों की जानकारी दी। रोटरी क्लब के जिला गवर्नर डॉ. रमेंदु होम चौधरी ने थैलेसीमिया की स्क्रीनिंग, पूर्वविवाह परामर्श और व्यापक जागरूकता की अहमियत पर विशेष ध्यान दिया।

कार्यक्रम में दो ज्ञानवर्धक सत्र पहला लिटिल स्टेप: बिग हेल्थ डॉ. सायतन साहा द्वारा और दूसरा मेंटल हेल्थ इन द एंटेनटल पीरियड डॉ. अनन्या मुखर्जी द्वारा आयोजित किए गए। कार्यक्रम का समापन रोटरी क्लब के निदेशक गौतम दत्ता के धन्यवाद भाषण से हुआ।

दक्षिण पूर्व रेलवे की क्षेत्रीय रेल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2025 की तीसरी बैठक

कोलकाता : दक्षिण पूर्व रेलवे की क्षेत्रीय रेल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2025 की तीसरी बैठक सौमित्र मजूमदार, अपर महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में दक्षिण पूर्व रेलवे के सभी प्रधान विभागाध्यक्ष उपस्थित थे। इसके अलावा, मंडलों के अपर मंडल रेल प्रबंधक अधिकारी भी वर्चुअल माध्यम से उपस्थित हुए। इस बैठक में दक्षिण पूर्व रेलवे पर हो रहे राजभाषा कार्यों की समीक्षा की गयी। अपर महाप्रबंधक महोदय ने राजभाषा के प्रयोग-प्रसार के लिए कुछ महत्वपूर्ण सुझाव दिए, जिस पर अमल किया जायेगा। अपर महाप्रबंधक महोदय ने कहा की विगत तीन महीनों में मुख्यालय के वाणिज्य, चिकित्सा, सिग्नल, भण्डार तथा निर्माण विभाग में हिंदी नोटिंग में अच्छीं प्रगति हुई है इसे बनाये रखा जाए। मुख्यालय के महिला कर्मचारियों के लिए हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। बैठक के दौरान राजभाषा विभाग की बीएनआर हिंदी ई - पत्रिका के (अंक - 9) का अपर महाप्रबंधक महोदय द्वारा विमोचन भी किया गया। बैठक का संचालन बसंती टेटे, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) एवं धन्यवाद ज्ञापन मुख्य राजभाषा अधिकारी, नरेंद्र ने किया।

हावड़ा मंडल ने डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने हेतु चलाया एटीवीएम प्रचार अभियान

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल द्वारा डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने और यात्रियों को आधुनिक टिकटिंग सुविधाओं से जोड़ने के उद्देश्य से बुधवार को एक विशेष एटीवीएम प्रचार अभियान का आयोजन किया गया। यह अभियान हावड़ा मंडल के वाणिज्यिक विभाग द्वारा आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य यात्रियों को ऑटोमैटिक टिकट वेंडिंग मशीनों के माध्यम से यूपीआई, भीम ऐप और क्यूआर कोड आधारित डिजिटल भुगतान के लिए प्रेरित करना था। यह अभियान डीआरएम संजीव कुमार के निर्देशन और वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक राहुल रंजन के नेतृत्व में संचालित किया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य टिकट काउंटरों पर भीड़ को कम करना, यात्रियों को सुविधाजनक सेवा प्रदान करना था। गोबरा, जनाई रोड, बेगमपुर, बारुईपाड़ा सहित

विभिन्न प्रमुख स्टेशनों पर यात्रियों को एटीवीएम मशीनों के उपयोग की प्रक्रिया को समझाया गया। उन्हें यह भी बताया गया कि वे कैसे अपने स्मार्टफोन के माध्यम से डिजिटल ऐप्स का उपयोग कर सहज, तेज और नकदरहित तरीके से टिकट खरीद सकते हैं।

रतनगढ़ नागरिक परिषद की नारी शक्ति के 'सतरंगा सावन' ने बिखेरी तीज-सिंधारा की अनूठी छटा

कोलकाता : श्रावण की आहट के साथ ही राजस्थानी समाज की बहू-बहन-बेटियों में तीज-सिंधारा की उमंग छाने लगती है और इसी को साकार करने के लिए मंगलवार को इ. एम. बाइ पास के 'द सिल्वर स्प्रिंग क्लब' में रतनगढ़ नागरिक परिषद, कोलकाता की नारी शक्ति यानि महिला शाखा की ओर से 'सतरंगा सावन' का भव्य आयोजन किया गया। गीत-संगीत-नृत्य और कई मनोरंजन खेलों से भरपूर इस मनभावन कार्यक्रम में परिषद परिवार की बहन-बहू और बेटियों ने राजस्थानी कला-संस्कृति की ऐसी अनूठी छठा बिखेरी कि बंग-भूमि पर ही मरू भूमि का अहसास होने लगा। इस रंगारंग कार्यक्रम का शुभारंभ विद्या जायसवाल द्वारा प्रस्तुत गणेश वंदना से हुआ। इस अवसर पर बतौर विशिष्ट अतिथि श्री भरत-अनुराधा जालान, श्री प्रदीप-मंजू सराफ और श्री सुरेश-सरला केडिया

को दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

पूजा भुवालका की गीत प्रस्तुति 'म्हारै हिवड़े...', ऋचा पोद्दार की प्रस्तुति 'मोरिया आच्छो बोल्यो.... और लहरियो..., विद्या अग्रवाल, कुसुम बजाज व सरिता पोद्दार द्वारा प्रस्तुत नाटक 'देवरानी-जेठानी' और आशा भुवालका, संतोष चौधरी और विद्या अग्रवाल द्वारा प्रस्तुत नाटक' बिनणी का सवाल', श्रुति भुवालका, निकिता चोखानी व अदिति के मोरनी और श्रावण पर नृत्य प्रस्तुति उल्लेखनीय रही जबकि

राजकुमारी भुवालका, अंजू अग्रवाल, मनमीत खेतान, गीता झाझड़िया, श्वाति केडिया, श्रुति सराफ ने अपने गीतों से कार्यक्रम को नयी ऊर्जा प्रदान की। बीच-बीच में विविध प्रकार के मनोरंजक खेलों का भी उपस्थित महिलाओं ने भरपूर आनंद उठाया। सामूहिक घूमर नृत्य की भव्य प्रस्तुति के पश्चात सांस्कृतिक आयोजन में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली महिलाओं को कार्यक्रम की संयुक्त संयोजिका कुसुम बजाज, ममता भुवालका और श्वेता चांदगोठिया ने पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया जबकि आयोजन में उपस्थित सभी महिलाओं को सिंधारा का उपहार व मिठाई भेंट की गई। कार्यक्रम समन्वयक महेश भुवालका ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए परिषद की सभी महिला सदस्यों का आह्वान किया कि वे अपने राजस्थानी तीज-त्यौहारों को इसी तरह यादगार बनाने के लिए पूर्ण रूपेण सक्रिय हों। पूरे कार्यक्रम के सफल आयोजन में शिवकुमार चोधरी, लूणकरण सुरेका,विश्वनाथ भुवालका,श्यामलाल चौधरी, पवन पोद्दार, विशवम्भर दयाल सराफ, मनोज चांदगोठिया, रवि सुरेका सहित सभी का सराहनीय सहयोग रहा। महावीर रावत और सुरेश कुमार भुवालका ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया। स्वरुचि भोज के साथ आयोजन संपन्न हुआ।

भारत के प्रसिद्ध पॉडकास्टर राज शमानी बने आसुस एक्सपर्टबुक के ब्रांड एंबेसडर

कोलकाता, समाज्ञा : भारत के लोकप्रिय पॉडकास्टर और फिगरिंग आउट विद राज शमानी के होस्ट राज शमानी को अब आसुस (एएसयूएस) एक्सपर्टबुक सीरीज का आधिकारिक ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया है। यह साझेदारी न केवल आसुस के लिए, बल्कि राज शमानी के लिए भी एक नई शुरुआत है, जो तकनीक और महत्वाकांक्षा के अद्वितीय संगम को दर्शाती है। आसुस इंडिया के उपाध्यक्ष दिनेश शर्मा ने कहा कि यह सहयोग भारतीय पेशेवरों को प्रेरित करने और उनकी सफलता की यात्रा में साथ देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि एक्सपर्टबुक सीरीज अत्याधुनिक

प्रदर्शन, सुरक्षा और विश्वसनीयता प्रदान करती है, जो आधुनिक कार्यशैली के लिए आदर्श है। राज शमानी ने इस साझेदारी को व्यक्तिगत बताते हुए कहा कि यह डिवाइस उन सपने देखने वालों के लिए है, जो कुछ बड़ा करना चाहते हैं। यह सहयोग भारत की युवा ऊर्जा और वैश्विक महत्वाकांक्षा को एक साथ जोड़ता है।

नाइट शिफ्ट में महिला कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए राज्य सरकार की पहल

❑ नवान्ना ने तैयार किया मसौदा दिशानिर्देश

कोलकाता : राज्य सरकार नाइट शिफ्ट में कार्यरत महिला कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर एक ठोस कदम उठाने जा रही है। गृह विभाग की ओर से इस संबंध में एक मसौदा दिशानिर्देश तैयार किया गया है, जिसमें कई सख्त प्रावधान शामिल हैं।

प्रस्तावित गाइडलाइन के अनुसार,

❑ रात्रिकालीन ड्यूटी महिलाओं के लिए अनिवार्य नहीं होगी। जो महिलाएं नाइट शिफ्ट में काम

करना चाहेंगी, उन्हें लिखित रूप में स्वीकृति देनी होगी।

❑ गाइडलाइन का प्रारूप आईटी, हेल्थ, ट्रांसपोर्ट और पुलिस जैसे विभागों को परामर्श के लिए भेजा गया है, ताकि उनके सुझाव के आधार पर इसे अंतिम रूप दिया जा सके।

नवान्ना सूत्रों के अनुसार, मसौदे में कुल 22 प्रमुख बिंदु शामिल हैं। इनमें प्रमुख रूप से यह निर्देश दिया गया है कि:

❑ महिला कर्मचारियों को लाने-ले जाने वाले वाहनों में ऋझड ट्रैकिंग सिस्टम अनिवार्य होगा।

❑ वाहनों में प्रशिक्षित महिला सुरक्षा रक्षक और इमरजेंसी अलर्ट सिस्टम की व्यवस्था की जाएगी।

❑ नाइट शिफ्ट का समय रात 8 बजे से सुबह 6 बजे तक निर्धारित किया गया है।

❑ हर नाइट शिफ्ट में कम से कम 10 महिला कर्मचारी या कुल संख्या का एक-तिहाई महिला कर्मचारी मौजूद रहना चाहिए।

❑ कार्यस्थल में महिलाओं के लिए विश्राम कक्ष, कैंटीन, एम्बुलेंस, उउढत निगरानी, प्रवेश और निकास बिंदुओं पर सुरक्षा व्यवस्था अनिवार्य की गई है।

❑ सभी कार्यालयों में एक आंतरिक शिकायत निवारण समिति बनानी होगी, जहां यौन उत्पीड़न मामलों में जीरो टॉलरेंस नीति लागू होगी।

❑ प्रत्येक संस्थान में इंटरनल सेफ्टी रिव्यू कमिटी होगी, जो हर तीन महीने में समीक्षा बैठक करेगी। यदि कोई संस्था नियमों का उल्लंघन करती है, तो श्रम कानूनों के तहत जुर्माना और आवश्यकतानुसार अनुमोदन रद्द करने का प्रावधान है।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आर.जी. कर अस्पताल प्रकरण के बाद इस गाइडलाइन की जरूरत पर जोर दिया था।

सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट द्वारा भी इस दिशा में कड़े निर्देश दिए गए हैं। राज्य सरकार अब इसे लेकर सख्त और व्यवस्थित कार्रवाई की तैयारी में है।

चुंचुड़ा कोर्ट ने पत्नी को जलाकर मारने के आरोपी पति को आजीवन कारावास की सुनाई सजा

हुगली, समाज्ञा : पत्नी को जलाकर मारने के आरोपी पति को चुंचुड़ा की एक अदालत ने उसकी पत्नी के मृत्युशय्या पर दिए गए बयान के आधार पर आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। दोषी का नाम सुखरंजन हाउलादर था। उसे चार साल पहले अपनी पत्नी को जलाकर मार डालने के जुर्म में बुधवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, तिन्ना कॉलोनी इलाके के निवासी सुखरंजन हाउलादर ने 2019 में पांडुआ थाने के तिन्ना इलाके की निवासी रीना हलदर से शादी की थी। मृतका के परिवार ने आरोप लगाया कि सुखरंजन शादी के बाद से ही उनकी बेटी को उसके पिता के घर से पैसे लाने के लिए

प्रताड़ित कर रहा था। मृतका के पिता जतिन हलदर ने आरोप लगाया कि सुखरंजन ने 21 मार्च, 2021 की तड़के उनकी बेटी पर मिट्टी का तेल डाला और उसे आग लगा दी। गृहिणी को पहले जली हुई हालत में पांडुआ ग्रामीण अस्पताल ले जाया गया। बाद में, जब उसकी हालत बिगड़ी, तो उसे चुंचुड़ा सदर अस्पताल भेज दिया गया। मृतक के पिता ने अपने दामाद के खिलाफ पांडुआ थाने में शिकायत दर्ज कराई। वहां उसने पुलिस को मृत्युपूर्व बयान दिया। चुंचुड़ा अस्पताल में उसकी मौत हो गई। मृतक के पिता ने पांडुआ थाने में दामाद के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। घटना के संबंध में मुख्य लोक अभियोजक शंकर गंगोपाध्याय ने बताया कि मृतक के पिता की शिकायत के आधार पर पांडुआ थाने ने जांच शुरू की। 90 दिनों के बाद आरोप पत्र दाखिल किया गया। शुरुआत में, वे मामले की जांच कर रहे थे। बाद में, मामले की जांच लोक अभियोजक प्रशांत अग्रवाल के पैनल ने की। बुधवार को चुंचुड़ा के तृतीय सत्र न्यायालय के न्यायाधीश कौस्तव मुखर्जी ने सुखरंजन हाउलादर को आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

मुख्यमंत्री के दौरे के बाद फिर अग्रिम मोर्चे पर केस्टो! अनुब्रत मंडल को मिली वाई+ श्रेणी की सुरक्षा

बीरभूम : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बीरभूम जिले के हालिया दौरे के बाद, तृणमूल कांग्रेस के बर्खास्त बीरभूम जिला अध्यक्ष अनुब्रत मंडल उर्फ 'केस्टो' को एक बार फिर से विशेष सुरक्षा प्रदान की गई है। उन्हें अब वाई+ श्रेणी की सुरक्षा दी गई है। सूत्रों के अनुसार, ऑडियो क्लिप विवाद में नाम सामने आने के बाद अनुब्रत मंडल की सुरक्षा घटा दी गई थी। लेकिन मुख्यमंत्री के दौरे के तुरंत बाद उनकी सुरक्षा में इजाफा किया गया है। अब उनके बोलपुर स्थित नीचुपट्टी इलाके में स्थित घर और उनके निजी आवागमन की सुरक्षा को लेकर कड़े इंतजाम किए गए हैं। बीरभूम जिला पुलिस के मुताबिक, अब 16 पुलिसकर्मी अनुब्रत की सुरक्षा में तैनात रहेंगे। उनके वाहन काफिले के आगे और पीछे पुलिस की एस्कॉर्ट गाड़ियाँ चलेंगी। इसके अलावा, उनके नीचुपट्टी आवास पर 4 से 6 सशस्त्र पुलिसकर्मियों की 24 घंटे ड्यूटी लगाई गई है, जो हर वक्त उनके आसपास मौजूद रहेंगे। इस फैसले से राजनीतिक हलकों में चर्चाएँ तेज हो गई हैं कि क्या अनुब्रत मंडल एक बार फिर तृणमूल के सत्ता समीकरण में सक्रिय भूमिका निभाने जा रहे हैं। वाई+ सुरक्षा मिलने को उनके प्रभाव की पुनःस्थापना के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

फर्जी दस्तावेज मामले में एक महिला गिरफ्तार, बांग्लादेशी पासपोर्ट और भारतीय पहचान पत्र बरामद

कोलकाता : पार्क स्ट्रीट थाने में दर्ज मामले के तहत एक महिला शांता पॉल (28 वर्ष) को मंगलवार की शाम लगभग 4:07 बजे गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उसे गोल्फग्रीन थाना क्षेत्र के विक्रमगढ़ स्थित एक किराए के कमरे से गिरफ्तार किया, जो उस भवन की दूसरी मंजिल पर स्थित था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मामले की गंभीरता को देखते हुए कमरे में लंबे समय तक तलाशी अभियान चलाया गया। तलाशी के दौरान महिला के पास से कई फर्जी दस्तावेज बरामद किए गए। इनमें बांग्लादेश सरकार द्वारा जारी किए गए उसके नाम के कई पासपोर्ट, बांग्लादेश स्थित रीजेंट एयरवेज़ का कर्मचारी पहचान पत्र, ढाका माध्यमिक शिक्षा बोर्ड का एडमिट कार्ड, और भारत में विभिन्न पते पर बनाए गए आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, और राशन कार्ड शामिल हैं। प्रथम दृष्टया यह मामला फर्जी पहचान पत्र बनवाकर भारत में रहने और धोखाधड़ी करने से जुड़ा हुआ प्रतीत हो रहा है। फिलहाल आरोपी महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मामले की जांच पार्क स्ट्रीट थाना पुलिस कर रही है।

बीएसएफ ने भारत-बांग्लादेश सीमा से 44 लाख का सोना किया जब्त

कोलकाता, समाज्ञा : सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने नदिया जिले में 44 लाख रुपये से अधिक मूल्य का सोना जब्त किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए बीएसएफ के दक्षिण बंगाल फ्रंटियर की 11वीं बटालियन के जवानों ने मंगलवार को बैजनाथपुर इलाके में 439.23 ग्राम सोना जब्त किया। बीएसएफ ने एक बयान में कहा कि जब्त किए गए सोने की अनुमानित कीमत 44.40 लाख रुपये है। इसमें कहा गया कि सोना एक काले थैले में रखा गया था और भारत-बांग्लादेश सीमा से लगभग 50 मीटर दूर झाड़ियों में छिपाया गया था। बरामद सोने को संबंधित विभाग को सौंप दिया गया है।

फ्लैट से घसीटकर निकाली गई विधवा महिला, पुलिस पर कार्रवाई नहीं करने का आरोप

हावड़ा, समाज्ञा

हावड़ा जिले के उलुबेड़िया थाना क्षेत्र से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। जहां एक प्रतिष्ठित स्वर्ण व्यवसायी विधवा महिला को उनके अपने ही फ्लैट से जबरन घसीटते हुए बाहर निकाला गया और करीब एक घंटे तक शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। महिला का आरोप है कि पुलिस को बार-बार सूचित करने के बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। यह घटना उलुबेड़िया के सामुइपाड़ा इलाके की है, जहां महिला अपने पति की मृत्यु के बाद अकेली रहती हैं। कुछ दिन पहले गाड़ी पार्किंग को लेकर स्थानीय लोगों से उनका विवाद हुआ था। उसके बाद से ही कुछ लोग उन्हें सड़क पर लगातार परेशान करने लगे। घटना वाली रात जब महिला फ्लैट में अकेली थीं, तो उन्होंने दरवाजे पर जोर-जोर से धक्कों की आवाज सुनी। दरवाजा खोलते ही कुछ लोग उन पर टूट पड़े और उन्हें जबरन घसीटकर बाहर निकाल दिया। विरोध करने पर भी किसी ने उनकी एक न सुनी और करीब एक घंटे तक उन्हें प्रताड़ित किया गया।

महिला ने उलुबेड़िया थाने में लिखित शिकायत दी, लेकिन कई दिन बीत जाने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। फ्लैट पर ताला लगा दिया गया है और अंदर उनके व्यापार से जुड़े दस्तावेज और सामग्री फंसी हुई है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ नशेड़ी बाइक सवार उनका पीछा करते हैं। पीड़िता ने स्वयं को एक सम्मानित व्यवसायी बताते हुए न्याय और सुरक्षा की मांग की है।

कोन्नगर में तृणमूल नेता की सरेआम हत्या, व्यापारिक या राजनीतिक रंजिश की जांच जारी

हुगली : हुगली जिले के कोन्नगर इलाके में बुधवार शाम उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब भीड़भाड़ वाले इलाके में तृणमूल कांग्रेस के एक पंचायत सदस्य पर सरेआम धारदार हथियार से हमला कर दिया गया। घटना कन्हाईपुर ऑटोस्टैंड के पास की है, जहां तृणमूल नेता पिंटू चक्रवर्ती उर्फ मुन्ना को कुछ अज्ञात हमलावरों ने घेर लिया और उन पर एक के बाद एक कई बार धारदार हथियार से वार किए। बुरी तरह घायल नेता वहीं सड़क पर गिर पड़े। उन्हें तुरंत गंभीर हालत में पहले कानाइपुर अस्पताल और बाद में कोलकाता के एसएसकेएम अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

पिंटू चक्रवर्ती न सिर्फ तृणमूल पंचायत सदस्य थे, बल्कि कन्हाईपुर

व्यापार संघ के अध्यक्ष भी थे। वह रोज की तरह बुधवार को भी अपने गैस एजेंसी ऑफिस से घर लौट रहे थे, तभी उन पर यह घातक हमला हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना इतनी अचानक हुई कि लोग कुछ समझ भी नहीं पाए और हमलावर हमला करने के बाद मौके से फरार हो गए। घटना की खबर मिलते ही उत्तरपाड़ा थाना और कन्हाईपुर फांड़ी से पुलिस बल घटनास्थल पर पहुंचा। श्रीरामपुर के डीसीपी अर्णब विश्वास ने भी मौके पर पहुंच कर स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज कब्जे में ले ली है और जांच शुरू कर दी है। हालांकि, यह हमला आपसी व्यापारिक विवाद का परिणाम था या इसके पीछे कोई राजनीतिक रंजिश है, यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस सभी संभावित एंगल से मामले की जांच कर रही है। इस हत्या से इलाके के व्यापारी वर्ग में भय का माहौल बन गया है और स्थानीय लोगों में भी भारी आक्रोश है।

कृष्णनगर नगर निगम में कामकाज ठप! सरकार ने 24 पार्षदों को थमाया शो-कॉज नोटिस

कृष्णनगर : कृष्णनगर नगरपालिका में लंबे समय से चल रही प्रशासनिक ठहराव और बुनियादी सेवाओं की अव्यवस्था को लेकर अब राज्य सरकार ने सख्त कदम उठाया है। पश्चिम बंगाल के नगर विकास विभाग ने कृष्णनगर नगरपालिका के 24 पार्षदों को कारण बताओ नोटिस (शो-कॉज) जारी किया है। नगर निगम में सड़क, जल निकासी और पीने के पानी जैसी आवश्यक सेवाएं महीनों से ठप हैं। नागरिकों की लगातार शिकायतों और आंतरिक राजनीतिक खींचतान के चलते नगरपालिका का कामकाज लगभग पूरी तरह रुक गया है। इस स्थिति को देखते हुए सरकार ने 24 पार्षदों को नोटिस जारी कर सात दिनों के भीतर जवाब देने को कहा है। विभाग ने चेतावनी दी है कि यदि समय पर संतोषजनक उत्तर नहीं मिला तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। बताया जा रहा है कि नगरपालिका की चेयरपर्सन रीता दास के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस के 13 पार्षदों ने हाल ही में अविश्वास प्रस्ताव लाने की कोशिश की थी, जिसमें एक कांग्रेस और एक निर्दलीय पार्षद ने भी समर्थन किया था। इस मुद्दे की सूचना जिलाधिकारी और एसडीओ के माध्यम से राज्य सरकार तक पहुंचाई गई, जिसके बाद यह कार्रवाई हुई। शो-कॉज नोटिस में पूछा गया है कि नगरपालिका की सेवाएं क्यों ठप हैं और इसके लिए जिम्मेदार कौन हैं? अब सभी की नजर है पार्षदों के जवाब और सरकार की आगे की कार्रवाई पर।

वेलिंगटन नागरिक कल्याण समिति ने दुर्गा पूजा के लिए मंडप स्थापना पूजा का किया आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा : वेलिंगटन नागरिक कल्याण समिति (फैन मार्केट) द्वारा दुर्गा पूजा के मद्देनजर मंडप स्थापन पूजा (खूंटी पूजा) का आयोजन बुधवार को सुबह 11 बजे अलगड़ा हनुमान मंदिर के निकट विधिवत पूजा-अर्चना के साथ संपन्न किया गया। इस पावन अवसर पर वार्ड 47 की पूर्व पार्षदा सुमन सिंह, संरक्षक शम्भू नाथ जायसवाल, चेयरमैन रतन अग्रवाल, को-चेयरमैन सुभाष चन्द्र गुप्ता, अध्यक्ष उमाशंकर जायसवाल, सचिव दिनेश जायसवाल, उप कोषाध्यक्ष कृष्णा चन्द जायसवाल, अतिथि राजेश जायसवाल, राजीव जायसवाल, रमेश जायसवाल, अनिल जायसवाल, अधवेश जी सहित वेलिंग्टन मार्केट के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। उक्त अवसर पर सहस्त्रार्जुन जयंती समारोह समिति के नवनिर्वाचित अध्यक्ष विकास जायसवाल एवं कोषाध्यक्ष गणेश चंद जायसवाल को सम्मानित किया गया।

अब आरजी कर अस्पताल में हाउस स्टाफ की नियुक्ति में अनियमितता का आरोप

सृजित अतिरिक्त सीटें एक विशेष विभाग को आवंटित करने का आरोप

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कालेज एवं अस्पताल, जहां पिछले साल एक महिला डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई थी और करोड़ों रुपये की वित्तीय अनियमितताएं सामने आई थीं, एक बार फिर नए विवाद के घेरे में है। इस बार, विवाद संस्थान के लिए हाउस स्टाफ की नियुक्ति में अनियमितताओं को लेकर है, जहां मुख्य आरोप अतिरिक्त सीटों के अचानक सृजन का है। पश्चिम बंगाल जूनियर डाक्टर्स फ्रंट (डब्ल्यूबीजेडीएफ), जो पिछले साल आरजी कर की घटना पर जन आंदोलन का नेतृत्व कर रहा था, ने संस्थान में हाउस स्टाफ की नियुक्ति में अनियमितता के इस मुद्दे को उठाया है। संगठन का आरोप है कि अतिरिक्त बनाई गई सीटें एक विशेष विभाग को आवंटित की गई थीं। डब्ल्यूबीजेडीएफ ने बताया कि हाल के दिनों तक आरजी कर में नए और पुराने बैचों को मिलाकर हाउस स्टाफ की सीटों की संख्या 105 थी। हालांकि, इस वर्ष इस श्रेणी के अंतर्गत 12 अतिरिक्त सीटें न केवल पूरक बैच के उम्मीदवारों के लिए, बल्कि कार्डियोलाजी के एक ही विभाग के लिए आवंटित की गई थीं। डब्ल्यूबीजेडीएफ ने आरोप लगाया कि पूरक बैच के उम्मीदवारों के लिए और एक ही विभाग के लिए इन अतिरिक्त सीटों के सृजित होने से प्रक्रिया में गड़बड़ी की बू आती है। डॉ. अनिकेत महतो के अनुसार, हालांकि, अस्पताल में हाउस स्टाफ की सीटों की संख्या बढ़ाने की मांग जूनियर डॉक्टरों की ओर से आई थी, लेकिन उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि यह वृद्धि इतने मनमाने तरीके से की जाएगी। इस मामले पर तृणमूल कांग्रेस समर्थित प्रतिद्वंद्वी जूनियर डाक्टरों के संगठन पश्चिम बंगाल जूनियर डाक्टर्स एसोसिएशन (डब्ल्यूबीजेडीए) के पदाधिकारी सौरव दास ने कहा कि अगर कोई अनियमितता हुई है, तो उसकी जांच कर उसका समाधान किया जाना चाहिए। वहीं आरजी कर के चिकित्सा अधीक्षक-सह-उप-प्राचार्य (एमएसवी) सप्तर्षि चटर्जी ने आश्वासन दिया है कि इस मामले में संस्थान के अधिकारियों को सही समय पर उचित स्पष्टीकरण दिया जाएगा।

बाईपास के पास प्लास्टिक गोदाम में लगी भीषण आग

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता में ईएम बाईपास के निकट बुधवार की दोपहर कुछ अस्थायी प्लास्टिक गोदामों में आग लग गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आग में कोई घायल नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि आग पांच सितारा एक होटल के पीछे दोपहर लगभग 2.15 बजे लगी। प्रगति मैदान थाने के एक अधिकारी ने बताया कि चार दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया और आग बुझाने में 30 मिनट से भी कम समय लगा। उन्होंने बताया कि आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है।

बदली विवाद में डॉक्टरों को राहत, हाईकोर्ट ने राज्य सरकार की याचिका खारिज की

कोलकाता : आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज के तीन चिकित्सकों की पोस्टिंग को लेकर चल रहे विवाद में कोलकाता हाईकोर्ट ने डॉक्टरों को बड़ी राहत दी है। राज्य सरकार ने यह मामला प्रशासनिक न्यायाधिकरण (एसएटी) को भेजने की याचिका दायर की थी, जिसे हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया। जिन तीन डॉक्टरों - डॉ. अनिकेत माहतो, डॉ. आशफाकुल्ला नाइया और डॉ. देबाशीष हालदार - का ट्रांसफर किया गया था, उन्होंने इस निर्णय को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति बिश्वजीत बोस की पीठ में हुई। राज्य सरकार की दलील थी कि यह मामला एसएटी के अधिकार क्षेत्र में आता है, लेकिन न्यायमूर्ति बोस ने कहा कि राज्य सरकार का रुख उचित नहीं है, और यदि सरकार सावधानी से काम

करती, तो अदालत का कीमती समय बर्बाद नहीं होता। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि मामला निपटने तक डॉ. अनिकेत माहातो के खिलाफ कोई कड़ा कदम नहीं उठाया जा सकता। सोमवार को इस मामले की सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। अब कोर्ट ने साफ कर दिया है कि इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट में ही जारी रहेगी, न कि एसएटी में। यह फैसला आर.जी. कर अस्पताल के डॉक्टरों और चिकित्सा जगत के लिए एक महत्वपूर्ण कानूनी राहत के रूप में देखा जा रहा है।

कोलकाता स्थित बेहाला कॉलेज को स्वायत्त दर्जा मिला

कोलकाता, समाज्ञा

कलकत्ता विश्वविद्यालय (सीयू) से संबद्ध राज्य सरकार संचालित बेहाला कॉलेज को स्वायत्त दर्जा प्रदान किया गया है जिससे संस्थान को आगामी दस वर्षों तक शैक्षणिक गतिविधियों के स्वतंत्र संचालन की अनुमति मिल गई है। विश्वविद्यालय के एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। विश्वविद्यालय ने सोमवार को कॉलेज प्रशासन को एक पत्र जारी कर स्वायत्त दर्जा दिए जाने की सूचना दी। कॉलेज के एक अधिकारी ने बताया कि बेहाला कॉलेज राज्य का एकमात्र गैर-धार्मिक, गैर-अल्पसंख्यक और राज्य सरकार से सहायता प्राप्त संस्थान है जिसे यह दर्जा प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यायल के रजिस्ट्रार देबाशीष दास द्वारा हस्ताक्षरित पत्र में कॉलेज प्राचार्या शर्मिला मित्रा को संबोधित करते हुए लिखा गया कि कलकत्ता विश्वविद्यालय बेहाला कॉलेज को शैक्षणिक वर्ष 2025-26 से 2034-35 तक के लिए इस विश्वविद्यालय के अंतर्गत एक स्वायत्त कॉलेज का दर्जा देने की घोषणा करता है। विश्वविद्यालय ने यह निर्णय विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की उस सिफारिश के बाद लिया जिसमें कॉलेज को स्वायत्त दर्जा देने की अनुशंसा की गई थी।

कॉलेज की प्राचार्या शर्मिला मित्रा ने बताया कि अगस्त से कॉलेज अंग्रेजी, साइबर सुरक्षा एवं डिजिटल फॉरेंसिक, भू-सूचना विज्ञान, अनुप्रयुक्त सूक्ष्म जीवविज्ञान और आंकड़ा विज्ञान एवं विश्लेषण समेत कुल पांच विषयों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू करेगा। उन्होंने कहा कि ये पाठ्यक्रम कॉलेज में पहले से संचालित स्नातकोत्तर के चार विषय रसायन शास्त्र, गणित, बंगला और इतिहास के अतिरिक्त होंगे जिससे अब कॉलेज में कुल नौ विषयों में पीजी पाठ्यक्रम संचालित किया जाएगा। बता दें कि वर्ष 1963 में स्थापित बेहाला कॉलेज में दो हजार से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। हाल ही में, इसे यूजीसी द्वारा दिया जाने वाला सर्वोच्च 'ए++' एनएएसी मूल्यांकन प्राप्त हुआ है।

भारत चेंबर ऑफ कॉमर्स में टैगोर इंस्टीट्यूट ऑफ पीस स्टडीज (टिप्स) के शुभारंभ अवसर पर सॉलिसिटर एवं सलाहकार, टिप्स तथा पूर्व अध्यक्ष, भारत चेंबर ऑफ कॉमर्स डॉ. एन. जी. खेतान, पूर्व सचिव, कोयला एवं स्कूल शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार एवं सह-अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ एडवाइजर्स, टिप्स अनिल स्वरूप, आईएएस (सेवानिवृत्त), संस्थापक अध्यक्ष, टिप्स सीताराम शर्मा, पूर्व सचिव (पूर्व), विदेश मंत्रालय, भारत सरकार एवं अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ एडवाइजर्स, टिप्स राजदूत अनिल वधवा, आईएफएस (सेवानिवृत्त) और भारत चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष नरेश पचिसिया उपस्थित रहे।

दिल्ली पुलिस के रवैये पर नाराज कोलकाता हाईकोर्ट, प्रवासी श्रमिक मामले में जताई नाराजगी

कोलकाता : अन्य राज्यों से बंगाल के प्रवासी श्रमिकों को वापस लाने से जुड़ी याचिका पर सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस के रवैये को लेकर कोलकाता हाईकोर्ट ने कड़ी नाराज़गी जताई है। बुधवार को न्यायमूर्ति तपोब्रत चक्रवर्ती की डिवीजन बेंच में इस मामले की सुनवाई हुई।

याचिकाकर्ता के वकील ने कोर्ट को सूचित किया कि पिछली सुनवाई में हाईकोर्ट ने दिल्ली पुलिस को रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया था, लेकिन चूंकि उस दिन मामला नहीं सुना गया, दिल्ली पुलिस अपने दस्तावेज़ लेकर लौट गई और बुधवार को कोर्ट में उपस्थित नहीं हुई।

इस पर कोर्ट ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, हमारे राज्य के मज़दूरों को बाहर अपमान और अत्याचार झेलना पड़ा है। जिन पर जांच की ज़िम्मेदारी थी, वे एक दिन धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा भी नहीं कर सके। यह व्यवहार सम्मानजनक नहीं है।

न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि यह विषय गंभीर है और इससे राज्य के श्रमिकों की गरिमा जुड़ी हुई है। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई सोमवार को निर्धारित की है।

यह मामला पश्चिम बंगाल के उन प्रवासी मज़दूरों से जुड़ा है जो अन्य राज्यों में काम कर रहे थे और वहां कथित रूप से उनके साथ भेदभाव और अमानवीय व्यवहार हुआ था। याचिका में मांग की गई थी कि इन श्रमिकों को सुरक्षित ढंग से बंगाल लौटाया जाए और उनके साथ हुए दुर्व्यवहार की निष्पक्ष जांच हो।

राज्य के कई जिलों में दो से तीन दिनों तक भारी बारिश का पूर्वानुमान

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर बंगाल की खाड़ी पर चक्रवाती परिसंचरण और मानसून प्रवाह के कारण राज्य के कुछ जिलों में अगले दो से तीन दिनों तक भारी बारिश हो सकती है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बुधवार को यह जानकारी दी। आईएमडी ने कहा कि राज्य में व्यापक स्तर पर हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है जबकि दक्षिण बंगाल में अगले दो दिन तक और उत्तर बंगाल में अगले तीन दिन तक कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। पूर्वानुमान के अनुसार, उत्तर बंगाल में दो अगस्त से वर्षा की तीव्रता और बढ़ने की संभावना है। वहीं, कोलकाता में गुरुवार की सुबह तक भारी बारिश का अनुमान जताया गया है। आईएमडी के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में सबसे अधिक 77 मिमी बारिश दक्षिण 24 परगना जिले के कैनिंग में दर्ज की गई। साल्ट लेक में 64 मिमी और कोलकाता के अलीपुर में 37 मिमी वर्षा दर्ज हुई।

कब लागू होगा घाटाल मास्टरप्लान? बाढ़ग्रस्त क्षेत्र का दौरा कर सांसद देव ने दी अहम जानकारी

मेदिनीपुर : लगातार बारिश और निम्नदबाव की वजह से पश्चिम मेदिनीपुर के घाटाल क्षेत्र में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बाढ़ के कारण कई गांव जलमग्न हैं। इस विकट परिस्थिति में बुधवार को क्षेत्र के तृणमूल सांसद और अभिनेता देव (दीपक अधिकारी) स्वयं घाटाल पहुंचे और स्थिति का जायज़ा लिया।

सांसद देव ने घाटाल के एसडीओ कार्यालय में ज़िला-शासक, पुलिस अधीक्षक, स्वास्थ्य सचिव और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने घाटाल मास्टरप्लान को लेकर अहम जानकारी दी।

देव ने कहा, घाटाल मास्टरप्लान को पहले ही मंज़ूरी मिल चुकी है। स्विच गेटों की मरम्मत का काम तेज़ी से चल रहा है - कुछ पूरा हो चुका है और शेष इस महीने के भीतर पूर्ण कर लिया जाएगा। सबसे बड़ी चुनौती ज़मीन अधिग्रहण की है, लेकिन नई डिज़ाइन के अनुसार अब पहले से 40% कम ज़मीन की ज़रूरत पड़ेगी। सरकार इस काम को जनता के हित में कर रही है, ताकि लोग शांति से रह सकें।

उन्होंने यह भी बताया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पहले ही कह चुकी हैं कि यह परियोजना तीन वर्षों में पूरी हो जाएगी। जैसे ही काम शुरू होगा, उसे तीन साल में पूरा कर लिया जाएगा, देव ने स्पष्ट किया।

बाढ़ग्रस्त जनता को राहत और पुनर्वास दिलाने के प्रयास के बीच, अब सभी की निगाहें मास्टरप्लान की ज़मीनी अमल पर टिकी हैं।

विशेष रूप से सक्षम नागरिकों के लिए पहचान शिविर आयोजित, विधायक सुकांत पाल की पहल

हावड़ा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की प्रेरणा और अमता विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुकांत पाल की पहल पर बुधवार को विशेष रूप से सक्षम नागरिकों के लिए एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में यूडीआईडी रजिस्ट्रेशन और कृत्रिम अंग व सहायक उपकरण प्रदान करने के लिए लोगों की पहचान की गई। शिविर का पहला चरण झिखिरा और अमरागड़ी क्षेत्र के लोगों के लिए झिखिरा उच्च विद्यालय प्रांगण में आयोजित हुआ। इस अवसर पर विधायक सुकांत पाल के साथ जिला समाज कल्याण अधिकारी तीर्थंकर गुहा रॉय, बीडीओ, बीएमओएच, पंचायत समिति के अध्यक्ष समेत कई प्रशासनिक और स्थानीय प्रतिनिधि उपस्थित रहे। यह शिविर उन लोगों के लिए एक अहम कदम है, जो शारीरिक या मानसिक रूप से किसी न किसी प्रकार की चुनौती का सामना कर रहे हैं। इस तरह की पहल से उन्हें सरकारी योजनाओं और सहायता का लाभ मिलने में सहूलियत होगी।

बिना खर्च की औषधि है उपवास

आकाश अग्रवाल

आज की दौड़ने-भागने वाली जिंदगी, व्यस्त दिनचर्या ने औरों से आगे बढ़ने में लीन मानव के शरीर को अनेक रोगों का घर बना रखा है। यद्यपि पहले की अपेक्षा चिकित्सा विज्ञान ने आज दिन दूनी-रात-चौगुनी उन्नति कर ली है किन्तु फिर भी रोगों की संख्या कम होने के बजाय बढ़ती ही जा रही है।

दरअसल बीमारियों का मानव-शरीर पर हमला बोलने का मुख्य कारण उसका अनियमित खान-पान है। आज का बाजार फास्ट फूड से भरा हुआ है जो न तो पौष्टिक होता है और न ही स्वास्थ्यवर्द्धक। मानव ने क्षुधा शांत करने व स्वाद के चक्कर में साधारण एवं संतुलित भोजन करने की अपेक्षा ऐसे भोजन को ज्यादा तवज्जों दे रखी है। फलतः उसके निरन्तर सेवन से वह हर समय किसी न किसी गंभीर रोग से जकड़ा रहता है।

आज के युग में रोगों से बचने एवं अपने खान-पान को नियमित एवं संतुलित रखने का सर्वोत्तम उपाय 'उपवास' है। आयुर्वेद के प्रसिद्ध ग्रंथ 'चरक संहिता' से लेकर आज के विभिन्न चिकित्सीय शोधों ने भी उपवास के अनेक लाभ बताए हैं। सामान्यतः उपवास का अर्थ भोजन के त्याग से है किन्तु वास्तविक अर्थ किसी उद्देश्य आदि की पूर्ति हेतु एक निश्चित ईश्वर के प्रति आस्था प्रकट करने या रोगादि से मुक्ति पाना भी हो सकता है।

भारत एक धार्मिक देश है इसलिए यहां की संस्कृति में उपवास का अपना एक धार्मिक महत्त्व भी है। भारतीय मनीषियों ने शौर्य-बल प्राप्त करने, ईश्वर के प्रति अपनी आस्था प्रकट करने, धर्म को चरम पर पहुंचाने आदि कार्यों में उपवास का सदैव सहारा लिया है। शायद इसी कारण भारतीय मनीषी व साधु-संत लोग दीर्घायु एवं निरोगी रहते थे।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो पुरूषों की अपेक्षा महिलाएं उपवास रखने के कारण ज्यादा स्वस्थ रहती हैं।

उपवास की सलाह क्यों:-

चरक संहिता से लेकर आज के शरीर विज्ञानी भी मानते हैं कि उपवास का चिकित्सीय महत्त्व भी है। उनका मानना है कि

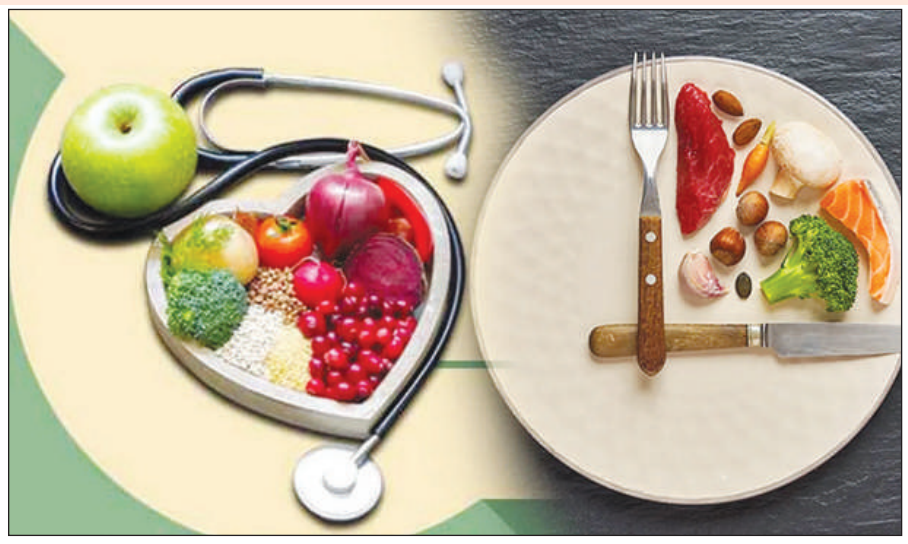

सप्ताह में कम से कम एक बार उपवास रखने से पाचन-तंत्रा दुरूस्त रहता है। दरअसल भोजन को पचाने में पाचन-तंत्रा को काफी मेहनत करती पड़ती है। इस कारण उसे आराम करने का समय नहीं मिल पाता और पाचन क्रिया मंद पड़ने लगती है। इससे भोजन सही ढंग से नहीं पच पाता। फलतः अनेक व्याधियां जैसे कब्ज, अम्लपित्त, गैस बनना, मधुमेह, मोटापा आदि अन्य जन्म लेने लगती हैं। इन सबसे छुटकारा पाने के लिए शरीर विज्ञानी सप्ताह में एक बार उपवास रखने की सलाह देते हैं।

उपवास से लाभ:-

उपवास रखने से प्राप्त होने वाले लाभों को दो भागों में बांट सकते हैं जिनका तन व मन दोनों पर व्यापक प्रभाव पड़ता है।

धार्मिक दृष्टिकोण से लाभ:-

यदि पूर्ण विधि-विधान एवं निष्ठापूर्वक उपवास रखा जाए तो आरोग्यता तो बढ़ती ही है,आत्मबल व संकल्पशक्ति में भी वृद्धि होती है। मन में सात्विक एवं सकारात्मक विचार आते हैं। फलतः व्यक्ति अनेक मानसिक व्याधियों जैसे तनाव, अवसाद, हीनता आदि से मुक्त रहता है। सोचने-समझने की शक्ति व एकाग्रता बढ़ती है। निरूक्त नामक ग्रंथ में उपवास को 'सत्कर्म' एवं 'सत्संकल्प' की संज्ञा दी गयी है। कई विद्वानों ने इसे तपस्या का अंग एवं सुखी जीवन का रहस्य भी बताया है।

इसके अलावा उपवास के दिन व्यक्ति प्रायः गंभीरतापूर्वक नियम-धर्म से चलता है। वह इस दिन हल्का-फुल्का, सादा, कम तल-भुना, फल, मिष्ठान आदि भोजन के रूप में लेता है। गाली-गलौज, क्रोध व मद्यपान आदि से दूर रहता है। कम बोलता है व हर समय ईश-भक्ति में लगा रहता है। इसके पीछे एक धार्मिक आस्था यह भी होती है कि यदि नियम-धर्म से न चला जाए तो ईश्वर नाराज हो सकते हैं। अतः उपवास से व्यक्ति अनुशासित एवं खानपान के प्रति जागरूक अवश्य बन सकता है।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण से लाभ:-

वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो उपवास रोगों के लिए महौषधि है। इससे पाचनतंत्रा दुरूस्त रहता है। फलतः भोजन का पाचन ढंग से हो जाता है। शरीर में मौजूद विषाक्त पदार्थों का निष्कासन आसानी से हो जाता है।

यही नहीं, अनुसंधानियों का यह भी कहना है कि दुर्बलता, रक्तअल्पता, भूख न लगना, सांस फूलना, आमाशय के कैंसर आदि व्याधियां तो दूर होती हैं, विभिन्न उदर रोग जैसे कब्ज, आंव, संग्रहणी, बवासीर आदि से भी मुक्ति मिलती है। हृदय की धमनियां लंबे समय तक स्वस्थ रहती हैं क्योंकि हर सप्ताह उपवास रखने से कोलेस्ट्राल की मात्रा घटने लगती है जो धमनियों के लिए लाभदायक है।

उपवास से मोटापा भी नियंत्राण में रहता है। वजन कम रहने से शरीर का आकार आकर्षक एवं सुडौल रहता है। चेहरे पर असमय उभरी झुर्रियां, दाग-धब्बे आदि दूर रहते हैं। चमक एवं सुंदरता बढ़ती है। काया निरोगी रहती है।

सावधानियां:-

एक-दो दिन का उपवास तो ठीक है किन्तु अधिक दिनों का उपवास चिकित्सक की देख-रेख में रखें।

रोगी, वृद्ध, बालक, बीमारी से दुबले, गर्भवती व स्तनपान कराने वाली स्त्रियों को लंबे समय तक उपवास नहीं करवाना चाहिए।

उपवास के दौरान दूध, मौसमी फल, मट्ठा, हरी सब्जियां, सलाद आदि हल्के एवं सन्तुलित भोजन ही लें। भारी व देर से पचने वाले भोजन से दूर रहें। उपवास के बाद ठूंस-ठूंस के न खाएं नहीं तो उपवास से होने वाले लाभों से आपको शीघ्र ही वंचित होना पड़ेगा।

अंत में कहा जा सकता है कि उपवास के ढेरों लाभ हैं। यह हमारे भोजन को नियमित एवं संतुलित तो रखता ही है, दिनचर्या का निर्धारण भी करता है। एक बार बाल गंगाधर तिलक ने कहा था कि शरीर को रोगी एवं निर्बल रखने के समान कोई दूसरा पाप नहीं है। उपवास से आप इस पाप से मुक्ति पा सकते हैं। (स्वा. द.)

सेहत की खबरें

सोनी मल्होत्रा

वजन उठाना स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद है

क्या आप जानते हैं कि वजन उठाना भी आपके स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद हो सकता है। यूनिवर्सिटी ऑफ फ्लोरिडा के विशेषज्ञों ने 65-70 वर्ष की आयु वर्ग के 62 व्यक्तियों पर एक शोध किया। विशेषज्ञों ने 6 महीने तक इनमें से कुछ व्यक्तियों से सप्ताह में तीन बार भारी वजन उठवाया और कुछ व्यक्तियों से बहुत हल्का वजन उठवाया और कुछ से बिलकुल नहीं।

6 महीने के उपरांत विशेषज्ञों ने पाया कि जिन व्यक्तियों ने अधिक वजन और कम वजन उठाया था, उनमें फ्री रेडिकल्स से शरीर का ह्रास बहुत कम पाया गया। फ्री रेडिकल्स वे मोलीक्यूल होते हैं जो सेल्स और टिश्यूस पर आक्रमण कर उन्हें नुकसान पहुंचाते हैं और रोगों को जन्म देते हैं। जिन व्यक्तियों ने बिलकुल वजन नहीं उठाया था उनमें यह ह्रास 13 प्रतिशत पाया गया जबकि वजन उठाने वाले व्यक्तियों में सिर्फ 2 प्रतिशत पाया गया। विशेषज्ञों का मानना है कि इस ह्रास के कम होने का कारण वजन उठाना था।

प्रोटीन की सीमित मात्रा का सेवन आवश्यक है

हाल ही में हुए एक शोध के अनुसार भोजन में 30 प्रतिशत प्रोटीन, 50 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट्स और 20 प्रतिशत वसा लेना सही है। भोजन में प्रोटीन की इतनी मात्रा वजन नियंत्रित तो करती ही है, साथ ही मधुमेह, डिप्रेशन, कैंसर व हृदय रोग जैसे रोगों से लड़ने में भी सहायक सिद्ध होती है परन्तु विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि बहुत अधिक प्रोटीन और बहुत अधिक कार्बोहाइड्रेट्स लेना उचित नहीं हैं। भोजन में विभिन्न प्रकार के तत्व लेने चाहिए जिससे शरीर में पोषक तत्वों की आवश्यकता की पूर्ति हो सके, इसलिए अनाज, चावल, फलों, सब्जियों के साथ डेयरी उत्पादों और प्रोटीन की मात्रा सीमित लेनी चाहिए।

हमारे शरीर को अनुमानतः 50 प्रतिशत कैलोरी कार्बोहाइड्रेट्स से मिलनी चाहिए, 30 प्रतिशत से कम वसा से और बाकी प्रोटीन से। अगर आप वजन कम कर रहे हैं तो जितनी कैलोरी आप खर्च करते हैं, उससे कम का सेवन करें और साथ ही एक्सरसाइज अवश्य करें। तभी आप वजन कम कर सकेंगे और अच्छा स्वास्थ्य पा सकेंगे।

फोलेट की कमी आपको अवसाद का रोगी बना सकती है

अगर व्यक्ति अवसाद का शिकार है तो यह भी हो सकता है कि वह अपने भोजन में समुचित मात्रा में हरी सब्जियां जैसे पालक, मेथी, बींस आदि नहीं ले रहा हो जिसके कारण वह इस रोग का शिकार है। विशेषज्ञों के अनुसार महिलाओं में फोलिक एसिड या फोलेट की कमी कई प्रकार के मानसिक रोगों का कारण होती है जिसमें से अवसाद भी एक रोग है। फोलिक एसिड विटामिन बी वाली हरी पत्तेदार सब्जियों में पाया जाता है। लेज्यूम साबुत अनाज, सूखे मेवे भी इसका अच्छा स्रोत हैं और यह डिप्रेशन से सुरक्षा भी देता है। मैकगिल यूनिवर्सिटी के डॉ. यंग द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार फोलिक एसिड की कमी से व्यक्ति डिप्रेशन से पीड़ित हो सकता है और इस कमी की पूर्ति हो जाने से वह डिप्रेशन से मुक्त हो सकता है।

इस अध्ययन में डॉ. यंग ने पाया कि फोलिक एसिड मस्तिष्क को प्रभावित करता है और डिप्रेशन के रोगियों में फोलिक एसिड की कमी भी देखने को मिली। फोलिक एसिड की कमी से मस्तिष्क के सेरोटोनिन स्तर में गिरावट आती है। फोलिक एसिड की कमी जहां व्यक्ति को डिप्रेशन का शिकार बना सकती है, वहीं डॉ यंग के अनुसार इसकी अधिक मात्रा लेना भी हानिकारक हो सकता है, इसलिए डॉक्टर की राय लेकर ही इसकी उचित मात्रा का सेवन करें।

ओस्टियोपोरोसिस से बच कर रहें महिलाएं

ओस्टिओपोरोसिस रोग पुरूषों की अपेक्षा महिलाओं में अधिक होता है। ओस्ट्ओपिरोसिस रोग में हड्डियां कमजोर हो जाती हैं और फ्रेक्चर होने की संभावना अधिक हो जाती है पर विशेषज्ञों का मानना है कि इस रोग को होने से रोका जा सकता है और इसके लिए सबसे आवश्यक है नियमित व्यायाम, पर्याप्त मात्रा में कैल्शियम का सेवन, अल्कोहल का सेवन न करना, धूम्रपान पर रोकथाम व चाय व कॉफी का भी कम सेवन। इन सब बातों को अपना कर व्यक्ति मजबूत व स्वस्थ हड्डियां पा सकता है। महिलाओं में रजोनिवृत्ति के पश्चात अधिकतर ओस्टिओपोरोसिस रोग हो जाता है क्योंकि इस समय ओस्ट्रोजन के स्तर में कमी आती है। इस कारण कम कैल्शियम शरीर द्वारा ग्रहण किया जाता है।

कैल्शियम एक बहुत ही महत्त्वपूर्ण खनिज पदार्थ है। हड्डियों और दांतों के स्वास्थ्य के लिए, मांसपेशियों के सही रूप से कार्य करने में कोलेस्ट्रोल के स्तर को नियंत्रित करने में यह महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। इसकी कमी बढ़ती उम्र में ओस्टिओपोरोसिस रोग की संभावना को बढ़ाती है, इसलिए महिलाओं को केवल बढ़ती उम्र में ही नहीं बल्कि संपूर्ण जीवन में कैल्शियम की सही मात्रा का सेवन करना चाहिए।

कैल्शियम के अच्छे स्रोत हैं दूध, दही, अनाज, दालें, पनीर, बंदगोभी, हरी सब्जियां, मछली, सोयाबीन आदि परन्तु मीट, अंडे, कोल्डड्रिंक्स, टिन फूड जिसमें फास्फोरस और सल्फर अधिक होता है, कैल्शियम के शरीर द्वारा ग्रहण होने में बाधा पहुंचाते हैं क्योंकि इनमें अमीनो एसिड होते हैं। इसी प्रकार चाय, काफी, अल्कोहल, सिगरेट आदि भी कैल्शियम के ग्रहण होने को प्रभावित करते हैं, इसलिए इनका सेवन बहुत कम करना चाहिए। हड्डियों की मजबूती के लिए सबसे जरूरी है सक्रिय जीवन शैली अपनाना। (स्वा. द.)

रोने से मत घबराइये

शीतांशु कुमार सहाय

रुलाई और आँसू का संबंध लोग दुःख से लगाते रहे हैं, किंतु रोना एक स्वाभाविक क्रिया है। रोने की कला मनुष्य को विरासत में मिली है। जन्म के समय से ही बच्चे रोना शुरू कर देते हैं। उस समय न रोने पर उसे रूलाने की कोशिश की जाती है ताकि उसकी मांसपेशियों व फेफड़ों का संचालन ठीक प्रकार से होने लगे।

कुछ लोग जोर से चिल्लाकर रोते हैं। ऐसी रूलाई सामान्य रूलाई से ज्यादा फायदेमंद है। जोर से रोने पर मस्तिष्क में दबी भावनाओं का तनाव दूर हो जाता है, राहत मिलती है और बहुत शक्ति प्राप्त होती है अतः पुरूषों की अपेक्षा स्त्रियों मे दिल का दौरा काफी कम पड़ता है। अपने मानसिक तनाव को आंसुओं के द्वारा शिथिल न कर पाने के कारण अक्सर पुरुष धमनियों से सम्बन्धित व्याधियों से पीड़ित रहते हैं।

आंसू ही आंखों को नम रखते हैं, स्वच्छ रखते हैं तथा धूल आदि पड़ने पर उसे धो डालते हैं। आंसू के विष के प्रभाव से ही हवा से उड़कर आंखों में पड़ने वाले कीट-पतंगे मर जाते हैं और वे हानि नहीं पहुंचा पाते। वैज्ञानिकों के मतानुसार एक चम्मच आंसू 200 गैलन जल के कीटाणुओं को मारकर साफ करने में समर्थ हैं।

भावनात्मक आंसू हमें उदासी, अवसाद और गुस्से से मुक्ति दिलाते हैं। यही आंसू हद से बाहर जाने से भी रोकते हैं। रोने से मन का मैल धुल जाता है तथा एक प्रकार की शान्ति महसूस होती है। न रोने वाले मानसिक तनाव से ग्रसित होकर चिड़चिड़े स्वभाव के हो जाते हैं। ऐसे व्यक्ति शीघ्र निर्णय भी नहीं ले पाते।

आयुर्वेद के मुताबिक रूलाई रोकने पर कई रोगों के होने का डर है। ऐसे रोगों में जुकाम, आंख या हृदय में पीड़ा, अरूचि, डर, चक्कर आना, गर्दन में अकड़न, मानसिक तनाव आदि मुख्य हैं। सदमा लगने पर रूलाई को जबरन रोकने से हृदयाघात, उच्च या निम्न रक्तचाप अथवा मस्तिष्क के निष्क्रिय होने का भय भी बना रहता है।

कभी-कभी ऐसा देखने को मिलता है कि माता-पिता या अध्यापक बच्चे को डांट या पीट देते हैं और जब वे रोने लगते हैं तो उन्हें डरा-धमकाकर रोने नहीं देते हैं। यह अत्यन्त घातक कदम है। इससे बच्चों के शारीरिक व मानसिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इस कारण बच्चों की बुद्धि कुंठित भी हो सकती है अथवा वे किसी मनोरोग से ग्रसित होकर आजीवन उससे पीड़ित रह सकते हैं।

रोना कभी निरर्थक नहीं जाता। अंग्रेजी के प्रसिद्ध साहित्यकार शेक्सपियर एन. हेथवे को छोड़कर दूसरी लड़की से प्रेमालाप करने लगा। इस बात की जानकारी मिलने पर हेथवे घबरा गई सहयोग की अपेक्षा से वह पड़ोसी के घर जाकर बहुत रोई और वृतान्त को कह सुनाया। हेथवे के रोने का प्रभाव पड़ोसी पर इतना पड़ा कि उसने दूसरे दिन पूरे शहर में शेक्सपियर तथा हेथवे के विवाह के पोस्टर चिपकवा दिये। अंततः विवश होकर शेक्सपियर को हेथवे से विवाह करना पड़ा। आंसू की बहुपयोगिता को देखकर ही शायरों ने इसे 'मोती' की संज्ञा दी है। (स्वा. द.)

मुंहासेः समस्या और छुटकारा

नीतू गुप्ता

हर महिला खूबसूरत दिखने का शौक रखती है। अच्छे नैननक्श,कद काठी की मलिका होने पर भी अगर चेहरे पर मुंहासे हैं तो खूबसूरती कम हो जाती है। आज के समय में बढ़ता प्रदूषण,खानपान की गलत आदतें और बढ़ते तनाव से हमारी त्वचा प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकती। अगर हम ध्यान दें तो हमारे अंदर कुछ ऐसी आदतें होती हैं जो मुंहासों की वजह बनती हैं।

तेज धूप में बाहर रहनाः-

तेज धूप में बाहर रहने से टैनिंग की समस्या तो आम है, इसके साथ मुंहासों की भी समस्या होती है। तेज धूप से त्वचा में तैल बढ़ता है जिसके कारण मुंहासे ज्यादा होने लगते हैं इसलिए तेज धूप में अगर बाहर जाना भी पड़े तो चेहरे को ढक कर जाएं और चेहरे पर सनस्क्रीन लगाना न भूलें।

चेहरे को बार-बार छूनाः-

दिन भर हमारे हाथ हजारों बैक्टीरिया के संपर्क में आते रहते हैं। हम दरवाजे का हैंडल, फ्रिज का हैंडल बार-बार खोलते हैं जिनको कई अन्य लोगों ने छुआ होता है और हर बार हाथ नहीं धो पाते। यही गंदे हाथ जो धूल,गंदगी और बैक्टीरिया के संपर्क में आ चुके होते हैं इन्हें हम चेहरे पर लगाते हैं तो धूल और बैक्टीरिया के कण हमारे चेहरे पर पहुंच जाते हैं जो मुंहासों का कारण बनते हैं।

गंदे मेकअप ब्रश का प्रयोगः-

मेकअप करने से पूर्व हम हमेशा मेकअप ब्रश को नहीं धो पाते और बिना धोए उसी ब्रश का बार- बार प्रयोग करते हैं। हमारी सोच यही होती है कि मैं ही तो इसका प्रयोग करती हूं। यह सोच गलत है। ब्रश में जमी धूल और बचा हुआ मेकअप उसके रेशों में फंस जाता है जो हमारे चेहरे तक पहुंच जाता है। ऐसा करने से त्वचा में संक्रमण और मुंहासे हो सकते हैं।

अपौष्टिक आहार का सेवनः-

मुंहासे आने का एक मुख्य कारण हमारा गलत खानपान भी है। मुंहासों से बचने हेतु जंक फूड न लें। रेशेदार खाद्य उपदार्थ लें ताकि पेट भी आसानी से साफ हो सके। अधिक वसायुक्त और तैलीय खाद्य पदार्थ का सेवन न करें। हरी सब्जियां व फल खाएं, ग्रीन टी लें। हर्बल फेसवाश का प्रयोग करें। बैंगन, कच्चा, प्याज, मूली, मिर्च मसाले, चाय, काफी का सेवन कम से कम करें। त्वचा की चमक बरकरार रखने के लिए 10 गिलास प्रतिदिन पानी पिएं।

नींद पूरी न लेनाः-

रात देर तक टीवी देखना, मोबाइल,कंप्यूटर पर काम करना, नींद पूरी न होने में खलल डालते हैं। अगर नींद पूरी नहीं होगी तो इसका प्रभाव हमारी सेहत और त्वचा पर पड़ेगा। स्वस्थ त्वचा और मुंहासों से छुटकारा पाने के लिए रात्रि में समय पर सोएं, शांत नींद पूरी लें। पर्याप्त नींद न लेने से शारीरिक और मानसिक तनाव बढ़ जाता है।

अधिक स्क्रबिंग नुकसानदायकः-

अधिकतर लोग सोचते हैं कि हम बार-बार स्क्रबिंग कर डेड स्किन से छुटकारा पा सकते हैं और त्वचा की सफाई हो जाती है। ऐसे लोग सप्ताह में 2 बार स्क्रबिंग करते हैं। ऐसा करने से त्वचा के रोमछिद्र ज्यादा खुल जाते हैं जो त्वचा को नुकसान पहुंचाते हैं। चेहरे को धोकर बार बार तौलिए से रगड़ना भी ठीक नहीं। अगर आप घर पर हैं तो चेहरा ताजे पानी से धोकर अपने आप सूखने का इंतजार करें। बाहर जाना है तो नर्म तौलिए से हल्के से चेहरा पोंछें। अगर आप बाहर ज्यादा जाती हैं तो सप्ताह में एक बार कोमलता से स्क्रब करें। वैसे 2 सप्ताह में एक बार पर्याप्त है।

तनाव से दोस्ती न करें:-

तनाव से दोस्ती कर हर समय तनावग्रस्त रहना त्वचा को नुकसान पहुंचाता है और मुंहासों को बढ़ने में मदद भी करता है। खुशी से दोस्ती बनाएं। अपने आप को प्रसन्न रखने का प्रयास करें। तभी आपकी त्वचा हैल्दी रहेगी।

व्यायाम के बाद स्नान न करनाः-

अगर आप व्यायाम करते हैं तो उसके बाद नहाना न भूलें क्योंकि व्यायाम के बाद आए पसीने से बाहरी प्रदूषण और धूल मिट्टी मिल जाते हैं जो मुंहासे पैदा करने में मदद करते हैं। व्यायाम के बाद स्नान अवश्य करें।

मुंहासों को दबानाः-

मुंहासों को दबाने से त्वचा पर संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है और पहले आए मुंहासे दाग छोड़ देते हैं और नए मुंहासे जल्दी से आ जाते हैं। इसलिए मुंहासों से छेड़छाड़ बिलकुल न करें। (स्वा. द.)

हिचकी रोग और उपाय

मीना जैन छाबड़ा

बासी ठण्डी वस्तुओं के खाने से मुख और नाक में बारीक मिट्टी के घुसने से या अधिक परिश्रम तथा अधिक मार्ग गमन से व मल मूत्र आदि के वेग को रोकने से हिचकी रोग उत्पन्न हो जाता है।

◆ गर्म दूध में घी मिलाकर पीने से अथवा गर्म गर्म घृत पीने से हिचकी मिटती है।

◆ सोंठ के चूर्ण की फांकी लेकर ऊपर से बकरी का गर्म दूध पीने से हिचकी मिटती है।

◆ सोडा वाटर पीने से भयंकर हिचकी मिटती है।

◆ दालचीनी के सेवन से हिचकी, खांसी, गुर्दा की बीमारी मिटती है।

◆ नमक से पसली पर सेंक करने से हिचकी मिटती है।

◆ गर्म पानी में नमक मिलाकर पीने से वमन होकर हिचकी मिटती है।

◆ छह मासा सोंठ और पांच मासा (नग) काली मिर्च का पानी औटा कर पीने से भयंकर हिचकी रोग खत्म होता है।

◆ चार माशा मुलहठी को मिश्री की चाशनी में मिलाकर चाटने से हिचकी रूक जाती है।

◆ मोर पंख की राख मिश्री में मिलाकर खाने से हिचकी बंद हो जाती है। (स्वा. द.)

डिब्बाबंद आहार- आंखों पर तनी तलवार

विनोद कुमार पाण्डेय

चटपटा, खुशबूदार व जायकेदार डिब्बाबंद खाना खाने में तो मजेदार होता ही है मगर निरन्तर खाते रहना आंख की रोशनी को कम कर देता है जिससे आंख की रेटिना भी पतली हो जाती है।

जापान स्थित हिरोसाकी यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों के मुताबिक बाजार में मिलने वाले डिब्बाबंद आहार या खाद्य पदार्थ आंखों के लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार इन पदार्थों को दीर्घकालिक खुशबूदार व जायकेदार बनाये रखने के लिए इनमें मिलाये जाने वाले फ्लेवर बूस्टर्स की वजह से आंखों को गंभीर किस्म का खतरा उत्पन्न हो सकता है।

वैज्ञानिकों ने चूहों को ऐसा खाना खाने को दिया जिसमें मोनोसोडियम ग्लुटामेट की मात्रा ज्यादा थी। कुछ दिन बाद वैज्ञानिकों ने पाया कि सभी चूहों में नेत्रा ज्योति संबंधी समस्याएं हो गई और दूसरे जानवरों व चूहों की तुलना में उनकी आंख की रेटिना भी पतली हो गई। इस प्रकार का आंखों संबंधी पहला अध्ययन है मगर वैज्ञानिकों का मानना है कि डिब्बाबंद खाना यदि कोई व्यक्ति ज्यादातर अथवा निरंतर खाता है तो उसकी भी आंख की रोशनी कम हो सकती है।

यहां इसका मतलब यह नहीं कि आप यदा कदा भी डिब्बाबंद खाने का सेवन नहीं कर सकते। उनका कहना है कि किसी विषम परिस्थितिवश अथवा समस्यावश माह में एकाधबार डिब्बेबंद खाने अथवा आहार का सेवन करना हानिकारक नहीं होगा मगर यदि कोई व्यक्ति ज्यादातर अथवा नियमित रूप से डिब्बेबंद खाने का सेवन करता है तो उसके लिए हानिकारक हो सकता है।

सबसे शुद्ध घर का खाना अथवा कम शुद्ध होटल का खाना खाया जाना सेहत के लिए बेहतर होगा मगर डिब्बाबंद खाना खाने से बेहतर एकाध दिन भूखा रहना ही हितकारी होगा। (स्वा. द.)

त्वचा को झुर्रियों से बचाएं

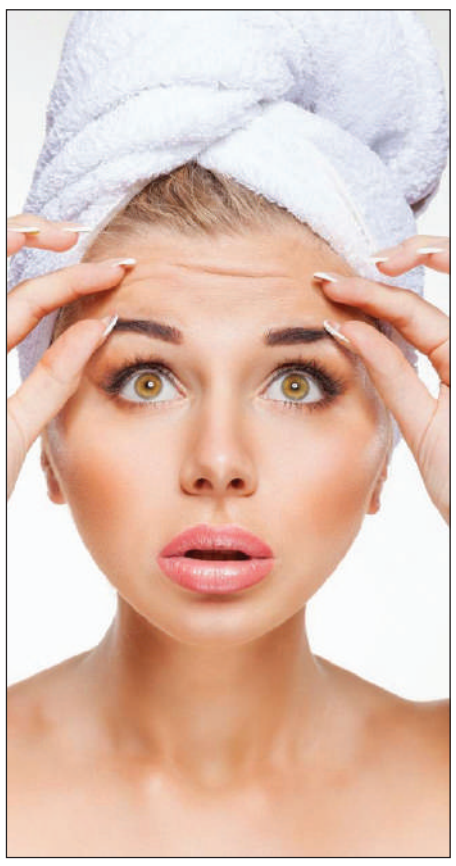

सुनीता गाबा

❒ चेहरे पर शहद लगाकर हल्की मसाज करें। आधे घंटे बाद चेहरा धो लें।

❒ कैस्टर ऑयल को रूई के फाहे की सहायता से झुर्रियों वाले हिस्से पर लगाएं रात भर लगा रहने दें।

❒ ककड़ी के रस को चेहरे पर लगा दें, सूखने पर चेहरा धो लें।

❒ आलू के रस को चेहरे पर लगाएं और सूखने पर चेहरा धो लें।

❒ टमाटर को बीच से काटकर उसपर नमक लगाएं और चेहरे पर एक मिनट तक स्क्रब करें। स्क्रब करने के बाद 5 मिनट तक ऐसे छोड़ दें बाद में चेहरा धो लें।

❒ पके पपीते के टुकड़े और पके केले के टुकड़े को मैश कर दोनों को मिक्स कर चेहरे पर लगाएं। 15-20 मिनट बाद चेहरा गुनगुने पानी धो लें।

❒ नींबू के रस में शहद बराबर मात्रा में लगाएं, 10 मिनट बाद गुनगुने पानी से धो लें।

❒ दो चम्मच गुलाबजल में आधा कप नींबू का रस और कुछ बूंदें ग्लिसरीन की मिलाएं और रूई के फाहे की सहायता से चेहरे पर लगाएं। रात्रि को लगाकर रखने से लाभ ज्यादा मिलता है। प्रातः चेहरा धो लें। अगर रात्रि में नहीं लगा सकते तो दिन में लगा लें और चेहरा कुछ घंटों बाद धोएं।

❒ दूध से निकली मलाई या दूध वाले बर्तन में बची मलाई से चेहरे की मालिश करें लाभ मिलेगा।

❒ एक गाजर, एक आलू को उबालकर मैश कर उसमें चुटकी भर हल्दी पाउडर और बेकिंग सोडा मिलाएं। अच्छे से मिला कर चेहरे पर 20 मिनट तक लगा कर रखें, फिर चेहरा गुनगुने पानी से धो लें।

❒ एलोवेरा जेल में एक अंडे की सफेदी मिलाकर चेहरे पर मसाज करें। आधे घंटे बाद धो लें।

सावधानी:-

❒ नींद अच्छी लें ताकि हार्मोन्स का निर्माण हो सके और त्वचा लचीली बनी रह सके।

❒ त्वचा को हाइडेक्रट रखें। नियमित रूप से पपीता, पालक, गाजर, बींस, सोयाबीन का सेवन करें।

❒ जो महिलाएं नियमित मेकअप करती हैं या कभी कभी सभी को सोने से पहले मेकअप अच्छी तरह से उतार लेना चाहिए ताकि रिंकल्स का खतरा कम से कम रहे।

❒ बार- बार चेहरा न धोएं। ज्यादा चेहरा धोने से उसके प्राकृतिक तेल निकल जाते हैं और चेहरा ड्राई होने लगता है।

❒ तनाव अधिक लेने से समय से पहले बुढ़ापा आता है।

❒ अपनी त्वचा को सही रूप से माश्चराइज रखें। नहीं तो खुश्क त्वचा पर रिंकल्स जल्दी आते है।

❒ करवट लेकर सोने के स्थान पर पीठ के बल सोएं क्योंकि करवट लेने से चेहरे पर स्लीप लाइंस आने लगती हैं।

❒ नियमित रूप से सनस्क्रीन का प्रयोग करें नही तो सूर्य की अल्ट्रावायलेट किरणें त्वचा को नुकसान पहंचाती हैं और असमय झुर्रियां आ सकती हैं। (स्वा. द.)

औषधि से भरपूर जामुन

सुनीता गाबा

जामुन ऐसा फल है जिसे फल के रूप में भी खाया जाता है और उसकी गुठली का भी पूरा लाभ उठाया जा सकता है। वैसे जामुन का स्वाद फल के रूप में कुछ कसैला सा होता है- न मीठा, न खट्टा।

▼ पाचनशक्ति को दुरूस्त करने के लिए जिन दिनों जामुन उपलब्ध हों, नियमित रूप से जामुन खाएं।

▼ जो बच्चे बिस्तर गीला करते हैं, उन्हें नियमित रूप से जामुन खाने को दें।

▼ उल्टी आने पर जामुन के रस का सेवन करने से लाभ मिलता है।

▼ मसूड़ों में सूजन होने पर जामुन का काढ़ा बनाकर पियें। सूजन गायब हो जाएगी।

▼ फोडे.फुन्सियां होने पर जामुन की गुठलियों को सुखा कर उसे पीस लें। सरसों के तेल में मिलाकर फोड़े फुन्सियों पर लगाने से आराम मिलता है।

▼ चेहरे पर मुंहासे होने पर जामुन की गुठलियों को सुखा कर उसे पीस लें और दूध में मिलाकर मुंहासों पर रात्रि में सोने से पूर्व लगाएं। नियमित रूप से दो सप्ताह तक लगाएं। मुंहासे दूर हो जाएंगे।

▼ मधुमेह के रोगी को नियमित जामुन का रस पीने के लिए दें और जामुन नियमित खाने के लिए भी दें।

▼ कफ, पित्त, श्वास तथा उदर संबंधी बीमारियों में जामुन का सेवन लाभ प्रद माना जाता है।

▼ पुराने दस्तों के लिए जामुन की छाल का काढ़ा बनाकर पिएं। पुराने दस्त बंद हो जाते हैं। (स्वा. द.)

न्यूज इन ब्रीफ

उत्तर प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र 11 अगस्त से होगा आरंभ

लखनऊ : उत्तर प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र 11 अगस्त को आरंभ होगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यहां यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सत्र 16 अगस्त तक चलेगा। विधानसभा के प्रमुख सचिव प्रदीप कुमार दुबे ने सभी सदस्यों को भेजे एक पत्र में बताया कि विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने 11 से 16 अगस्त तक सत्र आहूत करने को मंजूरी दे दी है। दुबे ने बताया कि सत्र के दौरान सदन में नए विधेयक पेश किए जाने की संभावना है।

मनसा देवी भगदड़ मामला: एम्स में एक अन्य महिला की मौत, मृतक संख्या बढ़कर नौ हुई

हरिद्वार : उत्तराखंड के हरिद्वार स्थित मनसा देवी मंदिर क्षेत्र में मची भगदड़ में घायल एक अन्य महिला ने बुधवार को एम्स-ऋषिकेश में दम तोड़ दिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि इसके साथ ही भगदड़ में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर नौ हो गयी। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश के बाराबंकी की रहने वाली फूलमती (55) 27 जुलाई को मची भगदड़ में गंभीर रूप से घायल हो गयी थीं और उन्हें हरिद्वार जिला अस्पताल से ऋषिकेश स्थित एम्स स्थानांतरित किया गया था।

मेघालय: तीन महीने में 116 बांग्लादेशी नागरिक पकड़े गए

शिलांग : मेघालय में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने बुधवार को कहा कि उसने पिछले तीन महीनों के दौरान 116 बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा है और 6.2 करोड़ रुपये मूल्य के 622 पशु जब्त किये हैं। अधिकारियों के अनुसार, भारत-बांग्लादेश सीमा पर 25 अप्रैल से 25 जुलाई के बीच चलाए गए अभियान के दौरान उनके पास से 1.3 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की तस्करी की अन्य वस्तुएं भी बरामद की गईं। बीएसएफ ने बताया कि इस अवधि में कुल 150 लोगों को पकड़ा गया, जिनमें 34 भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। जब्त की गई तस्करी की अन्य सामग्री में याबा टैबलेट्स, गांजा, शराब, सौंदर्य प्रसाधन, वस्त्र और बड़ी मात्रा में मोबाइल डिस्प्ले यूनिट्स शामिल हैं जिनकी कुल कीमत 1.3 करोड़ रुपये से अधिक है।

ईडी ने गोवा भूमि 'घोटाले' में 200 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्ति कुर्क की

नयी दिल्ली : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को कहा कि उसने एक भूमि घोटाले से जुड़ी धन शोधन जांच के तहत गोवा के प्रमुख स्थानों पर स्थित 200 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियां कुर्क की हैं। ईडी ने बताया कि यह जांच 2022 का गोवा विधानसभा चुनाव लड़ चुके एक व्यक्ति की संलिप्तता वाले भूमि 'घोटाले' से संबंधित है। हालांकि, वह व्यक्ति चुनाव हार गया था। संघीय एजेंसी कहा कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत 28 जुलाई को इन संपत्तियों को कुर्क करने का एक अस्थायी आदेश जारी किया गया था। उसने बताया कि इन संपत्तियों का मूल्य 212.85 करोड़ रुपये आंका गया है।

भारत, यूएई रक्षा संबंधों को बढ़ाने को लेकर सहमत

नयी दिल्ली : भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने बुधवार को यहां एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय रक्षा बैठक की, जिसमें दोनों पक्षों ने रक्षा संबंधों को और अधिक बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक इस बैठक की सह-अध्यक्षता रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और संयुक्त अरब अमीरात के रक्षा अवर सचिव लेफ्टिनेंट जनरल इब्राहिम नासिर एम अल अलावी ने की। लेफ्टिनेंट जनरल अलावी भारत की दो-दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर आए यूएई के एक उच्च-स्तरीय रक्षा प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। इस बैठक में दोनों देशों ने अपने रक्षा संबंधों को व्यापार, निवेश और सामाजिक संबंधों जैसे क्षेत्रों की तरह मजबूत करने पर सहमति जताई।

राज्यसभा में जयशंकर ने राहुल गांधी पर किया परोक्ष हमला, 'चाइना गुरू' करार दिया

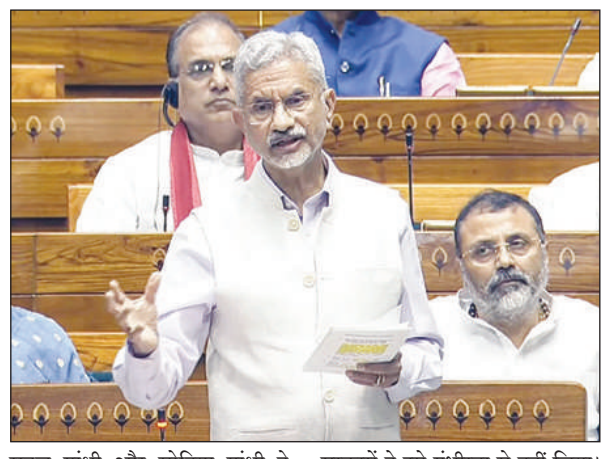

नयी दिल्ली : विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर परोक्ष हमला करते हुए बुधवार को उन्हें ''चाइना गुरू'' करार दिया और आरोप लगाया कि कुछ लोगों ने चीन पर अपनी जानकारी 2008 के बीजिंग ओलंपिक में भाग लेकर और चीनी राजदूत से ''निजी ट्यूशन'' लेकर हासिल की। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने राज्यसभा में ''पहलगाम में आतंकवादी हमले के जवाब में भारत के मजबूत, सफल एवं निर्णायक 'ऑपरेशन सिंदूर' पर विशेष चर्चा'' में हस्तक्षेप करते हुए कहा कि उन्होंने ''चाइना गुरुओं'' की तरह चीन की अपनी हालिया यात्रा के दौरान कोई गोपनीय बैठकें या समझौते नहीं किए। उन्होंने कहा कि अपनी चीन यात्रा के दौरान उन्होंने आतंकवाद, तनाव कम करने और व्यापार पर लगे प्रतिबंधों सहित आपसी हितों पर चर्चा की थी। राहुल गांधी और सोनिया गांधी ने 2008 बीजिंग ओलंपिक में विशेष आमंत्रित के तौर पर भाग लिया था। जयशंकर ने कहा कि पाकिस्तान और चीन के बीच सहयोग 1960 के दशक में शुरू हुआ था लेकिन पिछली सरकारों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। मंत्री ने कहा कि कुछ लोग चीन-पाकिस्तान संबंध की बात कर रहे हैं, जिनका आरोप है कि वह चीन के मामले में पर्याप्त काम नहीं कर रहे हैं, जबकि उन्होंने विदेश सेवा में 41 साल बिताए हैं और चीन में सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले भारतीय राजदूत हैं। जयशंकर ने कहा, 'कुछ चाइना-गुरु आजकल चीन पर ज्ञान बांटते हैं। एक साहब तो मेरे सामने ही बैठे हैं, जिन्हें चीन से इतना प्रेम था कि उन्होंने भारत और चीन के बीच 'चिंडिया' जैसा कोई सौदा कर डाला। चीन के लिए बहुत प्रेम है।' उन्होंने कहा 'उनके अलावा, एक और 'चीन गुरु' हैं। चीन के मामले में मेरी ओर से कुछ कमियाँ रही होंगी, क्योंकि मुझे चीन ओलंपिक में जाकर चीनी ज्ञान नहीं मिला, क्योंकि मुझे आमंत्रित नहीं किया गया था और मैं कोई विशेष व्यक्ति नहीं था। कुछ लोगों को ओलंपिक में जाकर चीन का ज्ञान मिला। लेकिन, वे वहाँ किससे मिले? वे सिर्फ़ चीनियों से ही नहीं, बल्कि अन्य लोगों से भी मिले।'

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत विरोधी सामग्री फैलाने वाले 1,400 से अधिक 'यूआरएल' ब्लॉक किये गए: वैष्णव

नयी दिल्ली : सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान डिजिटल मीडिया, मुख्य रूप से पाकिस्तान के सोशल मीडिया खातों, पर 1,400 से अधिक 'यूआरएल' (वेब पते) ब्लॉक कर दिए क्योंकि उनमें भ्रामक और भारत विरोधी सामग्री थी। उन्होंने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि यह पाया गया कि कुछ सोशल मीडिया हैंडल, जिनमें से कई भारत के बाहर से संचालित हो रहे थे, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सक्रिय रूप से झूठी और संभावित रूप से हानिकारक सूचना का प्रसार कर रहे थे। वैष्णव ने बताया, ''मंत्रालय ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान डिजिटल मीडिया पर 1,400 से अधिक यूआरएल (यूनिफॉर्म रिसोर्स लोकेटर) को ब्लॉक करने के निर्देश भी जारी किए। इन यूआरएल की सामग्री में झूठी, भ्रामक, भारत विरोधी समाचार सामग्री, मुख्य रूप से पाकिस्तान से संचालित सोशल मीडिया खातों से सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील सामग्री और भारतीय सशस्त्र बलों के खिलाफ भड़काऊ सामग्री शामिल थी।'' उन्होंने भाजपा सदस्य तेजस्वी सूर्या के एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया, ''सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 की धारा 69ए के तहत सरकार ने भारत की संप्रभुता और अखंडता, भारत की रक्षा, देश की सुरक्षा और लोक व्यवस्था के हित में वेबसाइटों, सोशल मीडिया हैंडल और पोस्ट को ब्लॉक करने के लिए आवश्यक आदेश जारी किए।'' वैष्णव ने बताया कि सरकार ने मीडिया को भी एक परामर्श जारी किया, जिसमें सभी समाचार चैनलों से राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में रक्षा अभियानों और सुरक्षा बलों की आवाजाही का सीधा प्रसारण न दिखाने को कहा गया। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, अंतर-विभागीय समन्वय के लिए एक केंद्रीकृत नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया था। मंत्री ने बताया कि यह नियंत्रण कक्ष चौबीसों घंटे कार्यरत था और सभी मीडिया हितधारकों को वास्तविक समय पर सूचना प्रसारित करने में सहायता कर रहा था। उन्होंने बताया कि इस नियंत्रण कक्ष में भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना के नोडल प्रतिनिधियों के साथ-साथ विभिन्न सरकारी मीडिया इकाइयों के अधिकारी और पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) के अधिकारी

पूर्वी लद्दाख में सेना के वाहन पर गिरा पत्थर, दो सैन्यकर्मियों की मौत, तीन अधिकारी घायल

लेह : पूर्वी लद्दाख के एक सुदूर इलाके में बुधवार को सेना के एक वाहन पर एक बड़ा पत्थर गिरने से एक लेफ्टिनेंट कर्नल समेत दो सैन्यकर्मियों की मौत हो गई और तीन अधिकारी घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह वाहन एक काफिले का हिस्सा था। अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना यहां से करीब 200 किलोमीटर दूर गलवान में दुरबुक के पास चारबाग में पूर्वाह्न करीब 11:30 बजे हुई। सेना ने मृतकों की पहचान लेफ्टिनेंट कर्नल भानु प्रताप सिंह मनकोटिया और लांस दफादार दलजीत सिंह (14 सिंध हॉर्स) के रूप में की है। इसमें कहा गया है कि मेजर मयंक शुभम (14 सिंध हॉर्स), मेजर अमित दीक्षित और कैप्टन गौरव (60 आर्मड) को चोटें आई हैं। उत्तरी कमान ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, उत्तरी कमान के सैन्य कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा और उत्तरी कमान के सभी रैंक के अधिकारी बहादुर लेफ्टिनेंट कर्नल भानु प्रताप सिंह मनकोटिया और लांस दफादार दलजीत सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जिन्होंने कर्तव्य निभाते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। इसमें कहा गया है, इस दुख की घड़ी में उत्तरी कमान शोकाकुल परिवार के साथ खड़ी है। अधिकारियों ने बताया कि काफिला दुरबुक से चोंगताश प्रशिक्षण के लिए जा रहा था। उन्होंने बताया कि पत्थर के प्रभाव से वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। अधिकारियों ने बताया कि तीन अन्य अधिकारियों का इलाज किया जा रहा है।

उच्चतम न्यायालय को कभी भी 'प्रधान न्यायाधीश-केंद्रित अदालत' नहीं होना चाहिए: सीजेआई गवई

नयी दिल्ली : प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई ने बुधवार को कहा कि उच्चतम न्यायालय को कभी भी ''प्रधान न्यायाधीश-केंद्रित अदालत'' नहीं होना चाहिए, क्योंकि सीजेआई केवल न्यायाधीशों के बीच प्रथम हैं। प्रधान न्यायाधीश ने यह भी कहा कि उन्होंने न्याय प्रशासन संस्था में 'बार और बेंच' को हमेशा ''समान हितधारक'' माना है। वह 'सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन' द्वारा आयोजित एक अभिनंदन समारोह में बोल रहे थे। सीजेआई ने कहा, ''मेरा मानना है कि प्रधान न्यायाधीश, न्यायाधीशों के बीच प्रथम हैं और उच्चतम न्यायालय को कभी भी प्रधान न्यायाधीश-केंद्रित अदालत नहीं होना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत को सभी न्यायाधीशों और बार के सदस्यों की अदालत होना चाहिए। सीजेआई ने कहा, ''और इसलिए, मैं लोकतांत्रिक कार्यप्रणाली में विश्वास करता हूं। इसलिए हम जो भी निर्णय लेते हैं, वे पूर्ण न्यायालय के निर्णय होते हैं।'' प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि पिछले कई वर्षों में, 26 मई से 11 जुलाई तक के आंशिक कार्य दिवसों के दौरान सर्वोच्च न्यायालय में सबसे अधिक मामलों का निस्तारण हुआ है। इस वर्ष न्यायालय ने अपनी पारंपरिक ग्रीष्मकालीन छुट्टियों को ''आंशिक न्यायालय कार्य दिवस'' नाम दिया है। प्रधान न्यायाधीश ने अपने संबोधन में कहा, ''मैं कहना चाहूंगा कि आप सभी और मेरे सहयोगियों के सहयोग से, पिछले कई वर्षों में आंशिक कार्य दिवसों के दौरान हमारे यहां सबसे अधिक मामलों का निस्तारण किया गया।

ईडी ने 500 करोड़ रुपये के छत्तीसगढ़ चिकित्सा आपूर्ति 'घोटाला' मामले में छापे मारे

रायपुर : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित तौर पर 500 करोड़ रुपये से ज्यादा के चिकित्सा आपूर्ति घोटाले की धन शोधन जांच के तहत बुधवार को छत्तीसगढ़ में कई स्थानों पर छापे मारे। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। यह कथित घोटाला राज्य में पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान का है। सूत्रों ने बताया कि रायपुर, दुर्ग, भिलाई और आसपास के इलाकों में कुछ सरकारी अधिकारियों, चिकित्सकीय सामान के आपूर्तिकर्ताओं और एजेंट के अलावा कुछ ''बिचौलियों'' से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत ईडी की जांच अप्रैल में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो/आर्थिक अपराध शाखा (एसीबी/ईओडब्ल्यू) द्वारा छह व्यक्तियों के खिलाफ दाखिल आरोप पत्र से संबंधित है जिसमें 2023 में चिकित्सा उपकरणों और रासायनिक रसायनों की खरीद में कथित अनियमितताओं से राज्य के खजाने को 550 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचने का आरोप लगाया गया है।

शादी के बाद बेटी के माता-पिता अजनबी नहीं हो जाते: दिल्ली उच्च न्यायालय

नयी दिल्ली : दिल्ली उच्च न्यायालय ने अपनी पत्नी को प्रताड़ित करने और उसे खुदकुशी के लिए उकसाने के आरोपी एक व्यक्ति को जमानत देने से इनकार कर दिया। अदालत ने पीड़िता को दहेज के लिए कथित तौर पर प्रताड़ित किए जाने के बारे में उसके माता-पिता की गवाही पर गौर करते हुए कहा कि शादी के बाद बेटी के माता-पिता अजनबी नहीं हो जाते। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांत शर्मा ने 25 जुलाई के अपने आदेश में माता-पिता की दलील पर गौर किया, जिसमें कहा गया था कि आरोपी व्यक्ति अपनी पत्नी से मोटरसाइकिल और सोने की चेन की मांग करता था और मांग पूरी न होने पर उससे झगड़ा करता था। बाद में तंग आकर पत्नी ने आत्महत्या कर ली। न्यायमूर्ति शर्मा ने शिकायत दर्ज कराने वाले मृतका के माता-पिता को निजी गवाह बताने की आरोपी व्यक्ति की दलील को खारिज कर दिया और इसे अजीब तथा भारतीय समाज की वास्तविकता से कोसों दूर बताया। अभियोजन पक्ष के अनुसार, 18 वर्षीय मृतका उत्तर प्रदेश के हरदोई की रहने वाली थी और उसकी शादी 21 मई 2023 को दिल्ली में आरोपी व्यक्ति से हुई थी। उसने छह फरवरी 2024 को कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी। अभियोजन पक्ष ने दावा किया कि उसे दहेज के लिए परेशान किया जा रहा था और मृत्यु के समय वह तीन महीने की गर्भवती थी। न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा, 'अपनी बेटी की शादी दिल्ली में रहने वाले एक व्यक्ति से करने के बाद, वे अपनी बेटी के 'निजी गवाह' नहीं बन जाते-वे हमेशा के लिए उसके माता-पिता बने रहते हैं। सिर्फ इसलिए कि उन्होंने अपनी बेटी की शादी दूसरे शहर में कर दी, इसका मतलब यह नहीं कि वे अजनबी या निजी व्यक्ति हैं, जिन्हें उसकी मानसिक स्थिति या दैनिक वैवाहिक जीवन के बारे में कोई जानकारी नहीं है।'

असम: 1,500 हेक्टेयर वन भूमि पर अतिक्रमण हटाने का अभियान दूसरे दिन भी जारी

गोलाघाट (असम) : असम के गोलाघाट जिले में लगभग 1,500 हेक्टेयर वन भूमि पर कथित अतिक्रमण को हटाने के लिए बड़े पैमाने पर बेदखली अभियान बुधवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इस कार्रवाई के कारण लगभग 1500 परिवार प्रभावित होंगे और इनमें से अधिकतर मुस्लिम समुदाय से हैं। सरुपथार उप-मंडल में असम-नगालैंड सीमा पर उरियमघाट में रेंगमा वन अभयारण्य की लगभग 11,000 बीघा (3,600 एकड़ से अधिक) भूमि पर कथित अतिक्रमण को हटाने के लिए मंगलवार सुबह बेदखली अभियान शुरू किया गया था। जिला प्रशासन के एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, आज सुबह करीब नौ बजे सोनारी बील और पीठाघाट इलाके में बेदखली अभियान शुरू हुआ। अब तक सब कुछ योजना के अनुसार और शांतिपूर्ण ढंग से जारी है। यद्यपि सरकार ने दावा किया कि इस क्षेत्र पर अतिक्रमण किया गया था। वहीं वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वीकार किया कि वहां प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) के तहत मकान थे और जल जीवन मिशन (जेजेएम) के तहत पानी का कनेक्शन था। वरिष्ठ अधिकारियों ने यह भी स्वीकार किया कि इन क्षेत्रों में सर्व शिक्षा अभियान (एसएसए) के तहत सरकारी स्कूल, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत उप-स्वास्थ्य केंद्र और लगभग हर घर में बिजली कनेक्शन के अलावा बाजार, मस्जिद, मदरसे और चर्च भी हैं। बिद्यापुर क्षेत्र के मुख्य बाजार से मंगलवार को अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की गई थी, जिसके बाद आवासीय स्थानों पर भी अतिक्रमण हटाया गया। अधिकारी ने बताया कि अभियान के दौरान लगभग 4.2 हेक्टेयर वन भूमि पर फैले लगभग 120 अवैध' व्यावसायिक ढांचों को ध्वस्त कर दिया गया है।

साल 2018 के बुलंदशहर हिंसा मामले में 38 लोग दोषी करार

बुलंदशहर (उप्र) : उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले की एक अदालत ने स्याना इलाके में 2018 में हुई हिंसा के मामले में बुधवार को 38 आरोपियों को दोषी करार दिया। एक वकील ने यह जानकारी दी। इस हिंसा के दौरान थाना प्रभारी (एसएचओ) सुबोध कुमार सिंह और एक स्थानीय युवक सुमित की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे)-12 गोपाल ने पांच आरोपियों को सिंह की हत्या का दोषी पाया, जबकि शेष 33 को तत्कालीन भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की संबंधित धाराओं के तहत दोषी ठहराया। वकील ने बताया कि अदालत ने सजा सुनाने के लिए एक अगस्त की तारीख तय की है। यह घटना तीन दिसंबर, 2018 को बुलंदशहर जिले के स्याना इलाके में हुई थी, जब कथित गोहत्या को लेकर हिंसा भड़क उठी थी। अशांति के दौरान, एसएचओ सुबोध कुमार सिंह और 20 वर्षीय सुमित को गोली लगने से गंभीर चोटें आईं, जिसके बाद उनकी मौत हो गई। विशेष लोक अभियोजक यशपाल सिंह राघव ने बताया कि आरोपपत्र में नामजद 44 लोगों में से 38 के खिलाफ आरोप सिद्ध हो गए हैं। एक आरोपी पर किशोर न्यायालय में मुकदमा जारी है क्योंकि वह घटना के समय नाबालिग था। मुकदमे के दौरान, पांच आरोपियों की मृत्यु हो गई। राघव ने बताया कि पांच लोगों को भारतीय दंड सहिंता की धारा 302 (हत्या) के तहत दोषी ठहराया गया है, जबकि बाकी को अन्य आरोपों के तहत दोषी करार दिया गया।

जरूरतमंद को आवास दिलाएंगे, इलाज भी कराएंगे : योगी

गोरखपुर (उप्र) : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात करके उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित निदान के आदेश दिये। मुख्यमंत्री ने गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान करीब 200 लोगों से मुलाकात की। उन्होंने ध्यान से बात सुनते हुए उनके प्रार्थना पत्र लिए और निस्तारण के लिए संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष व संतुष्टिपरक होना चाहिए। राज्य सरकार द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार हर जरूरतमंद और पात्र व्यक्ति को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने तथा हर समस्या के प्रभावी निस्तारण के लिए संकल्पित है। जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे जन समस्याओं पर त्वरित संवेदनशीलता दिखाएं। बयान के मुताबिक जनता दर्शन में हर बार की तरह इस बार भी कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे।

लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह अगले उप सेना प्रमुख

नयी दिल्ली : लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह एक अगस्त को अगले उप सेना प्रमुख के रूप में कार्यभार संभालेंगे। वह लेफ्टिनेंट जनरल एन एस राजा सुब्रमणि का स्थान लेंगे, जिन्होंने पिछले वर्ष एक जुलाई को उप सेना प्रमुख का पदभार ग्रहण किया था। इसके अलावा, नौसेना उप प्रमुख, वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन, पश्चिमी नौसैन्य कमान के अगले फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ होंगे। उन्होंने एक मई, 2024 को नौसेना उप प्रमुख का पदभार ग्रहण किया था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अगले नौसेना उप प्रमुख बनने वाले वाइस एडमिरल संजय वात्स्यायन एक अगस्त को कार्यभार संभालेंगे।

अहमदाबाद में दो साल से रह रहे 11 घुसपैठिये बांग्लादेश जाते समय पकड़े गए

नदिया : पश्चिम बंगाल के नदिया जिले में चार बच्चों सहित बांग्लादेश के सात नागरिकों को पकड़ा गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि उन्हें जिले के धनतला थाना क्षेत्र के बरनबेरिया निरालापाड़ा से मंगलवार को पकड़ा गया है। उन्होंने बताया कि ये सभी लोग बांग्लादेश के खुलना जिले में बटियाघाटा पुलिस थाना क्षेत्र के बलियाडांगा गांव के रहने वाले हैं। अधिकारी ने बताया कि उक्त सभी बांग्लादेशी दो साल पहले भारत में घुसे थे और अहमदाबाद में रह रहे थे। उन्हें तब पकड़ा गया जब वे नदिया सीमा के रास्ते बांग्लादेश वापस जाने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने बताया कि इस संबंध में धनतला पुलिस थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि उनके अन्य साथियों की तलाश में छापेमारी जारी है।

असम में सुरक्षा बलों ने सात घुसपैठियों को बांग्लादेश वापस भेजा

गुवाहाटी : असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि सुरक्षा बलों ने बुधवार को असम के श्रीभूमि जिले से सात बांग्लादेशी घुसपैठियों को पड़ोसी देश में वापस भेज दिया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, अवैध घुसपैठियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी है। अवैध घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई जारी रखते हुए आज तड़के श्रीभूमि से सात बांग्लादेशी नागरिकों को वापस भेज दिया गया। शर्मा ने चेतावनी देते हुए कहा, घुसपैठ की कोशिश न करें, पकड़े जाएंगे और वापस खदेड़ दिए जाएंगे। सोमवार को असम पुलिस ने श्रीभूमि से 20 अवैध घुसपैठियों को बांग्लादेश वापस भेज दिया था। शर्मा ने कहा था कि असम सभी भारतीयों का घर है, न कि उन अवैध विदेशियों का जो राज्य की जनसांख्यिकी को बदलने की कोशिश कर रहे हैं। हम अवैध प्रवासियों को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

अभिनेता प्रकाश राज ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में ईडी के समक्ष पेश हुए

हैदराबाद : अभिनेता प्रकाश राज कुछ मंच द्वारा अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी किए जाने से जुड़े धन शोधन मामले में पूछताछ के लिए बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों के समक्ष पेश हुए। तेलुगु, कन्नड़ और अन्य दक्षिण भारतीय फिल्मों से पहचान बनाने वाले अभिनेता ईडी के यहां जोनल कार्यालय में पूछताछ के लिए पेश हुए। राज से करीब चार घंटे तक पूछताछ की गयी। अभिनेता ने कहा कि उन्होंने 2016 में ऐप्स के साथ यह काम किया था, लेकिन नैतिक आधार पर इसके लिए कोई पैसा नहीं लिया। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने ऐप्स का प्रचार बंद कर दिया था। उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'मैंने उन्हें जानकारी दी कि मुझे (प्रचार के लिए) कोई पैसा नहीं मिला क्योंकि मैं इसके लिए कोई पैसा नहीं लेना चाहता था। उन्होंने (ईडी अधिकारियों ने) सारी जानकारी ली है।'

आपका आचरण विश्वसनीय नहीं, आप पेश ही क्यों हुए : न्यायालय ने न्यायमूर्ति वर्मा से कहा

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने नकदी बरामदगी मामले में आंतरिक जांच समिति की रिपोर्ट को अमान्य करार देने का अनुरोध करने वाले न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के आचरण को विश्वसनीय न बताते हुए बुधवार को उनसे तीखे सवाल पूछे। साथ ही शीर्ष अदालत ने किसी भी न्यायिक कदाचार पर कार्रवाई करने के प्रधान न्यायाधीश के अधिकार का समर्थन करते हुए कहा कि वह महज एक 'डाकघर' नहीं हो सकते, बल्कि राष्ट्र के प्रति उनके कुछ कर्तव्य हैं। आंतरिक समिति की रिपोर्ट में न्यायमूर्ति वर्मा को कदाचार का दोषी पाया गया था। शीर्ष अदालत ने न्यायमूर्ति वर्मा से पूछा कि वह आंतरिक जांच समिति के समक्ष क्यों पेश हुए और उसे वहीं चुनौती क्यों नहीं दी। अदालत ने न्यायमूर्ति वर्मा से कहा कि उन्हें समिति की रिपोर्ट के खिलाफ उच्चतम न्यायालय पहले आना चाहिए था। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति एजी मसीह की पीठ ने कहा कि आंतरिक जांच प्रक्रिया 1999 में लागू की गई थी और भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) को महज 'डाकघर' नहीं माना जा सकता। पीठ ने कहा, 'भारत के प्रधान न्यायाधीश से केवल 'डाकघर' होने की अपेक्षा नहीं की जाती। न्यायपालिका के प्रमुख के रूप में राष्ट्र के प्रति उनके कुछ कर्तव्य हैं।' उसने कहा कि अगर भारत के प्रधान न्यायाधीश के सामने यह मानने के लिए कोई दस्तावेज है कि किसी न्यायाधीश ने कदाचार किया है, तो वह राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को सूचित कर सकते हैं। पीठ ने कहा, 'आगे बढ़ना या नहीं बढ़ना, राजनीतिक निर्णय से तय होगा। लेकिन न्यायपालिका को समाज को यह संदेश देना है कि प्रक्रिया का पालन किया गया है।'

भारत के पास ओवल में स्टोक्स रहित इंग्लैंड पर 'नॉकआउट पंच' लगाने का मौका

लंदन : भारतीय टीम के लिए ब्रिटेन दौरा श्रृंखला में बराबरी के साथ समाप्त करने की संभावनाएं कुछ हद तक बढ़ गई हैं क्योंकि इंग्लैंड के करिश्माई कप्तान बेन स्टोक्स और तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर बृहस्पतिवार से शुरू होने वाले पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच में उपलब्ध नहीं होंगे। कप्तान स्टोक्स पिछले दो टेस्ट मैचों में गेंदबाजी करते हुए दाहिने कंधे की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण बाहर हो गए हैं जबकि चार साल बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने वाले आर्चर को लगातार दो मैचों में खेलने के बोझ के बाद आराम दिया गया है। तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स और बाएं हाथ के स्पिनर लियाम डॉसन को भी आराम दिया गया है। कुछ खिलाड़ी ऐसे होते हैं जिनकी मौजूदगी ही अंतर पैदा कर देती है और इंग्लैंड के कप्तान और बेहतरीन आ-लराउंडर स्टोक्स ऐसे ही खिलाड़ी हैं जिन्होंने श्रृंखला में 304 रन बनाने के साथ 17 विकेट झटके हैं। ओवल में इंग्लैंड की टीम को कप्तान स्टोक्स की प्रेरणादायक मौजूदगी की सबसे ज्यादा कमी खलेगी। कार्यवाहक कप्तान ओली पोप के लिए यह कड़ी चुनौती होगी क्योंकि जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में भारतीय टीम से पूरी ताकत लगाने की उम्मीद है। भारत ने ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गए चौथे टेस्ट मैच को ड्रॉ कराकर पांच मैच की श्रृंखला को जीवंत रखा है। वह पांचवें मैच में श्रृंखला बराबर करने के लक्ष्य के साथ मैदान पर उतरेगा। वहीं अभी 2-1 से आगे चल रहा इंग्लैंड श्रृंखला जीतने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगा। इस श्रृंखला में टेस्ट क्रिकेट में नई जान भी फूंकी है। खचाखच भरे स्टेडियम में खेली जा रही यह श्रृंखला टेस्ट क्रिकेट के लिए भी एक आदर्श विज्ञापन रही है, जिसमें सभी चार मैच पांचवें दिन के अंतिम सत्र तक चले। इस बीच दोनों टीम के खिलाड़ियों के बीच कुछ अवसरों पर नोक झोंक भी हुई जिससे श्रृंखला अधिक रोचक बन गई। चाहे वह लॉर्ड्स में जानबूझकर समय बर्बाद कर रहे जैक क्रॉली के खिलाफ शुभमन गिल का तीखा हमला हो या रविंद्र जडेजा का चौथे टेस्ट के अंतिम दिन बेन स्टोक्स की नाराजगी के बावजूद मैच रद्द करने से इनकार करना हो, दोनों टीम ने एक दूसरे पर हावी होने में कसर नहीं छोड़ी है।

अगर हम श्रृंखला बराबर कर लेते हैं तो यह बड़ी उपलब्धि होगी: गिल

लंदन : भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने बुधवार को कहा कि इंग्लैंड में पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला बराबर करना 'बड़ी उपलब्धि' होगी और वह कप्तान के रूप में अपने पहले दौरे से कहीं अधिक समझदार होकर लौटेंगे। बदलाव के दौर से गुजरने के बावजूद भारत ने श्रृंखला में कड़ी टक्कर दी है और अगर टीम मुश्किल लम्हों में थोड़ा बेहतर करती तो लीड्स और लॉर्ड्स में जीत दर्ज करती। श्रृंखला के अंतिम मैच से पहले गिल ने पिछले 50 दिन में टीम के कप्तान के रूप में अपने समय पर विचार किया। ओवल टेस्ट की पूर्व संध्या पर गिल ने कहा, 'यह बहुत रोमांचक रहा है। आखिरी टेस्ट से एक दिन पहले मैं यहां हूं और मैं बहुत उत्साहित हूं। यह श्रृंखला मेरे लिए सीखने का एक बड़ा जरिया रही है। कुछ चीजें आप केवल अनुभव से ही सीख सकते हैं और मैंने इन चार मुकाबलों से बहुत कुछ सीखा है।'

कोच के पास पिच को देखने का पूरा अधिकार, ओवल के क्यूरेटर से गंभीर की झड़प पर गिल

लंदन : कप्तान शुभमन गिल ने ओवल के मुख्य क्यूरेटर ली फोर्टिस से तीखी बहस के बाद गौतम गंभीर का बचाव करते हुए कहा कि भारतीय कोच को पिच का मुआयना करने का पूरा अधिकार था। गिल से पांचवें और आखिरी टेस्ट से पहले जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'जो कल हुआ, वह गैर जरूरी था।' उन्होंने कहा, 'कोच को विकेट देखने का पूरा अधिकार है। समझ में नहीं आया कि क्यूरेटर इसकी अनुमति क्यो नहीं देगा। अगर आपने रबर के स्पाइक्स पहन रखे हैं या नंगे पैर हैं तो दिक्कत नहीं होनी चाहिये।

जडेजा विश्व के नंबर एक टेस्ट हरफनमौला, अभिषेक टी20 में शीर्ष पर

दुबई : भारतीय हरफनमौला रविंद्र जडेजा ने टेस्ट क्रिकेट में दुनिया के नंबर एक हरफनमौला के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है जबकि अभिषेक शर्मा पहली बार टी20 रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे। आईसीसी टेस्ट क्रिकेटरों की ताजा रैंकिंग में जडेजा के पास 117 रेटिंग अंकों की बढत हो गई है जबकि बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज दूसरे स्थान पर हैं। दूसरी ओर टी20 रैंकिंग में एक साल से शीर्ष पर काबिज आस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड को पछाड़कर भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा नंबर एक पर पहुंच गए हैं। बायें हाथ के बल्लेबाज शर्मा के अब 829 रेटिंग अंक हैं जबकि हेड 814 अंक के साथ दूसरे स्थान पर हैं। आईसीसी ने अपनी वेबसाइट पर जारी बयान में कहा, 'जडेजा ने 107 रन की नाबाद पारी और वार विकेट लेकर हरफनमौलाओं की रैंकिंग में बढत बना ली है।' इसमें कहा गया, 'उसने 13 रेटिंग अंक हासिल किये है और कुल 422 अंक के साथ वह बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज से 117 अंक आगे हैं। इसके साथ ही बल्लेबाजों की रैंकिंग में वह पांच पायदान चढकर 29वें और गेंदबाजों में एक पायदान चढकर 14वें स्थान पर हैं।' वॉशिंगटन सुंदर आठ पायदान चढकर 65वें स्थान पर हैं जिन्होंने जडेजा के साथ पांचवें विकेट के लिये 203 रन की साझेदारी करके मैनचेस्टर टेस्ट ड्रॉ कराया था।

आईसीसी का प्रतिबंध पूरा करने के बाद ब्रेंडन टेलर जिम्बाब्वे टीम में शामिल

हरारे : ब्रेंडन टेलर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के भ्रष्टाचार रोधी और डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन के कारण लगाए गए साढ़े तीन साल के निलंबन को पूरा करने के बाद जिम्बाब्वे टेस्ट टीम में वापसी कर ली है। टेलर (39 वर्ष) को जनवरी 2022 में एक भारतीय व्यवसायी द्वारा 2019 में स्पॉट फिक्सिंग के लिए संपर्क किए जाने की सूचना समय पर नहीं देने के कारण प्रतिबंधित किया गया था। उन्हें बुलावायो के क्रीस स्पोर्ट्स क्लब में सात से 11 अगस्त तक न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले दूसरे टेस्ट मैच के लिए जिम्बाब्वे टीम में शामिल किया गया है। टेलर को उस समय कोकीन के सेवन से जुड़ी डोप जांच में विफल होने के कारण भी एक महीने के लिए निलंबित किया गया था। उन पर 2019 में 15,000 अमेरिकी डॉलर लेने की बात स्वीकार करने के बाद प्रतिबंध लगा दिया गया था।

40 भारतीय मुक्केबाज एशियाई अंडर 19 और अंडर 22 चैम्पियनशिप में

नयी दिल्ली : भारत ने बैंकॉक में बुधवार से शुरू हो रही एशियाई अंडर 19 और अंडर 22 मुक्केबाजी चैम्पियनशिप के लिये 40 सदस्यीय टीम भेजी है। टूर्नामेंट में 26 देशों के 396 मुक्केबाज भाग लेंगे। एशियाई मुक्केबाजी इसका आयोजन विश्व मुक्केबाजी और थाईलैंड मुक्केबाजी संघ के साथ मिलकर कर रही है। इसमें दो आयुवर्ग अंडर 19 और अंडर 22 में स्पर्धायें होंगी। महिला और पुरूष मुक्केबाज ओलंपिक मुक्केबाजी नियमों के तहत खेलेंगे। भारतीय टीम की अगुवाई तीन बार के एशियाई चैम्पियन और दो बार के राष्ट्रीय चैम्पियन विश्वनाथ सुरेश करेंगे। उनके साथ राष्ट्रीय चैम्पियनशिप पदक विजेता सागर, प्रीत मलिक और खेलो इंडिया स्वर्ण पदक विजेता सुमन कुमारी भी होंगे।

डब्ल्यूसीएल सेमीफाइनल: भारत चैंपियन्स ने पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से इनकार

बर्मिंघम : भारत ने बृहस्पतिवार को यहां विश्व चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) के सेमीफाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से इनकार कर दिया। टीम ने पहलगाम में हुए भीषण आतंकवादी हमले के बाद पड़ोसी देश के साथ किसी भी द्विपक्षीय खेल संबंध के खिलाफ देश के रुख का हवाला दिया है। शिखर धवन, इरफान पठान, हरभजन सिंह, युवराज सिंह, सुरेश रैना जैसे दिग्गज खिलाड़ियों की मौजूदगी वाली भारतीय टीम पहले ही आतंकवादी हमले और फिर भारत द्वारा शुरू किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पाकिस्तान के खिलाफ नहीं खेलने की इच्छा जता चुकी है। भारत ने टूर्नामेंट के पहले ग्रुप चरण मुकाबले में भी इसी तरह का रुख अपनाया था। ऑपरेशन सिंदूर के बाद उस मैच में भारत के कई शीर्ष पूर्व क्रिकेटरों ने पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से इनकार कर दिया था। भारत को बृहस्पतिवार को एजबेस्टन क्रिकेट ग्राउंड पर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पाकिस्तान से खेलना था। लीग के शीर्ष प्रायोजक ईजमाईट्रिप ने भारत-पाक मैच पर अपनी स्थिति पहले ही स्पष्ट कर दी है। इस ट्रैवल टेक कंपनी के सह संस्थापक निशांत पिट्टी ने अपने 'एक्स' हैंडल पर लिखा, 'हम विश्व चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में टीम इंडिया (इंडिया चैंपियन्स) के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हैं। आपने देश को गौरवांवित किया है।

स्टोक्स, आर्चर नहीं खेलेंगे, पांचवें टेस्ट में इंग्लैंड की कमान संभालेंगे पोप

लंदन : चोटिल कप्तान बेन स्टोक्स और प्रमुख तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भारत के खिलाफ यहां बृहस्पतिवार से शुरू हो रहे पांचवें और आखिरी टेस्ट में नहीं खेलेंगे और इंग्लैंड ने निर्णायक टेस्ट में अपनी एकादश में तीन बदलाव किये हैं। मेजबान टीम श्रृंखला में 2-1 से आगे है। स्टोक्स की गैर मौजूदगी में ओली पोप इंग्लैंड की कमान संभालेंगे। स्टोक्स ने टीम की मोर्चे से अगुवाई करते हुए 17 विकेट लिये और 304 रन भी बनाये हैं। वह कंधे की चोट के कारण टीम से बाहर हो गए हैं जबकि चार साल बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने वाले आर्चर को आराम दिया गया है। तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स भी आखिरी टेस्ट से बाहर रहेंगे। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने बुधवार को एक विज्ञप्ति में कहा, 'कप्तान बेन स्टोक्स दाहिने कंधे की चोट के कारण बाहर हैं। स्पिनर लियाम डॉसन, तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर और ब्रायडन कार्स भी नहीं खेलेंगे।' ईसीबी ने कहा, 'इंग्लैंड ने छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले जैकब बेथेल, सर्रे के गेंदबाज गुस एटकिंसन और जैमी ओवरटन , नॉटिंघमशर के तेज गेंदबाज जोश टंग को टीम में शामिल किया है।' इंग्लैंड अंतिम एकादश : ओली पोप (कप्तान), जाक क्रॉली, बेन डकेट, जो रूट, हैरी ब्रूक, जैकब बेथेल, जैमी स्मिथ, क्रिस वोक्स, गुस एटकिंसन, जैमी ओवरटन, जोश टंग।

ओवल क्यूरेटर के साथ बहस पर पार्थिव ने कहा, गंभीर के पास नाराजगी जताने का कारण था

नयी दिल्ली : पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज पार्थिव पटेल ने बुधवार को कहा कि द ओवल में सरे के मैदानकर्मियों के प्रमुख ली फोर्टिस के साथ तीखी बहस के बाद भारतीय मुख्य कोच गौतम गंभीर को नाराजगी जताने का पूरा अधिकार था। मंगलवार को जब भारतीय टीम पांचवें और अंतिम टेस्ट से पहले ओवल में अभ्यास कर रही थी तब फोर्टिस ने गंभीर को पिच से ढाई मीटर दूर रहने को कहा जिसके बाद गंभीर और उनके बीच तीखी बहस हुई है। पार्थिव ने यहां 'पीटीआई वीडियोज' से कहा, 'यह दुर्भाग्यशाली है कि इस तरह की घटना हुई। लेकिन गौतम को नाराजगी जताने का अधिकार है। एक क्यूरेटर के रूप में बेशक आप किसी को पिच का मुआयना करने से नहीं रोक सकते।' उन्होंने कहा, 'यही मुख्य कोच की भूमिका है। आप और क्या उम्मीद कर रहे हैं? कोई मुख्य कोच जाकर पिच का निरीक्षण नहीं करेगा... यह बिल्कुल भी संभव नहीं है।' पार्थिव ने आगे कहा, 'यह सब प्रसारित हो रहा था। यह इंग्लैंड का अनुचित व्यवहार है जो बिल्कुल भी अच्छा नहीं है।'

बुमराह का पांचवें टेस्ट से बाहर रहना तय, आकाशदीप ले सकते हैं जगह

लंदन : भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का कार्यभार प्रबंधन के तहत इंग्लैंड के खिलाफ गुरुवार से ओवल में शुरू होने वाले पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच से बाहर रहना तय है और आकाशदीप उनकी जगह अंतिम एकादश में शामिल हो सकते हैं। एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। दुनिया के नंबर एक गेंदबाज 31 वर्षीय बुमराह ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गए चौथे टेस्ट मैच में लय में नहीं दिखे, जहां उन्हें अपनी गति पर संघर्ष करना पड़ा और वे सफलता हासिल करने में असफल रहे। ईएसपीएनक्रिकइन्फो की रिपोर्ट के अनुसार, ''भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की मेडिकल टीम ने बुमराह को बता दिया है कि यह फैसला उनकी पीठ को चोट से बचाने और भविष्य को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कमर में दर्द के कारण चौथे टेस्ट से बाहर रहे आकाश दीप को अंतिम एकादश में बुमराह की जगह शामिल किया जा सकता है।

स्वरोजगार से स्वावलंबन की तरफ बढ़ते उत्तर प्रदेश के युवा, एमएसएमई महत्वपूर्ण: योगी आदित्यनाथ

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को युवाओं के स्वरोजगार पर बल देने के साथ ही पिछली राज्य सरकारों पर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र की अनदेखी करने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने यहां 'युवा कॉन्क्लेव' का उद्घाटन करने के बाद कहा, 'राज्य में बड़े पैमाने पर एमएसएमई इकाइयां थीं और पहले से ही हर जिले और हर कस्बे के आसपास उनके क्लस्टर मौजूद थे लेकिन पिछली सरकार इस क्षेत्र के महत्व को नहीं समझ पाई।' उन्होंने कहा, 'जिनकी सोच सिर्फ अपने परिवारों तक सीमित थी और जिन्होंने सत्ता हथियाने के लिए समाज को बांटने पर जोर दिया, वे राज्य की सबसे बड़ी युवा आबादी के भविष्य के बारे में कैसे सोच सकते हैं।' आदित्यनाथ ने किसी पार्टी का नाम लिए बगैर यह आरोप लगाया कि पिछली सरकारें राज्य के एमएसएमई उद्योग को बंद करने की साजिश का हिस्सा थीं। उन्होंने कहा, 'पिछली सरकार की गुंडागर्दी, भ्रष्टाचार और बेईमानी ने लोगों को पलायन करने पर मजबूर कर दिया था।' आदित्यनाथ ने कहा कि बड़े पैमाने के उद्योग बंद हो रहे हैं और कारीगर परेशान होकर दूसरे काम की तलाश में लगे हैं। मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार की पहल का जिक्र करते हुए कहा, 'वर्ष 2017 में सत्ता में आने के बाद हमने एक समिति बनाई और 'एक ज़िला एक उत्पाद' (ओडीओपी) योजना शुरू की। आज ओडीओपी योजना पूरे देश में एक ब्रांड बन गई है।' इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत संचालित हो रही 'सीएम युवा योजना' को प्रदेश के लाखों युवाओं के लिए 'स्वरोजगार से स्वावलंबन तक की यात्रा' का माध्यम बताया। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक इस योजना के तहत 68,000 से अधिक युवाओं को 2,751 करोड़ रुपये का ब्याज-मुक्त एवं बिना गारंटी वाला ऋण उपलब्ध कराया गया है। योजना के अंतर्गत 10 प्रतिशत मार्जिन मनी की सुविधा भी राज्य सरकार दे रही है।

जियो फाइनेंशियल प्रवर्तकों को निर्गम जारी कर 15,825 करोड़ रुपये जुटाएगी

नयी दिल्ली : जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के निदेशक मंडल ने बुधवार को प्रवर्तक समूह के सदस्यों को परिवर्तनीय वारंट जारी कर 15,825 करोड़ रुपये की पूंजी जुटाने को मंजूरी दे दी। अंबानी परिवार और समूह की विभिन्न होल्डिंग इकाइयों सहित जियो फाइनेंशियल के प्रवर्तकों के पास कंपनी में कुल 47.12 प्रतिशत हिस्सेदारी है। प्रवर्तक समूह की हिस्सेदारी तरजीही निर्गम के बाद बढ़कर 54.19 प्रतिशत हो जाएगी। निदेशक मंडल ने बुधवार को अपनी बैठक में 316.50 रुपये प्रति यूनिट की दर से 50 करोड़ वारंट जारी कर पूंजी जुटाने को मंजूरी दी। कंपनी ने कहा कि प्रत्येक वारंट 10 रुपये अंकित मूल्य के कंपनी के एक पूर्ण चुकता इक्विटी शेयर में परिवर्तित हो सकता है। इससे दोनों प्रवर्तक इकाइयों को निजी नियोजन के आधार पर तरजीही निर्गम के माध्यम से कुल 15,825 करोड़ रुपये प्राप्त होंगे।

उच्च न्यायालय में सुनवाई से पहले माइक्रोसॉफ्ट ने नायरा की सेवाएं कीं बहाल

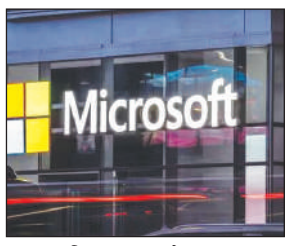

नयी दिल्ली : माइक्रोसॉफ्ट कॉरपोरेशन ने रूस की पेट्रोलियम कंपनी रोसनेफ्ट समर्थित नायरा एनर्जी की सेवाएं बहाल कर दी हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। दिल्ली उच्च न्यायालय में निर्धारित सुनवाई से ठीक पहले यह फैसला किया गया है। माइक्रोसॉफ्ट कॉरपोरेशन ने यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के बाद नायरा एनर्जी को सेवाएं देना बंद कर दिया था। इस पर भारतीय रिफाइनरी नायरा एनर्जी ने दिल्ली उच्च न्यायालय में माइक्रोसॉफ्ट के खिलाफ मुकदमा किया है जिस पर बुधवार को सुनवाई निर्धारित है। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने हालांकि बताया कि सुनवाई से पहले, माइक्रोसॉफ्ट ने नायरा के लिए ईमेल, माइक्रोसॉफ्ट टीम्स और अन्य सेवाओं तक पूर्ण पहुंच बहाल कर दी। माइक्रोसॉफ्ट के एक प्रवक्ता ने भी नायरा की सेवाएं बहान करने की पुष्टि की। प्रवक्ता ने कहा, 'माइक्रोसॉफ्ट भारत और दुनिया भर में अपने सभी ग्राहकों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है और उसने नायरा एनर्जी की सेवाएं बहाल कर दी हैं। हम संगठन के लिए सेवा निरंतरता सुनिश्चित करने को यूरोपीय संघ के साथ निरंतर चर्चा कर रहे हैं।' नायरा ने माइक्रोसॉफ्ट के कदम को एकतरफा कार्रवाई करार देते हुए 28 जुलाई को बयान में कहा था, 'नायरा एनर्जी ने महत्वपूर्ण सेवाओं के अचानक और एकतरफा निलंबन के बाद माइक्रोसॉफ्ट के खिलाफ कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है। माइक्रोसॉफ्ट नायरा एनर्जी की अपने डेटा, मालिकाना उपकरणों और उत्पादों तक पहुंच को रोक रही है जबकि ये पूरी तरह से भुगतान किए गए लाइसेंस के तहत हासिल किए गए हैं।'

डीजीसीए को एक साल में घरेलू एयरलाइन कंपनियों के 23 ऑडिट में 263 खामियां मिलीं

मुंबई : नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने बुधवार को कहा कि पिछले एक साल में आठ घरेलू एयरलाइन कंपनियों के 23 ऑडिट (लेखा परीक्षण) के दौरान उसे 263 खामियां मिली हैं। इनमें से कुछ ऐसी खामियां हैं जिनमें तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई की जरूरत है। हालांकि, विमानन नियामक ने कहा कि एयर इंडिया के ऑडिट के दौरान सामने आई खामियों की पृष्ठभूमि में, व्यापक परिचालन वाली एयरलाइंस के लिए ऑडिट निष्कर्षों या खामियों की अधिक संख्या 'पूरी तरह से सामान्य' है। आंकड़ों के अनुसार, पिछले एक साल में टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया (साथ ही अब विलय हो चुकी विस्तारा) और एयर इंडिया एक्सप्रेस के साथ कुल 93 ऑडिट निष्कर्ष सामने आए हैं। इन निष्कर्षों में 19 स्तर-1 उल्लंघन शामिल थे जिन्हें गंभीर सुरक्षा जोखिम माना जाता है और जिनके लिए हवाई संचालक द्वारा तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई की आवश्यकता होती है। मंगलवार को सूत्रों ने बताया था कि डीजीसीए को एयर इंडिया के प्रशिक्षण, चालक दल के आराम और ड्यूटी अवधि के मानदंडों, और हवाई क्षेत्र योग्यता आदि से संबंधित लगभग 100 उल्लंघनों और टिप्पणियों का पता चला है। नियामक ने एयर इंडिया के 51 ऑडिट निष्कर्षों में इन उल्लंघनों का उल्लेख किया था। डीजीसीए ने बयान में कहा कि वह परिचालन की सुरक्षा बढ़ाने और अनुपालन सुनिश्चित करने तथा एयरलाइन परिचालन के सभी पहलुओं में निरंतर सुधार के लिए ऑडिट करता है।

शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी, सेंसेक्स 144 अंक चढ़ा

मुंबई : स्थानीय शेयर बाजार में बुधवार को लगातार दूसरे दिन तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स 144 अंक मजबूत हुआ। वहीं एनएसई निफ्टी 34 अंक के लाभ में रहा। मुख्य रूप से लॉर्सन एंड टुब्रो के शेयर में भारी लिवाली से बाजार में तेजी आई। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 143.91 अंक यानी 0.18 प्रतिशत की बढ़त के साथ 81,481.86 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, एक समय यह 281.01 अंक तक चढ़ गया था। पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 33.95 अंक यानी 0.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,855.05 अंक पर बंद हुआ। विश्लेषकों ने कहा कि अमेरिकी व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता और विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी ने बाजार की तेजी पर अंकुश लगाया। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में, लार्सन एंड टुब्रो में 4.87 प्रतिशत की तेजी आई। इसका कारण बुनियादी ढांचा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी के शुद्ध लाभ में अच्छी वृद्धि है। जून तिमाही में विदेशी बाजार से ऑर्डर में वृद्धि के कारण कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ 29.8 प्रतिशत बढ़कर 3,617.19 करोड़ रुपये रहा। इसके अलावा, सन फार्मा, एनटीपीसी, मारुति, भारती एयरटेल, ट्रेंट और एक्सिस बैंक के शेयर भी लाभ में रहे। दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में टाटा मोटर्स, पावर ग्रिड, इटर्नल (पूर्व में जोमैटो), बजाज फिनसर्व और हिंदुस्तान यूनिलीवर शामिल हैं। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 4,636.60 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि भारत के साथ व्यापार समझौते को अभी अंतिम रूप नहीं दिया जा सका है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत लगभग किसी भी अन्य देश की तुलना में ज्यादा शुल्क लगाता है।

न्यूज अपडेट

रुपया 52 पैसे टूटकर 87.43 प्रति डॉलर पर

मुंबई : भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता के बीच रुपया बुधवार को 52 पैसे टूटकर 87.43 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि आयातकों की ओर से मासान्त की डॉलर मांग और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी ने भी स्थानीय मुद्रा पर दबाव डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 87.10 पर खुला। कारोबार के दौरान यह डॉलर के मुकाबले 87.05 के निचले स्तर पर पहुंचा। अंत में यह 87.43 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 52 पैसे की गिरावट है। रुपया मंगलवार को चार महीने से भी अधिक के निचले स्तर पर आ गया था। यह 21 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले होकर 86.91 पर बंद हुआ था।

महिंद्रा एंड महिंद्रा का पहली तिमाही में शुद्ध लाभ 24 प्रतिशत बढ़कर 4,083 करोड़ रुपये

मुंबई : महिंद्रा एंड महिंद्रा का चालू वित्त वर्ष (2025-26) की अप्रैल-जून तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 24 प्रतिशत बढ़कर 4,083 करोड़ रुपये हो गया है। पिछले वित्त वर्ष (2024-25) की पहली तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 3,283 करोड़ रुपये रहा था। मुंबई स्थित कंपनी ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि अप्रैल-जून तिमाही में उसकी परिचालन आय बढ़कर 45,529 करोड़ रुपये हो गई जो एक साल पहले इसी तिमाही में 37,218 करोड़ रुपये थी। कंपनी का शेयर बुधवार को 0.62 प्रतिशत चढ़कर 3,217.05 रुपये पर बंद हुआ।

केआरटी का रीट आईपीओ पांच अगस्त को खुलेगा, मूल्य दायरा 95-100 रुपये प्रति शेयर

मुंबई : रियल एस्टेट कंपनी सत्व ग्रुप और ब्लैकस्टोन द्वारा प्रायोजित नॉलेज रियल्टी ट्रस्ट (केआरटी) ने बुधवार को अपने 4,800 करोड़ रुपये के रीट आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 95-100 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया। केआरटी ने बयान में कहा कि यह निर्गम पांच अगस्त को खुलकर सात अगस्त को बंद होगा। इस आईपीओ में केआरटी द्वारा 4,800 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे। केआरटी ने आईपीओ लाने और रीट को शेयर बाजारों पर सूचीबद्ध करने के लिए मार्च की शुरुआत में पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास दस्तावेजों का मसौदा (डीआरएचपी) दाखिल किया था। यह प्रमुख शहरों में स्थित उसकी 30 प्रमुख कार्यालय संपत्तियों से धन जुटाने की रणनीति का हिस्सा है।

अमेरिका का ऊंचा शुल्क चौंकाने वाला, झींगा निर्यात पर पड़ेगा 'गंभीर' असर: कृषि अर्थशास्त्री

नयी दिल्ली : कृषि अर्थशास्त्री अशोक गुलाटी ने कहा है कि अमेरिका के 25 प्रतिशत के ऊंचे शुल्क और जुर्माने से भारत के समुद्री खाद्य निर्यात, विशेष रूप से झींगा मछली के निर्यात पर 'गंभीर' असर पड़ेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को भारत पर 25 प्रतिशत का शुल्क और रूस से सैन्य खरीद को लेकर जुर्माना लगाने की घोषणा की है। यह शुल्क एक अगस्त से लागू होगा। गुलाटी ने कहा कि ट्रंप का सभी भारतीय वस्तुओं पर ऊंचा शुल्क लगाने का फैसला 'बहुत बुरा' और 'चौंकाने वाला' है। उन्होंने कहा कि उन्हें केवल 10-15 प्रतिशत शुल्क की उम्मीद थी। उन्होंने पीटीआई-भाषा को बताया, 'यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि ट्रंप अप्रत्याशित और दंडात्मक रुख वाले हैं।' गुलाटी ने कहा कि इस कदम से देश के झींगा निर्यात पर 'गंभीर' असर पड़ेगा तथा कम शुल्क और अमेरिका से करीबी भौगोलिक नजदीकी रखने वाले इक्वाडोर को फायदा होगा। झींगा निर्यात के अलावा, भारत के वस्त्र उद्योग पर उच्च अमेरिकी शुल्क का प्रभाव भी देखने को मिलेगा।

वर्ष 10, पूर्णांक 3313 अंक 123, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सरोज राय द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- अनिल कुमार राय (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in